▪ भाद्रपद कृष्ण - 3 ▪ संवत 2082 ▪ वर्ष - 21 ▪ अंक - 21 ▪ पृष्ठ - 8 ▪ रु. 5/- बेंगलूरु » मंगलवार » 12-08-2025 ▪ www.dakshinbharat.com ▪ Email : news@dakshinbharat.com

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

ದಕ್ಷಿಣ ಭಾರತ ರಾಷ್ಟ್ರಮತ | ಹಿಂದಿ ದಿನ ಪತ್ರಿಕೆ | बेंगलूरु और चेन्नई से एक साथ प्रकाशित

5 'मिया मुस्लिमों' के अवैध कब्जे वाले वन और आरक्षित भूमि को मुक्त कराएंगे : हिमंत

6 रक्षा उत्पादन में भारत की आत्मनिर्भरता का नया अध्याय शुरू

7 सबको छोड़कर जिंदगी की नई शुरुआत करना चाहती हैं श्रुति हासन

फर्स्ट टेक

भारत ने बांग्लादेश से कुछ जूट उत्पादों के आयात पर लगाई रोक

नई दिल्ली/भाषा। भारत ने बांग्लादेश के साथ तनावपूर्ण संबंधों के बीच सोमवार को कुछ जूट उत्पादों और रस्सियों के जमीनी मार्गों से आयात पर तत्काल प्रभाव से प्रतिबंध लगा दिया। हालांकि, विदेश व्यापार महानिदेशालय (डीजीएफटी) की अधिसूचना के अनुसार, इन आयातों को न्हावा शेवा बंदरगाह के माध्यम से अनुमति दी गई है। डीजीएफटी की अधिसूचना में कहा गया, भारत-बांग्लादेश सीमा पर किसी भी भूमि बंदरगाह से बांग्लादेश से आयात की अनुमति नहीं दी जाएगी। इसमें कहा गया है, बांग्लादेश से भारत में कुछ वस्तुओं के आयात को तत्काल प्रभाव से विनियमित किया जाता है। सूची में शामिल उत्पादों में जूट से बने बुने हुए कपड़े, रस्सी, जूट की बोरियां और थैले शामिल हैं।

ऑस्ट्रेलिया फिलीस्तीन को मान्यता देगा

कैनबरा/भाषा। ऑस्ट्रेलिया संयुक्त राष्ट्र महासभा के 80वें सत्र के दौरान सितंबर में फ़िलिस्तीन को औपचारिक रूप से मान्यता देगा। उसका यह कदम अपने घनिष्ठ सहयोगी अमेरिका से अलग होगा क्योंकि अमेरिका के मित्र देश इजरायल के गाजा पट्टी के कुछ हिस्सों में बढ़ते सैन्य अभियान से दुनिया में चिंताएँ बढ़ रही हैं। इस बीच ऑस्ट्रेलिया के विदेश मंत्रालय ने कहा है कि यह कदम द्वि-राष्ट्र समाधान, गाजा में युद्धविराम और बंधकों की रिहाई की दिशा में अंतर्राष्ट्रीय गति को बढ़ावा देगा। 1947 से ऑस्ट्रेलिया इज़रायल के अस्तित्व का समर्थन करता रहा है।

जापान में मूसलाधार बारिश से बाढ़ एवं भूस्खलन, कई लोग लापता

टोक्यो/एपी। जापान के दक्षिणी मुख्य द्वीप क्यूशू में पिछले सप्ताह से हो रही मूसलाधार बारिश के कारण बाढ़ और भूस्खलन की घटनाएं हुईं जिनमें कई लोग लापता हो गए और कई घायल हुए हैं। बारिश ने 'बॉन' बौद्ध अवकाश सप्ताह के दौरान यात्रा को भी प्रभावित किया है। बीते सप्ताह से शुरू हुई मूसलाधार बारिश के बाद कागोशिमा प्रांत में एक व्यक्ति लापता है और चार लोग घायल हुए हैं। क्षेत्र में बनी कम दबाव की प्रणाली की वजह से क्यूशू के उत्तरी हिस्सों में भारी बारिश हुई। जापान मौसम विज्ञान एजेंसी ने सोमवार तड़के कुमामोतो में उच्चतम स्तर की चेतावनी जारी की तथा अग्निशमन और आपदा प्रबंधन एजेंसी ने कुमामोतो और अन्य छह प्रांतों में हजारों लोगों को निकालने की सलाह दी। क्षेत्र में बचावकर्मी कई लोगों की तलाश कर रहे हैं।

मोदी ने किया सांसदों के लिए नए फ्लैटस का उद्घाटन

नदियों के नामो की परम्परा देश को एकता के सूत्र में हमें बांधती है : मोदी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने सोमवार को राष्ट्रीय राजधानी के बाबा खड़क सिंह मार्ग स्थित सांसदों के लिए नए फ्लैट्स का उद्घाटन किया।

कार्यक्रम स्थल पर पहुंचकर मोदी ने दीप प्रज्ज्वलित कर नए फ्लैट्स का उद्घाटन कर देश के जनप्रतिनिधियों को समर्पित किया। इस कार्यक्रम में लोकसभा स्पीकर ओम बिड़ला, केन्द्रीय मंत्रियों एवं सभी सांसदों का अभिवादन किया गया। सांसदों के लिए चार टावरों में फ्लैट बनाये गये हैं।

प्रधानमंत्री ने कहा ये चारों टावरों के नाम देश की प्रमुख नदियों कृष्णा, गोदावरी, कोसी और हुगली के नाम पर रखा गया है। मोदी ने कहा भारत की चारों प्रमुख नदियों को करोड़ो लोगों को जीवन दायनी माना जाता है। ...अब उनकी प्रेरणा से हमारे जनप्रतिनिधियो के जीवन में आनन्द की नई धारा बहेगी।

इस दौरान प्रधानमंत्री ने कोसी नदी का ज़िक्र करने के साथ-साथ विपक्ष पर चुटकी लेते हुये कहा कुछ लोगों को इससे भी परेशानी होगी इसका नाम कोसी क्यों रखा ....वो लोग इस नाम को बिहार चुनाव से जोड़कर देखने लगेंगे। उनको इसका नाम कोसी नदी नहीं दिखेगी, उनको बिहार का चुनाव दिखेगा।

प्रधानमंत्री ने कहा ऐसे छोटे लोगों के परेशानियों के बीच भी में जरूर कहूँगा, नादियों के नामो की परम्परा देश को एकता के सूत्र में हमें बांधती है।

इस दौरान सभी संसदों ने प्रधानमंत्री का इस उपहार के लिये धन्यवाद किया। अगर इन बने हुए फ्लैटो की विषेशताओ की बात करें तो यह परिसर सांसदों की जरूरतों को ध्यान में रखकर बनाया गया है। प्रत्येक फ्लैट में 5,000 वर्ग फुट क्षेत्रफल है। जिसमें कार्यालय और स्टाफ के लिए जगह भी है। यह परियोजना गृह 3-स्टार रेटिंग और राष्ट्रीय भवन संहिता के अनुरूप है। इमारतें भूकंपरोधी हैं और दिव्यांगों के लिए अनुकूलित हैं।

मोदी ने कहा कि इस परिसर को आत्मनिर्भर बनाने के लिए डिजाइन किया गया है और यह संसद सदस्यों की कार्यात्मक जरूरतों को पूरा करने के लिए आधुनिक सुविधाओं की पूरी शृंखला से सुसज्जित है।

▪ प्रत्येक फ्लैट में 5,000 वर्ग फुट क्षेत्रफल है। जिसमें कार्यालय और स्टाफ के लिए जगह भी है।

प्रधानमंत्री मोदी ने जेलेंस्की से कहा

यूक्रेन संघर्ष के समाधान के लिए भारत प्रतिबद्ध

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने सोमवार को यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमीर जेलेंस्की से फोन पर बात की। इस दौरान उन्होंने जेलेंस्की से कहा कि यूक्रेन संघर्ष के शीघ्र एवं शांतिपूर्ण समाधान के लिए भारत हरसंभव योगदान देने को प्रतिबद्ध है।

वहीं, जेलेंस्की ने शांति स्थापना से जुड़े प्रयासों के लिए मोदी के समर्थन की सराहना की। हालांकि, उन्होंने भारत द्वारा रूस से कच्चे तेल की खरीद का अप्रत्यक्ष रूप से संदर्भ देते हुए कहा कि यूक्रेन में युद्ध जारी रखने की मॉस्को की वित्तीय क्षमता में कमी लाने के लिए रूस से ऊर्जा, खासतौर पर कच्चे तेल के निर्यात को सीमित करने की जरूरत है। दोनों नेताओं के बीच यह बातचीत अमेरिका के अलास्का में 15 अगस्त को अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप और उनके रूसी समकक्ष व्लादिमीर पुतिन के बीच रूस-यूक्रेन में शांति समझौते को लेकर होने वाली शिखर वार्ता से पहले हुई है।

मोदी ने 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, मुझे राष्ट्रपति जेलेंस्की से बात करके और हालिया घटनाक्रमों पर उनके विचार जानकर खुशी हुई। मैंने उन्हें भारत के लगातार जारी इस रुख से अवगत कराया कि संघर्ष के शीघ्र और शांतिपूर्ण समाधान की आवश्यकता है। उन्होंने कहा, भारत इस संबंध में हरसंभव योगदान देने तथा यूक्रेन के साथ द्विपक्षीय संबंधों को और मजबूत करने के लिए प्रतिबद्ध है।

भारत ने रूस-अमेरिका के बीच प्रस्तावित शिखर वार्ता का पिछले हफ्ते स्वागत किया था। उसने प्रधानमंत्री मोदी के इस दृढ़ रुख की फिर से पुष्टि की थी कि यह युद्ध का युग नहीं है।

लोकसभा ने नए आयकर विधेयक को मंजूरी दी

नई दिल्ली/भाषा। लोकसभा ने सोमवार को आयकर संबंधी उस नए विधेयक को स्वीकृति प्रदान कर दी, जो आयकर अधिनियम, 1961 का स्थान लेगा। यह नया विधेयक लोगों को निश्चित समय के अंदर आयकर रिटर्न दाखिल नहीं कर पाने पर भी टीडीएस रिफंड का दावा करने की अनुमति प्रदान करेगा। बिहार में मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) और कथित 'वोट चोरी' के मुद्दे पर विपक्ष के सदस्यों की नारेबाजी के बीच वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने आयकर (संख्यांक 2) विधेयक, 2025 लोकसभा में पारित करने के लिए पेश किया, जिसे सदन ने ध्वनिमत से अनुमोदित किया। इस विधेयक में प्रवर समिति की लगभग सभी सिफारिशों को शामिल किया गया है। यह विधेयक मौजूदा आयकर अधिनियम, 1961 की जगह लेगा, जिसमें बीते कुछ साल में कई संशोधन किए गए हैं। यह वर्तमान अधिनियम के मूल कर प्रावधानों को बरकरार रखता है और मुख्य रूप से भाषा को सरल बनाने और अनावश्यक प्रावधानों को हटाने का प्रावधान करता है।

वाशिंगटन पुलिस को संघीय नियंत्रण में रखेंगे और नेशनल गार्ड तैनात करेंगे : ट्रंप

वाशिंगटन/न्यूयॉर्क /भाषा। राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने सोमवार को कहा कि अपराधों में कम लाने की उम्मीद के साथ वह पूरे वाशिंगटन में 'नेशनल गार्ड' तैनात कर रहे हैं और शहर के पुलिस विभाग का कार्यभार संभाल रहे हैं। वहीं शहर के महापौर ने कहा कि देश की राजधानी में अपराध कम हो रहे हैं।

राष्ट्रपति ट्रंप ने औपचारिक रूप से सार्वजनिक सुरक्षा आपातकाल की घोषणा की।

ट्रंप ने अमेरिका की राजधानी में अपराध की तुलना अन्य प्रमुख शहरों से करते हुए कहा कि इराक, ब्राजील और कोलंबिया सहित अन्य देशों की राजधानियों की तुलना में वाशिंगटन में सुरक्षा व्यवस्था खराब है। राष्ट्रपति ट्रंप ने औपचारिक रूप से सार्वजनिक सुरक्षा आपातकाल की घोषणा की।

ट्रंप ने प्रेस ब्रीफिंग में यह भी कहा कि उनकी सरकार ने देश के सभी खूबसूरत पार्कों से बेघर शिविरों को हटाना शुरू कर दिया है। ट्रंप ने कहा, हम झुग्गी-झोपड़ियों को भी हटा रहे हैं। उन्होंने कहा कि अमेरिका अपने शहरों को नहीं खोएगा और वाशिंगटन तो बस एक शुरुआत है।

राष्ट्रपति ने कहा कि अमेरिकी अटॉर्नी जनरल पाम बॉन्डी वाशिंगटन के मेट्रो पुलिस विभाग की जिम्मेदारी संभालेंगी। ट्रंप ने शहर में गड्ढों व भित्तिचित्रों की भी आलोचना की और इस स्थिति को 'शर्मनाक' करार दिया।

निर्वाचन आयोग का डेटा सामने आकर रहेगा : राहुल गांधी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने सोमवार को कहा कि एकजुट विपक्ष और देश का हर मतदाता साफ-सुथरी मतदाता सूची चाहता है और निर्वाचन आयोग जानता है कि जो डेटा वह छिपाने की कोशिश कर रहा है, वह सामने आकर रहेगा।

विपक्षी दलों के सांसदों ने बिहार में मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) और कथित ''वोट चोरी'' के खिलाफ सोमवार को संसद भवन परिसर से मार्च निकाला। हालांकि पुलिस ने उन्हें संसद मार्ग पर ही रोक दिया तथा बाद में हिरासत में ले लिया।

हिरासत में लिए जाने के बाद राहुल गांधी ने संवाददाताओं से कहा, सच्चाई देश के सामने है। यह लड़ाई राजनीतिक नहीं है, यह संविधान को बचाने की लड़ाई है, एक व्यक्ति-एक वोट' की लड़ाई है। हम एक साफ-सुथरी और सही मतदाता सूची चाहते हैं। बाद में उन्होंने 'एक्स' पर पोस्ट किया, आज जब हम निर्वाचन आयोग से मिलने जा रहे थे, इंडिया' गठबंधन के सभी सांसदों को रोका गया और हिरासत में ले लिया गया। वोट चोरी की सच्चाई अब देश के सामने है।

कांग्रेस नेता ने कहा, एकजुट विपक्ष और देश का हर मतदाता मांग करता है: साफ़-सुथरी मतदाता सूची। यह हक़ हम हर हाल में लेकर रहेंगे।

राहुल गांधी ने संसद परिसर में संवाददाताओं से कहा, हिंदुस्तान में लोकतंत्र की हालत देखिए। तीन सौ सांसद निर्वाचन आयोग से मिलना चाहते हैं, लेकिन आयोग कहता है, आप मिलने नहीं आ सकते हैं, क्योंकि निर्वाचन आयोग सच्चाई से डरता है।

▪ विपक्षी दलों के सांसदों ने बिहार में मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) और कथित ''वोट चोरी'' के खिलाफ संसद भवन परिसर से मार्च निकाला।

निर्वाचन आयोग का खंडन

कांग्रेस का 'वोट चोरी' का दावा तथ्यात्मक रूप से गलत

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। निर्वाचन आयोग ने कांग्रेस और उसके नेता राहुल गांधी द्वारा यहां विरोध मार्च के दौरान किए गए 'वोट चोरी' के दावों को सोमवार को ''तथ्यात्मक रूप से गलत'' करार दिया।

निर्वाचन आयोग ने विपक्षी गठबंधन 'इंडियन नेशनल डेवलपमेंटल इन्क्लूसिव अलायंस' (इंडिया) द्वारा किए गए दावों पर एक फैक्टचेक जारी किया।

इंडि गठबंधन ने दिन में बिहार में मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण के खिलाफ विरोध मार्च का नेतृत्व किया था।

निर्वाचन आयोग ने बिहार में मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) में पारदर्शिता के अपने दावे के समर्थन में दस्तावेजों की एक सूची साझा की। इन साक्ष्य में राष्ट्रीय जनता दल (आरजेडी), कांग्रेस और भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी (भाकपा) जैसे राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों के वीडियो भी शामिल हैं।

निर्वाचन आयोग ने बिहार में मसौदा मतदाता सूची प्रकाशित होने से पहले, उसके दौरान और बाद में राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों के साथ हुई अपनी बैठकों का विवरण भी साझा किया तथा कहा कि वह एसआईआर प्रक्रिया के संचालन के दौरान जमीनी स्तर पर उच्चतम पारदर्शिता के लिए प्रतिबद्ध है।

आयोग ने मसौदा मतदाता सूचियों के प्रकाशन के बाद से प्रतिदिन जारी किए जा रहे बुलेटिन का लिंक साझा करते हुए कहा, ''शुद्ध मतदाता सूची लोकतंत्र को मजबूत करती है।''

पाकिस्तानी सेना प्रमुख ने भारत के खिलाफ दी परमाणु धमकी दी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

वाशिंगटन/भाषा। पाकिस्तान के सेना प्रमुख फील्ड मार्शल असीम मुनीर ने अमेरिकी धरती पर दिए गए एक भाषण में भारत को परमाणु युद्ध की धमकी देते हुए चेतावनी दी है कि अस्तित्व का खतरा पैदा होने पर पाकिस्तान आधी दुनिया को तबाह कर देगा ।

फ्लोरिडा के टैम्पा में व्यवसायी और मानद वाणिज्य दूत अदनान असद द्वारा आयोजित एक रात्रिभोज में बोलते हुए सेना प्रमुख ने कहा, हम एक परमाणु संपन्न राष्ट्र हैं। अगर हमें लगता है कि हम बर्बाद हो रहे हैं तो हम आधी दुनिया को बर्बाद कर देंगे।

रिपोर्टों के अनुसार अमेरिकी धरती से किसी तीसरे देश के खिलाफ परमाणु यद्ध के लिये दी गई उनकी यह पहली परमाणु धमकी हैं।

फील्ड मार्शल मुनीर अमेरिकी सेंट्रल कमांड (सेंटकॉम) के कमान परिवर्तन समारोह में भाग लेने के लिए टाम्पा में हैं।

दो महीने से भी कम समय में यह उनकी अमेरिका की दूसरी यात्रा है जो अमेरिका-पाकिस्तान के बीच नए सैन्य संबंधों का संकेत है। इससे क्षेत्र में अमेरिकी मंशा को लेकर भारत में गंभीर सवाल उठ रहे हैं। ऐसा अमेरिका और भारत के बीच बढ़ते व्यापारिक तनाव के बीच और महत्वपूर्ण हो जाता है।

फील्ड मार्शल मुनीर ने सिंधु नदी के चैनलों पर भारत द्वारा बनाए जाने वाले किसी भी बुनियादी ढांचे को नष्ट करने की भी धमकी भी दी। उन्होंने चेतावनी दी कि ऐसी योजनाओं से पाकिस्तान की जल आपूर्ति बाधित हो सकती है। गौरतलब है कि 22 अप्रैल के पहलगाम आतंकवादी हमले के बाद सिंधु जल संधि को निलंबित करने के भारत के फैसले का जिक्र करते हुए उन्होंने दावा किया कि इस कदम से 25 करोड़ पाकिस्तानियों को भुखमरी का खतरा हो सकता है।

उन्होंने कथिततौर पर कहा हम भारत द्वारा बांध बनाने का इंतजार करेंगे और जब वह ऐसा करेगा तो हम उसे 10 मिसाइलों से नष्ट कर देंगे। सिंधु नदी भारतीयों की पारिवारिक संपत्ति नहीं है। हमें मिसाइलों की कमी नहीं है। अल-हम्दुलिल्लाह (हमारे पास मिसाइलों की कोई कमी नहीं है, अल्लाह की स्तुति हो)।

अपनी पिछली यात्रा के दौरान उन्होंने 18 जून को राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के साथ व्हाइट हाउस में दोपहर भोज में भाग लिया था और विवादास्पद रूप से अमेरिकी राष्ट्रपति को नोबेल शांति पुरस्कार देने का सुझाव दिया था। इसे उन्होंने फ्लोरिडा में भी दोहराया था।

▪ पाकिस्तान के सेना प्रमुख ने कहा, हम एक परमाणु संपन्न राष्ट्र हैं। अगर हमें लगता है कि हम बर्बाद हो रहे हैं तो हम आधी दुनिया को बर्बाद कर देंगे।

▪ फील्ड मार्शल मुनीर ने सिंधु नदी के चैनलों पर भारत द्वारा बनाए जाने वाले किसी भी बुनियादी ढांचे को नष्ट करने की भी धमकी भी दी।

बैंक बचत खातों में न्यूनतम शेष राशि तय करने के लिए स्वतंत्र : आरबीआई गवर्नर

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

मेहसाणा (गुजरात)/भाषा। भारतीय रिजर्व बैंक के गवर्नर संजय मल्होत्रा ने सोमवार को कहा कि बैंक बचत खातों में न्यूनतम शेष राशि तय करने के लिए स्वतंत्र हैं और यह आरबीआई के नियामक अधिकार क्षेत्र में नहीं आता है। वह गुजरात के मेहसाणा जिले के गोजरिया ग्राम पंचायत में वित्तीय समावेश पर आयोजित एक समारोह के दौरान संवाददाताओं से बातचीत में यह बात कही।

एक निजी बैंक के बचत खातों के लिए जरूरी न्यूनतम शेष राशि बढ़ाने के बारे में पूछने पर मल्होत्रा ने कहा, आरबीआई ने न्यूनतम शेष राशि तय करने का निर्णय प्रत्येक बैंक पर छोड़ दिया है। कुछ बैंकों ने इसे 10,000 रुपए रखा है, कुछ ने 2,000 रुपए रखा है और कुछ ने (ग्राहकों को) इससे छूट दी है। यह (आरबीआई के) नियामक अधिकार क्षेत्र में नहीं है।

आईसीआईसीआई बैंक ने एक अगस्त से नए बचत खाते खोलने वालों के लिए न्यूनतम शेष राशि की सीमा बढ़ा दी है।

बैंक की वेबसाइट के अनुसार, बचत बैंक खाते में न्यूनतम औसत मासिक शेष राशि (एमएबी) पांच गुना बढ़ाकर 10,000 रुपए से 50,000 रुपए कर दी गई है। यह राशि छोटे शहरों और ग्रामीण क्षेत्रों के लिए पांच गुना बढ़ाकर क्रमशः 25,000 रुपए और 10,000 रुपए की गई है।

परमाणु हथियारों की धमकी देना पाकिस्तान की आदत : भारत

नई दिल्ली/भाषा। पाकिस्तानी फौज के प्रमुख फील्ड मार्शल आसिम मुनीर की अमेरिकी धरती से भारत को दी गई परमाणु हमले की धमकी पर नई दिल्ली ने कड़ी प्रतिक्रिया देते हुए सोमवार को कहा कि परमाणु हथियारों की धमकी देना पड़ोसी मुल्क की आदत है। भारत ने कहा कि मुनीर की टिप्पणी ने सेना और आतंकवादी समूहों के बीच सांठगांठ वाले पाकिस्तान में परमाणु कमान और नियंत्रण की विश्वसनीयता को लेकर व्याप्त संदेह को और पुष्ट किया है। विदेश मंत्रालय ने एक बयान में कहा कि भारत पहले ही स्पष्ट कर चुका है कि वह परमाणु ब्लैकमेल के आगे नहीं झुकेगा और राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए सभी आवश्यक कदम उठाता रहेगा। विदेश मंत्रालय ने अमेरिका को एक स्पष्ट संदेश में कहा कि यह खेदजनक है कि ये टिप्पणियां किसी तीसरे मित्र देश की धरती से दी गई हैं।

फ्लोरिडा के टाम्पा में पाकिस्तानी प्रवासियों को संबोधित करते हुए मुनीर ने कथित तौर पर परमाणु हमले की धमकी देते हुए कहा था कि भविष्य में भारत के साथ युद्ध में उनके देश के अस्तित्व को खतरा हो सकता है। पाकिस्तानी सेना प्रमुख ने यह भी चेतावनी दी कि यदि भारत ने पाकिस्तान जाने वाले जल प्रवाह को बाधित किया तो इस्लामाबाद भारतीय बुनियादी ढांचे को नष्ट कर देगा।

12-08-2025 सूर्यास्त 6:42 बजे	13-08-2025 सूर्योदय 6:07 बजे
BSE 80,604.08 (+746.29)	NSE 24,585.05 (+221.75)
सोना 10,637 रु. (24 कैरेट) प्रति ग्राम	चांदी 118,456 रु. प्रति किलो

मिशन मंडेला
दक्षिण भारत राष्ट्रमत
दक्षिण भारत का लोकप्रिय हिन्दी दैनिक
epaper.dakshinbharat.com

कैलाश मण्डेला, मो. 9828233434

बस चुप्पी

जाति और वर्ग आधारित,
नेताओं को बस सहना है।
प्रतिभाओं को कमजोरों के,
सम्मुख झुक करके रहना है।
धर्मों की धाराओं में रम,
नासमझी के सँग बहना है।
मैं भारत का आम नागरिक,
मुझे नहीं कुछ भी कहना है।।

‘वोट चोरी’ के खिलाफ विपक्ष ने दिखाई एकजुटता, संसद से निकाला मार्च

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। विपक्षी दलों के सांसदों ने बिहार में मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) और कथित ‘‘वोट चोरी’’ के खिलाफ सोमवार को संसद भवन परिसर से मार्च निकाला। हालांकि, पुलिस ने उन्हें संसद मार्ग पर ही रोक दिया तथा बाद में हिरासत में ले लिया।

विपक्षी दलों ने एकजुटता दिखाने के साथ ही यह भी कहा कि देश साफ-सुथरी मतदाता सूची चाहता है और चुनाव आयोग ‘चुराव आयोग’ नहीं हो सकता। वहीं, भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने आरोप लगाया कि कांग्रेस और उसके सहयोगी दल देश में अराजकता पैदा करना चाहते हैं तथा लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी संविधान विरोधी गतिविधियों में लिप्त लोगों के नेता बन गए हैं।

लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी, राज्यसभा में विपक्ष के नेता एवं कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे, समाजवादी पार्टी के अध्यक्ष अखिलेश यादव, कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी वाड्रा और कई विपक्षी सांसदों को हिरासत में ले लिया गया। विरोध प्रदर्शन में राकांपा(शरद पवार) के अध्यक्ष शरद पवार ने भी हिस्सा लिया। हिरासत में लिए गए नेताओं को संसद मार्ग थाने ले जाया गया, हालांकि पुलिस ने बाद में उन्हें छोड़ दिया। राहुल गांधी ने कहा, सच्चाई देश के सामने है। यह लड़ाई

राजनीतिक नहीं है, यह संविधान को बचाने की लड़ाई है, एक व्यक्ति एक वोट’ की लड़ाई है। हम एक साफ-सुथरी और सही मतदाता सूची चाहते हैं। खरगे ने ‘एक्स’ पर पोस्ट किया, भाजपा की कायराना तानाशाही नहीं चलेगी। ये जनता के वोट के अधिकार को बचाने की लड़ाई है। यह लोकतंत्र को बचाने का संघर्ष है। ‘इंडिया’ गठबंधन के साथी संविधान की धज्जियां उड़ाने वाली इस भाजपाई साज़िश को बेनक़ाब करके ही रहेंगे। संसद के मकर द्वार के सामने मार्च शुरू करने से पहले विपक्षी सांसदों ने राष्ट्रगान गाया।

पुलिस ने निर्वाचन सदन तक किए जाने वाले उनका मार्च रोकने के लिए संसद मार्ग पर ‘पीटीआई बिल्डिंग’ के सामने अवरोधक (बैरिकेड) लगा रखे थे। पुलिस द्वारा रोके जाने पर विपक्षी दलों के सांसद सड़क पर ही बैठ गए और ‘‘वोट चोरी बंद करो, तानाशाही नहीं चलेगी, मोदी सरकार हाय-हाय’’ जैसे नारे लगाने लगे। सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव पुलिस के रोके जाने के बाद बैरिकेड फांदकर दूसरी तरफ चले गए। उन्होंने कहा, हम वोट बचाने के लिए बैरिकेड फांद रहे हैं। जिन लोगों ने वोट काटे हैं, उनके खिलाफ चुनाव आयोग को कार्रवाई करनी चाहिए। 18 हजार वोटों को मतदाता सूची से हटाया था, जिनकी सूची मैंने खुद दी है। आयोग ने हलफनामा मांगा, हमने दे दिया। हर किसी को मतदान करने का अवसर मिलना चाहिए।

उधर, पुलिस अधिकारियों को लाउडस्पीकर पर सांसदों को रोकने के संबंध में घोषणा करते सुना गया।

तृणमूल कांग्रेस की सांसद महुआ मोइत्रा और सागरिका घोष, कांग्रेस सांसद ज्योतिमणि और संजना जाटव पुलिस द्वारा लगाए गए बैरिकेड पर खड़ी हो गईं और उन्होंने सरकार के खिलाफ नारे लगाए। इन चारों महिला सांसदों ने साड़ी पहन रखी थी।

अमेरिका को कुल निर्यात के 55 प्रतिशत पर होगा टैरिफ का असर: मंत्री पंकज चौधरी

नई दिल्ली/भाषा। वित्त राज्य मंत्री पंकज चौधरी ने सोमवार को कहा कि 25 प्रतिशत अमेरिकी जवाबी शुल्क (टैरिफ) का असर अमेरिका को भारत के कुल व्यापारिक निर्यात के लगभग 55 प्रतिशत पर होगा।

लोकसभा में एक प्रश्न के लिखित उत्तर में वित्त राज्य मंत्री पंकज चौधरी ने यह जानकारी दी। उन्होंने यह भी कहा कि सरकार किसानों, उद्यमियों, निर्यातकों, एमएसएमई के कल्याण की रक्षा और संवर्धन को सर्वोच्च महत्व देती है और हमारे राष्ट्रीय हितों की रक्षा के लिए सभी आवश्यक कदम उठाएगी। उन्होंने कहा, मांग, गुणवत्ता और संविदात्मक व्यवस्थाओं जैसे विभिन्न कारक भारत के निर्यात पर प्रभाव को निर्धारित करेंगे। मंत्री से सवाल किया गया था कि क्या सरकार ने भारतीय वस्तुओं पर अमेरिका के पारस्परिक टैरिफ के प्रभाव का कोई आकलन किया है? उन्होंने बताया कि भारत से अमेरिका को निर्यात की जाने वाली कुछ वस्तुओं पर सात अगस्त से 25 प्रतिशत की दर से जवाबी शुल्क लगाने का प्रस्ताव है। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने 27 अगस्त से प्रभावी होने वाले अतिरिक्त 25 प्रतिशत शुल्क की भी घोषणा की है। इसके साथ ही, भारतीय वस्तुओं पर कुल शुल्क अब 50 प्रतिशत हो गया है।

राहुल से हफलनामा मांगने पर शशि थरूर ने निर्वाचन आयोग पर निशाना साधा

नई दिल्ली/भाषा। कांग्रेस सांसद शशि थरूर ने लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी पर चुनाव में धांधली के उनके आरोपों को लेकर हमला किए जाने के लिए सोमवार को निर्वाचन आयोग पर निशाना साधा और कहा कि यह संवैधानिक संस्था जवाब देने के बजाय शपथ और हलफनामे जैसी औपचारिकताओं में उलझ रही है।

थरूर ने बिहार में मतदाता सूची के पुनरीक्षण और कथित ‘‘वोट चोरी’’ के खिलाफ विपक्षी सांसदों की ओर से निकाले गए विरोध मार्च में हिस्सा लिया। उन्होंने कहा, हमें जवाब चाहिए, हमले नहीं। थरूर ने ‘पीटीआई-भाषा’ से कहा, राहुल गांधी ने निर्वाचन आयोग से कई गंभीर सवाल पूछे। उन गंभीर सवालों के गंभीर जवाब दिए जाने चाहिए। निर्वाचन आयोग जवाब देने के बजाय, शपथ जैसी औपचारिकताओं पर जोर दे रहा है। पूर्व केंद्रीय मंत्री ने कहा, ईमानदारी से कहूं तो मुझे नहीं लगता कि इसके लिए कोई कारण है... उन्हें इस पर जोर देने की जरूरत नहीं है। दूसरी बात, राहुल जी जिस डेटा का हवाला दे रहे हैं, वह निर्वाचन आयोग का डेटा है। निर्वाचन आयोग अपने डेटा को देख सकता है। थरूर ने कहा, मुझे लगता है कि औपचारिकताओं में उलझने के बजाय, उन्हें (निर्वाचन आयोग) लोगों के मन में उठ रहे गंभीर संदेह का समाधान करना चाहिए, क्योंकि चुनाव प्रणाली की शुचिता हमारे लोकतंत्र के लिए आवश्यक और महत्वपूर्ण है।

एसआईआर के खिलाफ मार्च : निर्वाचन आयोग ने कहा

किसी दल ने मसौदा सूची को लेकर उससे संपर्क नहीं किया

नई दिल्ली/भाषा। बिहार में मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) को लेकर विपक्षी दलों द्वारा विरोध मार्च निकाले जाने के बीच निर्वाचन आयोग ने सोमवार को कहा कि राज्य में मसौदा मतदाता सूची में नाम शामिल करने या हटाने के लिए किसी भी पार्टी ने उससे संपर्क नहीं किया है।

आयोग ने कहा है कि मसौदा सूची एक सितंबर तक दावों और आपत्तियों के लिए उपलब्ध रहेगी, जिसके तहत पार्टियां और व्यक्ति छूटे हुए पात्र नागरिकों को शामिल करने एवं उन लोगों को बाहर करने की मांग कर सकते हैं, जिन्हें वे अयोग्य मानते हैं। निर्वाचन आयोग की एक बुलेटिन के अनुसार, बिहार की मसौदा मतदाता सूची में नाम शामिल करने या हटाने के संबंध में एक अगस्त से 11 अगस्त (सोमवार) के बीच किसी भी राजनीतिक दल ने आयोग से संपर्क नहीं किया।

रीजीजू की विपक्ष से चर्चा में भाग लेने की अंतिम अपील के बाद संसद में आठ विधेयकों को मंजूरी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। संसदीय कार्य मंत्री किरेन रीजीजू ने संसद की कार्यवाही में बार-बार हो रहे व्यवधान के लिए सोमवार को कांग्रेस तथा अन्य विपक्षी दलों पर निशाना साधा और कहा कि सरकार अब लोकसभा एवं राज्यसभा दोनों में महत्वपूर्ण विधेयकों को पारित कराने की दिशा में आगे बढ़ेगी, जिसके बाद संसद में आठ विधेयक पारित किए गए।

रीजीजू ने यहां संवाददाता सम्मेलन में मानसून सत्र जल्द समाप्त होने की ओर इशारा करते हुए और कांग्रेस तथा अन्य विपक्षी दलों से संसद की कार्यवाही चलने देने की अंतिम अपील करते हुए कहा कि उनकी इसमें दिलचस्पी नहीं है। केंद्रीय मंत्री ने कहा कि वह विपक्ष से आखिरी अपील कर रहे हैं और सरकार उनकी भागीदारी के बिना विधेयक पारित कराएगी। जब उनसे संसद के मानसून सत्र की कार्यवाही निर्धारित समय से पहले समाप्त होने की अटकलों के बारे में पूछा गया तो उन्होंने कहा, वो तो देखते हैं। विपक्ष संसद की कार्यवाही चलने देने में दिलचस्पी नहीं रखता। विपक्ष को केवल खबरों के प्रबंधन में रुचि है। उन्हें लोकतांत्रिक संस्थाओं में भरोसा नहीं है। मानसून सत्र की शुरुआत 21 जुलाई को हुई थी और इसके 21 अगस्त तक चलने का कार्यक्रम है। संसद में अब तक का अधिकतर समय हंगामे की भेंट चढ़ गया। इस दौरान दो दिन ‘ऑपरेशन सिंदूर’ पर विशेष चर्चा हुई।

लोकसभा ने मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) के मुद्दे पर विपक्ष के हंगामे के बीच सोमवार को राष्ट्रीय खेल शासन विधेयक, राष्ट्रीय डोपिंग रोधी (संशोधन) विधेयक, आयकर (संख्यांक 2) विधेयक और कराधान विधि (संशोधन) विधेयक ध्वनिमत से पारित कर दिए। राज्यसभा ने गोवा राज्य, सभा निर्वाचन क्षेत्र अनुसूचित जनजाति प्रतिनिधित्व का पुन: समायोजन विधेयक, वाणिज्य पोत परिवहन विधेयक को पारित कर दिया तथा मणिपुर विनियोग विधेयक और मणिपुर माल एवं सेवा कर (संशोधन) विधेयक को वापस कर दिया, जो पहले ही लोकसभा द्वारा पारित किए जा चुके हैं। रीजीजू ने कहा, हम हर दिन एक मुद्दे पर देश और संसद का समय बर्बाद नहीं होने देंगे। इसलिए, हम महत्वपूर्ण विधेयक पारित कराएंगे। उन्होंने कहा कि सरकार महत्वपूर्ण विधेयकों पर चर्चा के लिए उत्सुक है, लेकिन विपक्ष द्वारा बार-बार व्यवधान के कारण संसद के दोनों सदनों की कार्यवाही स्थगित हो रही है। रीजीजू ने कहा कि विपक्षी सदस्य जनहित से जुड़े मुद्दों को उठाने में रुचि नहीं रखते हैं और हर दिन केवल एक मुद्दे पर विरोध करने के लिए उत्सुक रहते हैं। बिहार में मतदाता सूची की समीक्षा पर विपक्ष के विरोध का हवाला देते हुए मंत्री ने कहा, आपने एक मुद्दा उठाया है, इसे एक दिन उठाइए। हर दिन एक ही मुद्दा उठाने का क्या मतलब है?’’

विपक्षी सांसदों को हिरासत में लिए जाने पर उद्धव ने कहा

दुनिया ने लोकतंत्र की ‘हत्या’ देखी

मुंबई/भाषा। शिवसेना (उबाठा) के प्रमुख उद्धव ठाकरे ने सोमवार को निर्वाचन आयोग के खिलाफ मार्च के दौरान विपक्षी सांसदों को दिल्ली में हिरासत में लिए जाने को लेकर भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) नीत केंद्र सरकार पर निशाना साधा और कहा कि दुनिया ने देखा कि भारत में लोकतंत्र की ‘हत्या’ की जा रही है।

ठाकरे ने मुंबई में पत्रकारों से बातचीत में कहा कि भाजपा नीत राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) सरकार ने ‘‘वोट चोरी’’ मुद्दे पर निर्वाचन आयोग के खिलाफ प्रदर्शन करने वाले सांसदों को हिरासत में लेकर अपने हाथों से लोकतंत्र को कलंकित किया।

विरोध मार्च को निर्वाचन आयोग के खिलाफ लड़ाई करार देते हुए महाराष्ट्र के पूर्व मुख्यमंत्री ने कहा कि अब यह स्पष्ट है कि सरकार प्रदर्शन में हस्तक्षेप क्यों कर रही है। ठाकरे की पार्टी विपक्षी गठबंधन ‘इंडिया’ की घटक है। उन्होंने कहा, आप (सरकार) लोकतंत्र की लड़ाई को कुचल रहे हैं। भारत को सबसे बड़ा लोकतंत्र माना जाता है। पूरी दुनिया ने देखा है कि भारत में लोकतंत्र की दिनदहाड़े हत्या की जा रही है।

कबूतरखाना बंद किए जाने से नाराज जैन मुनि ने 13 अगस्त से आंदोलन की चेतावनी दी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

मुंबई/भाषा। जैन मुनि नीलेशचंद्र विजय ने लोगों को कबूतरों को दाना डालने से रोकने के लिए दादर कबूतरखाने को बंद करने के फैसले के खिलाफ 13 अगस्त से अनिश्चितकालीन भूख हड़ताल शुरू करने की चेतावनी दी है।

विजय ने रविवार को पत्रकारों से कहा कि अगर इस मुद्दे पर अदालत का फैसला जैन समुदाय की धार्मिक आस्थाओं के खिलाफ होगा, तो इसका भी पालन नहीं किया जाएगा। उन्होंने कहा कि जैन समुदाय शांतिप्रिय है, लेकिन जरूरत पड़ने पर वह धर्म के लिए हथियार भी उठाएगा। महाराष्ट्र कौशल विकास मंत्री मंगल प्रभात लोढ़ा कबूतरखानों को बचाने के प्रयासों का समर्थन करते आए हैं, लेकिन उन्होंने विजय की टिप्पणियों से खुद को अलग कर लिया है। दादर कबूतरखाने को बंद करने के मकसद से बृहन्मुंबई महानगर पालिका (बीएमसी) की ओर से लगाए गए तिरपाल को प्रदर्शनकारियों ने छह अगस्त को हटा दिया। इस दौरान पुलिस के साथ उनकी झड़प भी हुई। विजय ने कहा, हम सत्याग्रह और भूख हड़ताल का रास्ता अपनाएंगे। जैन समुदाय शांतिप्रिय है, जरूरत पड़ी तो हम धर्म के लिए हथियार भी उठाएंगे। अगर कोई भी फैसला हमारी आस्था के खिलाफ जाता है, तो हम अदालत का आदेश भी नहीं मानेंगे। उन्होंने दावा किया कि देशभर से जैन धर्म के 10 लाख से ज्यादा लोग इस विरोध-प्रदर्शन में हिस्सा लेंगे। इस बीच, पत्रकारों द्वारा विजय की टिप्पणी के बारे में पूछे जाने पर मंत्री लोढ़ा ने कहा, मैं उनके बयान से सहमत नहीं हूं।

गुजरात के कच्छ में चार टैंक कंटेनर बहकर समुद्र तट पर आए, पुलिस जांच शुरू

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

भुज/भाषा। गुजरात के कच्छ जिले में समुद्र तट पर छह अगस्त से अब तक कम से कम चार टैंक कंटेनर बहकर आने के बाद उनमें मौजूद सामग्री और उनके स्रोत (संबंधित देश) का पता लगाने के लिए जांच शुरू की गई है। एक पुलिस अधिकारी ने सोमवार को यह जानकारी दी।

टैंक कंटेनर को टैंकटेनर या आईएसओ टैंक के रूप में भी जाना जाता है। इन कंटेनर को बड़ी मात्रा में जहाजों के माध्यम से तरल पदार्थ, गैसों और पाउडर को ले जाने और ले आने के लिए बनाया गया है।पुलिस उपाधीक्षक बी.बी. भगोरा ने कहा,‘‘छह से 10 अगस्त के बीच कच्छ के अब्दासा तालुका के तट पर चार टैंक कंटेनर बहकर आ गए। ये कंटेनर फिलहाल तट के पास पड़े हैं। हम आगे की जांच के लिए इन्हें पानी से बाहर निकालने की कोशिश कर रहे हैं।

इन कंटेनर के स्रोत का पता लगाने के लिए सीमा शुल्क विभाग और तटरक्षक बल को लगाया गया है। उन्होंने कहा, हम रविवार को एक कंटेनर से नमूना एकत्र करने में सफल रहे क्योंकि उसमें से रिसाव हो रहा था। अन्य टैंकर सही सलामत हैं और उन्हें वर्तमान स्थिति में खोला नहीं जा सका। एकत्र किए गए नमूने को फोरेंसिक विज्ञान प्रयोगशाला में विश्लेषण के लिए भेज दिया गया है ताकि उनमें मौजूद सामग्री का पता लगाया जा सके।

सरकार बिजली प्रणालियों को साइबर हमलों से बचाने के लिए नियमों को अंतिम रूप दे रही : श्रीपद नाइक

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। भारत की बिजली प्रणालियों को साइबर हमलों से बचाने के लिए सरकार नियमों को अंतिम रूप देने की प्रक्रिया में है ताकि ऊर्जा संबंधी जानकारी से किसी प्रकार का समझौता नहीं हो। सोमवार को संसद को यह जानकारी दी गई।

ऊर्जा राज्य मंत्री श्रीपद नाइक ने राज्यसभा में एक प्रश्न के लिखित उत्तर में कहा कि केंद्रीय विद्युत प्राधिकरण (विद्युत क्षेत्र में साइबर सुरक्षा) विनियमों को अंतिम रूप देने की प्रक्रिया में है। उन्होंने कहा कि ये नियम सुनिश्चित करेंगे कि सौर इन्वर्टर सहित बिजली प्रणाली के तत्वों का नियंत्रण और संचालन, साथ ही वास्तविक समय के आंकड़ों सहित संबंधित सूचनाओं का आदान-प्रदान, राष्ट्रीय सीमाओं के भीतर रहेगा।

इसके अलावा, नाइक ने कहा कि उनके मंत्रालय ने यह भी अनिवार्य किया है कि बिजली क्षेत्र में उपयोग किए जाने वाले आईटी उपकरण और सेवाओं को आपूर्ति से पहले राष्ट्रीय सुरक्षा परिषद सचिवालय (एनएससीएस) द्वारा संचालित विश्वसनीय दूरसंचार पोर्टल के माध्यम से मंजूरी दी जाएगी, जो एक जनवरी, 2026 से प्रभावी होगा। बिजली क्षेत्र में, केंद्रीय विद्युत प्राधिकरण (बिजली क्षेत्र में साइबर सुरक्षा) दिशानिर्देश, 2021 के तहत आवधिक ‘‘तृतीय-पक्ष’’ साइबर सुरक्षा ऑडिट की सलाह दी गई है।

न्यायालय ने दिल्ली-एनसीआर प्राधिकारों को सड़कों से आवारा कुत्तों को पकड़ने का निर्देश दिया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। आवारा कुत्तों के काटने से, विशेष रूप से बच्चों में होने वाली रेबीज की समस्या के कारण अत्यंत गंभीर स्थिति के मद्देनजर उच्चतम न्यायालय ने सोमवार को दिल्ली-एनसीआर के प्राधिकारों को निर्देश दिया कि वे सभी आवारा कुत्तों को शीघ्रतापूर्वक उठाएं और उन्हें आश्रय स्थलों में रखें।

न्यायालय ने कहा कि समय के साथ कुत्तों के लिए आश्रय स्थलों की संख्या बढ़ानी होगी। न्यायालय ने दिल्ली के अधिकारियों को निर्देश दिया कि वे छह से आठ सप्ताह के भीतर लगभग 5,000 कुत्तों के लिए आश्रय स्थल बनाएं। आवारा कुत्तों की समस्या को ‘‘अत्यधिक गंभीर’’ बताते हुए न्यायमूर्ति जे बी पारदीवाला और न्यायमूर्ति आर महादेवन ने कई निर्देश पारित किए और चेतावनी दी कि यदि कोई व्यक्ति या संगठन आवारा कुत्तों को उठाने के काम में बाधा डालेगा, तो उसके खिलाफ अदालत अवमानना की कार्यवाही शुरू करेगी। पीठ ने कहा, यदि कोई व्यक्ति या संगठन आवारा कुत्तों को उठाने और उन्हें पकड़ने के काम में बाधा डालता है और इसकी सूचना हमें दी जाती है, तो हम ऐसी किसी भी बाधा के खिलाफ सख्त कार्रवाई करेंगे। पीठ ने कहा कि क्या पशु कार्यकर्ता और ‘‘कथित पशु प्रेमी’’ उन बच्चों को वापस ला पाएंगे जो रेबीज का शिकार हो गए। अदालत ने कहा, क्या वे उन बच्चों की जिंदगी वापस ला पाएंगे? जब स्थिति की मांग होती है, तो आपको कार्रवाई करनी ही होती है। उच्चतम न्यायालय 28 जुलाई को स्वत: संज्ञान में लिए गए उस मामले की सुनवाई कर रहा था, जो राष्ट्रीय राजधानी में आवारा कुत्तों के काटने से रेबीज फैलने को लेकर था। शीर्ष अदालत ने दिल्ली सरकार गुरुग्राम, नोएडा एवं गाजियाबाद के नगर निकायों को सभी आवारा कुत्तों को पकड़कर आश्रय स्थलों में रखने का निर्देश दिया। न्यायालय ने आदेश दिया कि कुत्तों के लिए आश्रय स्थलों में पर्याप्त कर्मचारी हों, जो कुत्तों के बधियाकरण और टीकाकरण के साथ-साथ उनकी देखभाल भी करें। इन केंद्रों पर सीसीटीवी निगरानी होगी, ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि कोई भी कुत्ता न तो छोड़ा जाए या न बाहर ले जाया जाए।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
बेंगलूरु क्लासीफाइड
नाम परिवर्तन

I, **M VIJAYA LAKSHMI,** D/o. K Muthu Kumar, Aged about 30 Years, residing at #103, First Floor, SS Pradise Apt, Horamavu, Bengaluru 560043 hereby state, In my Aadhar & PAN Card my Name is correctly mentioned as **M VIJAYA LAKSHMI**, however, in my Marks Card it is mentioned as Vijaya Lakshmi. I would like to confirm that my correct name is to be read as **M VIJAYA LAKSHMI** for all future correspondence and records vide **Affidavit dt 10-08-2025 :** Sworn before **Notary Y. R Chandrasekar, Bengaluru.**

एप्पल की पहली छमाही में स्मार्टफोन आपूर्ति 21.5 प्रतिशत बढ़ी, वीवो शीर्ष पर कायम

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। देश के भीतर एप्पल के स्मार्टफोन की आपूर्ति इस साल जनवरी-जून की अवधि में 21.5 प्रतिशत बढ़कर 59 लाख इकाई पर पहुंच गई जबकि आईफोन 16 सबसे अधिक बिकने वाला मॉडल रहा। सोमवार को एक रिपोर्ट में यह जानकारी दी गई।

बाजार अनुसंधान कंपनी आईडीसी की रिपोर्ट के मुताबिक, साल 2025 की पहली छमाही में भारतीय स्मार्टफोन बाजार में कुल सात करोड़ इकाइयों की आपूर्ति हुई जो सालाना आधार पर 0.9 प्रतिशत अधिक है। वहीं, अप्रैल-जून तिमाही में यह वृद्धि 7.3 प्रतिशत रही। यह आंकड़े कंपनियों की तरफ से खुदरा बिक्री चैनलों को भेजे गए फोन के हैं।

रिपोर्ट कहती है कि चीनी स्मार्टफोन विनिर्माताओं वनप्लस, पोको, शाओमी और रियलमी की आपूर्ति में गिरावट आने के बीच एप्पल ने मजबूत प्रदर्शन किया। जून तिमाही में एप्पल की आपूर्ति 19.7 प्रतिशत बढ़कर 27 लाख इकाई रही। इसके साथ ही भारतीय स्मार्टफोन बाजार में एप्पल की हिस्सेदारी 7.5 प्रतिशत हो गई। पिछली तिमाही में 19 प्रतिशत बाजार हिस्सेदारी के साथ वीवो

ने लगातार छठी बार बाजार में शीर्ष स्थान हासिल किया, जबकि कोरियाई कंपनी सैमसंग 14.5 प्रतिशत हिस्सेदारी के साथ दूसरे स्थान पर रही।

ओप्पो की आपूर्ति 25.4 प्रतिशत बढ़कर 13.4 प्रतिशत बाजार हिस्सेदारी तक पहुंच गई। मोटोरोला की 39.4 प्रतिशत वृद्धि के साथ आठ प्रतिशत बाजार हिस्सेदारी रही जबकि आईक्यू का बाजार हिस्सा 4.3 प्रतिशत रहा।

हालांकि वनप्लस की फोन आपूर्ति में जून तिमाही में 39.4 प्रतिशत की बड़ी गिरावट आई जिसकी वजह से उसकी हिस्सेदारी घटकर 2.5 प्रतिशत रह गई।

इसी तरह रियलमी की हिस्सेदारी घटकर 9.7 प्रतिशत और शाओमी की हिस्सेदारी गिरकर 9.6 प्रतिशत रह गई।

प्रीमियम स्मार्टफोन खंड (52,000-70,000 रुपए कीमत) में 96.4 प्रतिशत की सबसे तेज वृद्धि हुई, जिसमें आईफोन 16 और आईफोन 15 मॉडलों की बड़ी हिस्सेदारी रही।

सुपर-प्रीमियम खंड (70,000 रुपए से ऊपर) में 15.8 प्रतिशत वृद्धि के बावजूद हिस्सेदारी सात प्रतिशत पर स्थिर रही, जहां सैमसंग ने 49 प्रतिशत के साथ एप्पल (48 प्रतिशत) को पीछे छोड़ दिया।

आईडीसी के एशिया प्रशांत क्षेत्र की वरिष्ठ शोध प्रबंधक उपासना जोशी ने कहा कि मध्य-श्रेणी वाले फोन के बाजार में अत्यधिक मॉडल पेश किए जाने से प्रतिस्पर्धा बढ़ी है, जिससे त्योहारी मौसम में अधिशेष स्टॉक रहने की आशंका है। जून तिमाही में स्मार्टफोन का औसत बिक्री मूल्य 10.8 प्रतिशत बढ़कर रिकॉर्ड 275 अमेरिकी डॉलर हो गया।

फोटो सेशन

कर्नाटक के उपमुख्यमंत्री डीके शिवकुमार सोमवार को बेंगलूरु में 28वें बेंगलूरु टेक समिट 2025 के दौरान इंफोसिस के सह-संस्थापक कृष्ण गोपालकृष्णन, आईटी एवं बीटी मंत्री प्रियांक खरगे और 100 से ज्यादा शीर्ष सीईओ और उद्योग जगत के दिग्गजों के साथ एक समूह तस्वीर में।

कर्नाटक सरकार ने धर्मस्थल 'सामूहिक दफन' मामले की जांच कर रही एसआईटी को थाने की शक्तियां दीं

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु/भाषा। कर्नाटक के गृह मंत्री जी. परमेश्वर ने सोमवार को कहा कि धर्मस्थल में सामूहिक दफन मामले की जांच कर रहे विशेष जांच दल (एसआईटी) को पुलिस थाने के अधिकार दिए गए हैं। इससे मामले के संबंध में कोई भी व्यक्ति शिकायत दर्ज कराने के लिए सीधे एसआईटी से संपर्क कर सकता है। राज्य सरकार द्वारा गठित विशेष जांच दल पिछले दो दशकों में धर्मस्थल में सामूहिक हत्या, बलात्कार और सामूहिक दफन के आरोपों की जांच कर रहा है।

पूर्व सफाई कर्मचारी शिकायतकर्ता-गवाह ने दावा किया है कि वह 1995 से 2014 के बीच धर्मस्थल में काम करता था और उसे महिलाओं और नाबालिगों सहित कई शवों को दफनाने के लिए मजबूर किया गया था। शिकायतकर्ता की पहचान गुप्त रखी गई है।

उन्होंने आरोप लगाया कि कुछ शवों पर यौन उत्पीड़न के निशान थे और उन्होंने मजिस्ट्रेट के समक्ष बयान भी दिया है। यहां पत्रकारों से बात करते हुए परमेश्वर ने कहा, हमने उन्हें (एसआईटी) पुलिस थाने के अधिकार दिए हैं। शिकायत दर्ज कराने के लिए पुलिस थाने जाने के बजाय, लोग अब सीधे एसआईटी से संपर्क कर सकते हैं। मंत्री ने एसआईटी द्वारा जांच पूरी किए जाने तक मामले पर आगे कोई टिप्पणी करने से परहेज किया। उन्होंने कहा, एसआईटी जांच पूरी होने के बाद ही हमें तथ्यों का पता चलेगा। शिकायतकर्ता ने शुरुआत में 13 स्थानों की पहचान की थी, जो अब बढ़कर 16 से 19 के बीच हो गए हैं। हम एसआईटी के अंतिम निष्कर्षों का इंतजार कर रहे हैं।

जांच के एक हिस्से के रूप में, एसआईटी शिकायतकर्ता द्वारा बताए गए कई स्थानों पर धर्मस्थल में नेत्रवती नदी के किनारे जंगली इलाकों में तलाशी ले रही है। अब तक इनमें से दो जगहों पर कंकाल के अवशेष मिले हैं।

सास की नृशंस हत्या के आरोप में दंत चिकित्सक दामाद गिरफ्तार

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

तुमकुरु/भाषा। कनार्टक में तुमकुरु जिले के कोराटागेरे में चर्चित लक्ष्मी देवी हत्याकांड का पुलिस ने खुलासा करते हुए मृतका के दंत चिकित्सक दामाद डॉ. रामचंद्रप्पा एस और उसके दो साथियों को गिरफ्तार किया है। तुमकुरु पुलिस ने कोराटागेरे के कोलाला गांव में सड़क के किनारे कई प्लास्टिक की थैलियों में बंद एक महिला का कटा हुआ सिर और उसके आंशिक रूप से सड़े हुए शरीर के टुकड़े बरामद किए थे। कोराटागेरे पुलिस अधिकारियों ने बताया कि सात अगस्त को राहगीरों ने महिला के शरीर के अंगों से भरे सात थैले देखे थे। बाद में, कोराटागेरे पुलिस ने घटनास्थल की तलाशी ली तथा आठ अगस्त को शरीर के अंगों एवं सिर रखे सात और प्लास्टिक थैले बरामद किए गए। अधिकारियों ने बताया कि सिर की मदद से मृतका की पहचान लक्ष्मी देवी (42) के तौर पर हुई। पुलिस के मुताबिक, लक्ष्मी देवी की नृशंस हत्या कर शव को 19 टुकड़ों में काट दिया गया था।पुलिस अधीक्षक अशोक के वी ने मामला का खुलासा करने के लिए एक टीम गठित की जिसने जांच के आधार पर तुमकुरु निवासी रामचंद्रप्पा, सतीश के एन और किरण के. एस को गिरफ्तार कर लिया। अशोक ने सोमवार को जारी एक प्रेस विज्ञप्ति में बताया कि पूछताछ के दौरान आरोपियों ने स्वीकार किया कि उन्होंने लक्ष्मी देवी की हत्या की थी और सबूत नष्ट करने के इरादे से शव को टुकड़ों में काट दिया, उन्हें प्लास्टिक की थैलियों में पैक किया और विभिन्न स्थानों पर फेंक दिया। बताया जा रहा है कि रामचंद्रप्पा को लक्ष्मी देवी के चरित्र पर संदेह था जिससे उसे कथित तौर पर शर्मिंदगी उठानी पड़ रही थी और इस वजह से उसने इस नृशंस हत्या को अंजाम दिया।

बीआईएएल का स्वतंत्रता दिवस के कारण यात्रियों से सुरक्षा जांच के लिए अतिरिक्त समय देने का आग्रह

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु/भाषा। केम्पेगौड़ा अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे का स्वामित्व और संचालन करने वाली कंपनी बीआईएएल ने सोमवार को यात्रियों से स्वतंत्रता दिवस के मद्देनजर सुरक्षा जांच के लिए अतिरिक्त समय देने का आग्रह किया। इस दौरान यात्रियों की संख्या में वृद्धि की संभावना जतायी गई है। एक परामर्श में 'बैंगलोर इंटरनेशनल एयरपोर्ट लिमिटेड' ने कहा है कि अगस्त में सुरक्षा उपायों में वृद्धि के कारण हवाई अड्डे पर यात्रियों की आवाजाही में देरी हो सकती है।हवाई अड्डे ने कहा, यात्रियों को सलाह दी जाती है कि वे सुरक्षा जांच के लिए पर्याप्त समय लेकर अपने आगमन की योजना बनाएं। यात्रियों को यह भी सलाह दी गई है कि वे विशिष्ट निर्देशों के लिए अपनी-अपनी एयरलाइन्स से संपर्क करें।

सिद्दरामय्या की सिफारिश पर मंत्री के. एन. राजन्ना को मंत्रिमंडल से किया गया बर्खास्त

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु/भाषा। कर्नाटक के सहकारिता मंत्री के. एन. राजन्ना को सोमवार को मंत्रिमंडल से बर्खास्त कर दिया गया।

मुख्यमंत्री सिद्दरामय्या ने राज्यपाल थावरचंद गहलोत से राजन्ना को मंत्रिमंडल से बर्खास्त करने की सिफारिश की थी। राज्यपाल ने मुख्यमंत्री की सिफारिश स्वीकार कर ली। मुख्यमंत्री कार्यालय के सूत्रों ने 'पीटीआई-भाषा' को बताया कि प्रारंभ में सिद्धरमैया ने राजन्ना से इस्तीफ़ा देने को कहा था, लेकिन

जब उन्होंने (राजन्ना ने) इस प्रस्ताव का विरोध किया, तो उन्हें मंत्रिमंडल से हटा दिया गया। सूत्रों के मुताबिक, राजन्ना को हटाने के लिए मुख्यमंत्री ने दोपहर में राज्यपाल को पत्र भेजा और राजभवन ने सिफारिश स्वीकार कर ली। राज्यपाल के विशेष सचिव आर प्रभुशंकर ने कर्नाटक की मुख्य सचिव शालिनी रजनीश को पत्र लिखकर राजन्ना को मंत्रिपरिषद से हटाने की अधिसूचना भेजी। मुख्यमंत्री कार्यालय के सूत्रों ने बताया कि हाल में राजन्ना ने कथित रूप से लोकसभा चुनाव के दौरान महादेवपुरा विधानसभा क्षेत्र में 'वोट चोरी' के लिए कर्नाटक में अपनी ही पार्टी के नेतृत्व वाली सरकार को जिम्मेदार ठहराया था, जिसके कारण उन्हें बर्खास्त किया गया। राजन्ना को सिद्धरमैया का समर्थक समझा जाता है।

विधानसभा ने भाजपा के 18 विधायकों के निलंबन को रद्द करने को मंजूरी दी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु/भाषा। कर्नाटक विधानसभा ने सोमवार को भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के 18 विधायकों का निलंबन रद्द करने के फैसले को मंजूरी दे दी। इस आशय का प्रस्ताव विधि एवं संसदीय कार्य मंत्री एच.के. पाटिल ने पेश किया, जिसे विधानसभा ने ध्वनिमत से मंजूरी दे दी। विधानसभा अध्यक्ष यू टी खादर ने 25 मई को मुख्यमंत्री सिद्धरमैया, उपमुख्यमंत्री डी के शिवकुमार, विपक्ष के नेता आर अशोक और कानून एवं संसदीय कार्य मंत्री एच के पाटिल के साथ बैठक के बाद 18 विधायकों का निलंबन रद्द करने की घोषणा की थी। गत 21 मार्च को एक अभूतपूर्व कदम के तहत भाजपा के 18 विधायकों को अनुशासनहीनता दिखाने और विधानसभा अध्यक्ष का अनादर करने के आरोप में छह महीने के लिए विधानसभा से निलंबित कर दिया गया था। इसके बाद जब उन्होंने सदन से बाहर जाने से इनकार किया तो मार्शलों ने उन्हें बलपूर्वक सदन से बाहर निकाल दिया था। जिन विधायकों का निलंबन रद्द किया गया है उनमें भाजपा के मुख्य सचेतक डोड्डानगौड़ा पाटिल, पूर्व उपमुख्यमंत्री सी एन अश्वथ नारायण, एस आर विश्वनाथ, बी ए बसवराजू समेत अन्य शामिल हैं।

मंत्री ने कहा कि विधानसभा में विपक्ष के नेता आर अशोक द्वारा अध्यक्ष से निलंबन वापस लेने का अनुरोध किए जाने के बाद निलंबन रद्द कर दिया गया।

केंद्रीय मंत्री सुरेश गोपी ने सोशल मीडिया पोस्ट के जरिये आलोचकों को जवाब दिया

तिरुवनंतपुरम/भाषा। केंद्रीय मंत्री सुरेश गोपी ने अपने निर्वाचन क्षेत्र (त्रिशूर) से पिछले कुछ समय से अनुपस्थित रहने संबंधी राजनीतिक प्रतिद्वंद्वियों के आरोपों के बीच अपने सोशल मीडिया हैंडल पर एक तस्वीर पोस्ट की, जिसमें वह एक आधिकारिक बैठक करते हुए दिखाई दे रहे हैं।

गोपी ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर बैठक की कुछ तस्वीरों के साथ पोस्ट किया, प्रधानमंत्री उज्ज्वला योजना के संबंध में पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस मंत्रालय के वरिष्ठ अधिकारियों के साथ बैठक, जो आज राज्यसभा में चर्चा का विषय है।

हालांकि, सोशल मीडिया पोस्ट में उनके इर्द-गिर्द चल रहे विवाद का कोई उल्लेख या जवाब नहीं है।

इससे पहले दिन में केरल के सामान्य शिक्षा मंत्री वी शिवनकुट्टी ने संबंधित निर्वाचन क्षेत्र से गोपी की कथित अनुपस्थिति को लेकर उनपर कटाक्ष करना जारी रखा तथा जानना चाहा कि क्या उन्होंने भारतीय जनता पार्टी से इस्तीफा दे दिया है। उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि गोपी मतदाता सूची में हेराफेरी के आरोपों के डर से शायद बाहर नहीं आ रहे हैं।

'केरल स्टूडेंट्स यूनियन' (केएसयू) के जिला अध्यक्ष गोकुल गुरुवायूर ने रविवार को पुलिस में गुमशुदगी की एक शिकायत दर्ज कराई थी, जिसमें आरोप लगाया गया था कि गोपी कुछ समय से अपने निर्वाचन क्षेत्र और जिले के लोगों की पहुंच से बाहर हैं।

केएसयू नेता ने आरोप लगाया कि त्रिशूर से लोकसभा सदस्य पिछले तीन महीनों से अपने निर्वाचन क्षेत्र में नहीं आए हैं और उन्होंने छत्तीसगढ़ में राज्य की दो कैथोलिक नन की हाल ही में हुई गिरफ्तारी पर एक शब्द भी नहीं कहा है।

भाजपा ने प्रियंका के खिलाफ 'गुमशुदगी' की शिकायत दर्ज कराई

वायनाड (केरल)/भाषा। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के एक नेता ने वायनाड से सांसद प्रियंका गांधी के खिलाफ सोमवार को गुमशुदगी की शिकायत दर्ज कराई। इससे एक दिन पहले कांग्रेस के एक छात्र नेता ने भाजपा सांसद एवं केंद्रीय मंत्री सुरेश गोपी के खिलाफ भी ऐसी ही एक शिकायत दर्ज कराई थी। भाजपा के अनुसूचित जनजाति मोर्चा के अध्यक्ष पल्लियारा मुकुंदन ने जिला पुलिस प्रमुख को एक शिकायत देकर आरोप लगाया कि कांग्रेस सांसद पिछले तीन महीनों से निर्वाचन क्षेत्र से लापता हैं। मुकुंदन ने दावा किया कि प्रियंका गांधी भूस्खलन प्रभावित चूरलमाला-मुंडकई क्षेत्रों में अनुपस्थित थीं। उन्होंने उन पर निर्वाचन क्षेत्र में आदिवासी समुदाय के मुद्दों से जुड़ने में विफल रहने का आरोप लगाया, जहां मुख्य रूप से हाशिए पर रहने वाले समूह रहते हैं। केरल छात्र संघ के जिला अध्यक्ष गोकुल गुरुवायूर ने रविवार को पुलिस में गुमशुदगी की शिकायत दर्ज कराई।

सौ दिवसीय विश्व सांस्कृतिक महोत्सव 16 से

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। 'वन वर्ल्ड वन फेमिली मिशन' के तत्वावधान में सांस्कृतिक समागम-'विश्व सांस्कृतिक महोत्सव' सत्यसाईं ग्राम में 16 अगस्त से 23 नवम्बर तक आयोजित किया जा रहा है। यह महोत्सव 100 राष्ट्रों को 100 दिनों तक एक सूत्र में बाँधेगा, जहाँ कला, संगीत, अध्यात्म एवं सेवा के माध्यम से मानवता की साझी चेतना का सजीव अभिव्यक्तिकरण होगा। विविधता में एकता का तथा मानवीय मूल्यों का एक सशक्त उत्सव होगा। मिशन के संस्थापक एवं आध्यात्मिक मार्गदर्शक सद्गुरु मधुसूदन साईं का सार्वभौमिक सत्यों पर एक उद्बोधन होगा। इस महोत्सव में विशिष्ट मानवीय सेवाकार्यों का सम्मान किया जाएगा एवं एक रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किया जाएगा। उत्सव में आध्यात्मिक अनुष्ठान जैसे देवी-

शक्ति का उत्सव,रुद्र महायज्ञ एवं दुर्गा पूजा का आयोजन प्रमुख हैं। इस महोत्सव में एक नि:शुल्क निजी ग्रामीण चिकित्सालय का उद्घाटन भी होगा।

साईं सिम्फनी वर्ल्ड ऑर्केस्ट्रा में 40 देशों के 400 संगीतज्ञ व 170 विद्यालयी विद्यार्थी भी सम्मिलित होकर प्रस्तुति देंगे। महोत्सव का समापन भगवान श्री सत्य साईं बाबा की जन्म शताब्दी जयंती समारोह के रूप में होगा।

'वोट चोरी' का आरोपः स्टालिन ने राहुल गांधी का समर्थन किया

चेन्नई/भाषा। कांग्रेस नेता राहुल गांधी के 'वोट चोरी' के आरोप पर उनके साथ एकजुटता व्यक्त करते हुए तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एम के स्टालिन ने सोमवार को भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) पर निर्वाचन आयोग को चुनावी धांधली मशीनरी में बदलने का आरोप लगाया और जांच की मांग की।

स्टालिन ने कहा कि द्रविड़ मुनेत्र कषगम (द्रमुक) इस लड़ाई में कंधे से कंधा मिलाकर खड़ी है। उन्होंने सोशल मीडिया पर एक पोस्ट में कहा, जब भाजपा दिनदहाड़े भारत के लोकतंत्र को लूट रही है, तब हम चुपचाप नहीं देखेंगे।

कर्नाटक उद्यमियों के लिए शुरुआत करने, आगे बढ़ने की सबसे अच्छी जगहः सिद्दरामय्या

बेंगलूरु/भाषा। कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्दरामय्या ने सोमवार को उद्योग जगत के दिग्गजों को 18 से 20 नवंबर तक यहां आयोजित होने वाले '28वें बेंगलूरु तकनीकी सम्मेलन' के लिए आमंत्रित किया। उन्होंने बेंगलूरु को भारत की तकनीकी राजधानी बताते हुए कहा कि शहर क्वांटम विज्ञान और कृत्रिम बुद्धिमत्ता जैसी नई तकनीक में तेजी से आगे आगे बढ़ रहा है। उन्होंने कहा, कर्नाटक उद्यमियों के लिए शुरुआत करने और आगे बढ़ने के लिए सबसे अच्छी जगह है।

सिद्दरामय्या कर्नाटक सरकार के इलेक्ट्रॉनिक्स, आईटी और बीटी विभाग द्वारा आयोजित सम्मेलन के बारे में जानकारी देने के लिए बुलाई गई एक बैठक में उद्योग जगत के करीब 100 नेताओं को संबोधित कर रहे थे।

मुख्यमंत्री ने कहा, कृत्रिम बुद्धिमत्ता के क्षेत्र में बेंगलूरु दुनिया के शीर्ष एआई शहरों में पांचवें स्थान पर है। यहां भारत की लगभग 50 प्रतिशत एआई प्रतिभाएं मौजूद हैं, जो इसे दुनिया का दूसरा सबसे बड़ा एआई प्रतिभा केंद्र बनाता है। उन्होंने वादा किया कि कर्नाटक की नई आईटी नीति एआई के लिए बुनियादी ढांचे के निर्माण पर केंद्रित होगी। उन्होंने कहा कि क्वांटम तकनीक में कर्नाटक ने भारत का पहला राज्य स्तरीय तकनीकी मसौदा पेश किया है और सरकार का लक्ष्य राज्य को एशिया का शीर्ष क्वांटम नवाचार केंद्र बनाना है।

'आउटसोर्स' नियुक्तियां सामाजिक न्याय के खिलाफ : माकपा

चेन्नई/भाषा। तमिलनाडु की सत्तारूढ़ द्रविड़ मुनेत्र कषगम (द्रमुक) की प्रमुख सहयोगी मार्क्सवादी कम्युनिस्ट पार्टी (माकपा) ने सोमवार को कहा कि 'आउटसोर्स' नियुक्तियों की अवधारणा सामाजिक न्याय के खिलाफ है। इसने राज्य सरकार से आग्रह किया कि वह इस नीति को त्याग दे तथा राज्य सेवाओं के तहत रिक्तियों को स्थायी नौकरियों के रूप में मानते हुए लोक सेवा आयोग के माध्यम से कर्मियों की भर्ती करे।

चेन्नई नगर निकाय द्वारा सफाई कार्यों का निजीकरण किए जाने के विरोध में सफाई कर्मचारी 10 दिन से अधिक समय से प्रदर्शन कर रहे हैं।

माकपा के आधिकारिक मुखपत्र 'थीकाथिर' ने इसका उल्लेख करते हुए एक संपादकीय में कहा कि पार्टी के तमिलनाडु प्रदेश सचिव पी. षणमुगम ने कर्मचारियों से मुलाकात की और उन्हें समर्थन दिया है।

शादी के लिए धर्म परिवर्तन का दबाव डाले जाने के बाद युवती ने आत्महत्या की

कोच्चि/भाषा। केरल के एर्नाकुलम जिले में शिक्षक प्रशिक्षण पाठ्यक्रम की 23 वर्षीय छात्रा ने अपने प्रेमी और उसके रिश्तेदारों द्वारा शादी के लिए कथित तौर पर धर्म परिवर्तन का दबाव बनाए जाने के बाद आत्महत्या कर ली। राज्य पुलिस के एक वरिष्ठ अधिकारी ने सोमवार को यह जानकारी दी।

अधिकारी ने बताया कि कोठामंगलम निवासी युवती शनिवार को अपने घर पर फांसी के फंदे से लटकी हुई पाई गई। उसके परिजनों ने आरोप लगाया कि युवती का प्रेमी और उसके रिश्तेदार उस पर शादी के लिए इस्लाम धर्म अपनाने का दबाव बना रहे थे।

अधिकारी के मुताबिक, पुलिस ने शुरू में अप्राकृतिक मौत का मामला दर्ज किया था, लेकिन बाद में एक कथित सुसाइड नोट बरामद हुआ, जिसमें धर्मांतरण को लेकर शारीरिक और मानसिक उत्पीड़न का आरोप लगाया गया है।

अधिकारी के अनुसार, सुसाइड नोट में पीड़िता ने अपने प्रेमी और उसके रिश्तेदारों ने उस पर धर्म परिवर्तन के लिए दबाव डालने का आरोप लगाया है। उन्होंने बताया कि पुलिस ने युवती के प्रेमी को हिरासत में ले लिया है और उसके खिलाफ आत्महत्या के लिए उकसाने सहित अन्य आरोपों की जांच शुरू कर दी है। पीड़िता की मां, जो एक घरेलू सहायिका के रूप में काम करती है, ने एक टीवी चैनल को दिए साक्षात्कार में आरोप लगाया कि आरोपी का परिवार शादी का प्रस्ताव लेकर आया था और उसकी बेटी पर धर्म परिवर्तन के लिए दबाव बना रहा था। महिला ने दावा किया कि पीड़िता ने शुरू में प्यार के चलते हामी भर दी, लेकिन बाद में तस्करी से जुड़े एक मामले में आरोपी का नाम सामने आने पर उसने इससे इनकार कर दिया।

दक्षिण पश्चिम रेलवे

ई-(आईआरईपीएस) निविदा सूचना सं. 24 UBL 2025-26 , दिनांक: 04.08.2025

भारत के राष्ट्रपति की ओर से अधोहस्ताक्षरी निम्नलिखित कार्य के लिए ई-निविदाएं आमंत्रित करते हैं:

क्र.सं	विवरण संक्षेप में	अनुमानित लागत
1	हुबली विभाग: वरिष्ठ विभागीय इंजीनियर/पश्चिम/हुबली क्षेत्राधिकार पर 24 महिने की अवधि के लिए तावरगट्टी (टीजीटी) स्टेशन और रेलवे कालोनी, एलसी गेटों और गैंग यूनिट के लिए पानी की आपूर्ती (सहायक विभागीय इंजीनियर/बेलगावी और सहायक विभागीय इंजीनियर/कैसलरॉक दोनों)	रु. 62,88,499/-
2	हुबली विभाग: हुबली, विल्ली ग्राऊंड पर स्किल डेवलपमेंट और ट्रेनिंग फेसिलिटी कार्यक्रम।	रु. 2,64,97,395/-
3	हुबली विभाग: लोंडा - बेलगावी (एलडी-बीजीएम) विभाग: देसूर - बेलगावी (डीयूआर-बीजीएम) विभाग में ओआरएन3 अकौंट पर प्रीकास्ट आरसीसी सेगमेंटल बाक्स / बॉक्स पुशिंग विधि अनुसार ब्रिज नं. 91 और 112 (अप लाईन) का पुनरनिर्माण कार्य।	रु. 2,39,78,969/-
4	हुबली विभाग: सहायक विभागीय इंजीनियर/गदग उप विभाग पर गदग-होसपेटे (जीडीजी-एचपीटी) विभाग में बॉक्स पुशिंग विधि अनुसार ब्रिज नं. 45 (किमी. 82/4-5) पुनरनिर्माण कार्य।	रु. 1,38,91,713/-

निविदाओं जमा करने की अंतिम तिथि: 04.09.2025, 11:00 बजे तक

विवरण के लिए लॉग ऑन करें www.ireps.gov.in में

PUB/370/AAF/PRB/SWR/2025-26 वरिष्ठ विभागीय इंजीनियर / समन्वय / हुबली

अनारक्षित टिकटों की बुकिंग में आसानी के लिए गूगल प्ले स्टोर से यूटीएस मोबाइल ऐप डाउनलोड करें

South Western Railway - SWR | SWRRLY | SWRAILWAYHQ | sw_railways

भारत सरकार, अंतरिक्ष विभाग
भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो)
इसरो टेलिमेट्रि ट्रैकिंग एवं कमांड नेटवर्क (इस्ट्रैक)
(निर्माण एवं अनुरक्षण प्रभाग)
प्लांट नं. 12 एवं 13, तीसरा मेन, द्वितीय फेज,
पीण्या औद्योगिक क्षेत्र, बेंगलूरु-560058
फैक्स : 080-28094180, फोन : 080-28094196, 4184, 4541, 4542

संक्षिप्त ई-निविदा सूचना

1. भारत के राष्ट्रपति की ओर से, समुचित वर्ग के ठेकेदरों से एनआईटी में निम्नलिखित कार्यों के लिए नग दर ई-निविदाएं ऑनलाइन आमंत्रित किया जाता है।

ई-निविदा सूचना सं	इस्ट्रैक/सीएमजी/एमएआईएनटी/सी/ ई-निविदा-53/ 2021-22 दिनांक 30.03.2022
कार्य का नाम	बेंगलूरु के मल्लेश्वरम स्थित डीओएस हाउसिंग कॉलोनी अंतरिक्ष अपार्टमेंट में 5 क्वार्टरों (2सी, 2डी, 3ए, 4बी और 4डी) में शौचालय का उन्नयन और अलमारी/वार्डरोब शटर उपलब्ध कराना। (सिविल और पीएच कार्य)
निविदा का अनुमानित मूल्य	रु. 11.96 लाख
निविदा दस्तावेज विवरण	ई-निविदा
कार्य समापन अवधि	02 (दो) माह
निविदा प्रलेख डाउनलोड करने की अवधि	12.08.2025 को 14.30 बजे से 26.08.2025 को 16.30 बजे तक
बोली स्पष्टीकरण	12.08.2025 को 15.30 बजे से 28.08.2025 को 16.30 बजे तक
बोली स्पष्टीकरण के जवाब देने की अंतिम तारीख	29.08.2025 को 16.30 बजे तक
निविदा प्राप्ति की अंतिम तारीख और समय	01.09.2025 को 14.30 बजे तक
निविदा खोलने की नियत तारीख और समय	02.09.2025 को 11.30 बजे से
अग्रदाय रकम जमा (ईएमडी)	रु. 23,060/-

2. पात्रता मानदंड और अन्य ब्यौरे के लिए इच्छुक निविदाकार विस्तृत सूचना आमंत्रण निविदा (एनआईटी) देंखे जिसे वेबसाइट www.isro.gov.in से डाउनलोड किया जा सकता है। बोली प्रपत्र औप अन्य ब्यौरे वेबसाइट www.tenderwizard.com/ISRO से डाउनलोड किए जा सकते हैं।

ह/- समूह प्रमुख-सीएमजी

प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना के तहत 35 लाख किसानों को 3900 करोड़ रुपए की बीमा राशि मिली

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

झुंझुनूं। प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना के तहत सोमवार को 35 लाख किसानों को 3900 करोड़ रुपए की बीमा राशि डिजिटल भुगतान के जरिए उनके खाते में हस्तांतरित की गई5। केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान एवं राजस्थान के मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने झुंझुनूं में आयोजित प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना के तहत क्लेम भुगतान कार्यक्रम में बटन दबाकर किसानों के खातों में बीमा राशि का डिजिटल भुगतान किया। इस अवसर पर केंद्रीय कृषि एवं किसान कल्याण राज्यमंत्री भागीरथ चौधरी, राजस्थान के कृषि मंत्री डा किरोड़ी लाल मीणा एवं सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्री अविनाश गहलोत एवं बड़ी संख्या में किसानों ने भी कार्यक्रम में शिरकत की। इस अवसर पर विभिन्न विभिन्न राज्यों के लाखों किसान एवं लाभार्थी वर्चुअल माध्यम से समारोह से जुड़े।

इस अवसर पर सिंह चौहान ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में एक अद्भुत भारत का निर्माण हो रहा है। राजस्थान को जल्द ही यमुना, चंबल के साथ सिंधु नदी का पानी भी मिलने वाला है। भारत के द्वारा पहलगाम के आतंकवादी हमले का मजबूती से बदला लिया गया। 'ऑपरेशन सिंदूर' के माध्यम से आतंकवादी अड्डों को ध्वस्त कर दिया गया। उन्होंने कहा कि किसी तीसरे देश की कोई भूमिका नहीं थी। भारत ने अपनी क्षमता से निर्णय लिया। जब पाकिस्तान झुका और शरण में आया तब हमारी ओर से कार्रवाई रोकी गई5।

चौहान ने कहा कि पहले कि सरकार द्वारा फसल बीमा की राशि पूरी तहसील या ब्लॉक की फसल बर्बाद होने के बाद ही दी जाती थी लेकिन प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने पुरानी सारी योजनाओं को निरस्त करते हुए ऐसी बीमा योजना बनाई के जिसके तहत एक गांव क्या, एक किसान की भी अगर फसल बर्बाद हुई तो बीमा की राशि दी जाएगी। उन्होंने कहा कि मात्र एक योजना ही नहीं बल्कि विभिन्न योजनाओं के माध्यम से सरकार किसानों की जिंदगी सुखद बनाने का कार्य कर रही है। पौने चार लाख करोड़ रुपये की धनराशि प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि योजना के तहत सीधे किसानों के खातों में वितरित की जा चुकी है।

उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना के 2016 में शुरुआत से अब-तक 2 लाख 12 हजार करोड़ रुपये किसानों को दिए जा चुके हैं5। खाद की सब्सिडी में भी सरकार ने बड़े स्तर पर किसानों को मदद पहुंचाने की कोशिश की है। केंद्रीय मंत्री ने कहा कि आज यूरिया की 45 किलो की एक बोरी किसानों को 266 रुपये में मिलती है, इसकी असली कीमत 1,633 रुपये 24 पैसे है।

266 रुपये से ऊपर की सभी राशि का वहन सरकार द्वारा सब्सिडी के रूप में किया जाता है। डीएपी की 50 किलो की बोरी किसानों को 1,350 रुपये में मिलती है, जिसकी असली कीमत है 3,100 रुपये।

अब-तक 14 लाख 6 हजार करोड़ रुपये सस्ते खाद के लिए फर्टिलाइजर कंपनियों को दिए जा चुके हैं5। उन्होंने बताया कि सरकार द्वारा न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) के दाम बढ़ाने का भी काम किया गया है। किसानों की लागत में 50 प्रतिशत लाभ जोड़कर ही एमएसपी तय करने का निर्णय लिया गया। सरकार ने 2,000 रुपये प्रति क्विंटल मूंग खरीदने का निर्णय लिया। उन्होंने बताया कि पीएम आशा योजना के तहत अब-तक गेंहू और धान की खरीद के लिए किसानों के खातों में 43 लाख 87 हजार करोड़ रुपये डाले गए हैं5।

बाजार हस्तक्षेप योजना के तहत भी किसानों को दूसरे राज्यों में माल बेचने की व्यवस्था का प्रावधान किया गया है, जिसमें परिवहन की लागत सरकार वहन करेगी। किसानों के फायदे के लिए नई-नई योजनाएं बनाने का काम किया जा रहा है।

किसान अपनी मांगों को लेकर छह अक्टूबर को जयपुर में भरेंगे हुंकार : जाट

जयपुर। राजस्थान में किसान अपनी मांगों के समर्थन में आगामी छह अक्टूबर को जयपुर में एक बड़ी 'अन्नदाता हुंकार रैली' का आयोजन करेंगे। किसान महापंचायत के राष्ट्रीय अध्यक्ष रामपाल जाट ने सोमवार को बताया कि इस रैली की तैयारियों के लिए यहां महापंचायत के प्रदेश के प्रमुख कार्यकर्ताओं की बैठक में समीक्षा की गई हैं और इस रैली में प्रदेश भर के करीब पचास हजार किसान भाग लेंगे। जाट ने बताया कि रैली की तैयारियों एवं इसमें भाग लेने के लिए किसानों को जागरुक करने आदि के लिए अब तक वह प्रदेश के दस जिलों का दौरा कर चुके हैं5। उन्होंने बताया कि किसान अपनी वाजिब मांगों के प्रति जागरुक हो रहे हैं और आगामी छह अक्टूबर को राजधानी जयपुर में होने वाली रैली में भाग लेने के लिए बड़े उत्सुक है। 'खेत को पानी, फ़सल को दाम, युवाओं को काम' के लिए 'अन्नदाता हुंकार रैली' का आयोजन किया जायेगा। उन्होंने बताया कि रैली के लिए अब तक की तैयारी की समीक्षा कर सफल रैली के आयोजन के लिए अब शेष रहे दिनों के लिए रणनीति तैयार की गई हैं5। उन्होंने बताया कि एक गांव से औसत एक किसान प्रतिनिधि के अनुसार राजस्थान के 45 हजार 539 गांव से करीब 50 किसान इस रैली में भागीदारी करेंगे।

समीक्षा बैठक में सर्वसम्मति से प्रस्ताव पारित कर अंतरराष्ट्रीय व्यापार में अमेरिका की धमकियों से कृषि क्षेत्र को अमेरिका के व्यापार के लिए खोलने को किसान हितों के विरुद्ध बताया। उन्होंने कहा कि भारत सरकार द्वारा अमेरिका की धमकियों के सामने नहीं झुकने को दृढ़ता के साथ खड़े रहना देश के लिए अच्छा कदम निरूपित किया गया हैं5।

मोदी ने कहा है कि किसानों के हितों से नहीं होगा कोई समझौता : चौहान

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

झुंझुनूं। केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने कहा है कि राष्ट्र को सर्वोपरि रखते हुए प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने साफ कर दिया है कि देश के किसानों के हितों से कोई समझौता नहीं किया जाएगा, चाहे उसके लिए उन्हें व्यक्तिगत क्षति ही क्यों ना उठानी पड़े वहीं देश में नकली खाद एवं उर्वरकों पर रोक लगाने के लिए ठोस कानून बनाकर दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जायेगी। चौहान सोमवार को यहां आयोजित प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना के तहत क्लेम भुगतान कार्यक्रम को संबोधित करते हुए यह बात कही। उन्होंने मोदी का अभिनंदन करते हुए कहा कि देश का सौभाग्य है कि हमें मोदी के रूप में प्रधानमंत्री का नेतृत्व मिला है।

राष्ट्र को सर्वोपरि रखते हुए प्रधानमंत्री ने साफ कर दिया है कि देश के किसानों के हितों से समझौता नहीं किया जाएगा, चाहे उसके लिए उन्हें व्यक्तिगत क्षति ही क्यों ना उठानी पड़े। इस बड़े फैसले ने दुनिया के सामने भारत की मजबूत छवि स्थापित की है। उन्होंने देश में नकली खाद और उर्वरकों पर सख्ती जताते हुए कहा है कि इस संबंध में त्वरित कदम उठाते हुए एक कड़ा कानून बनाने की प्रक्रिया पर तेजी से काम चल रहा है और जल्द ही ठोस कानून बनाकर ऐसे लोगों के खिलाफ कार्रवाई की जाएगी और दोषियों को जेल भेजा जाएगा। उन्होंने कहा कि फसलों पर वायरस अटैक की स्थिति में यदि किसानों द्वारा जानकारी साझा की जाएगी या मात्र एक फोटो के जरिए भी सूचना दी जाएगी तो मदद के लिए वैज्ञानिकों की टीम तुरंत किसानों के पास गांव पहुंचेगी।

उन्होंने बताया कि खरीफ के फसल के बाद अब रबी की फसल के लिए भी 'विकसित कृषि संकल्प अभियान' के तहत वैज्ञानिकों की टीम किसानों के गांव-गांव जाएगी और उन्हें खेती एवं शोध की सही जानकारी देगी। उन्होंने कहा कि अब भावी कृषि अनुसंधान खेती और किसानों की मांग पर आधारित होंगे। खेती की वर्तमान जरूरत के अनुसार ही वैज्ञानिकों को अनुसंधान करने के निर्देश दिए गए हैं5। मूंग, उड़द, सोयाबीन, बाजरे के उत्पादन में वृद्धि के लिए अच्छे बीज बनाने के लिए वैज्ञानिकों को कहा गया है। चौहान ने राजस्थान में कृषि को और अधिक विकसित करने के लिए विशेष रोडमैप बनाने की बात भी कही।

अंत में चौहान ने देशवासियों से दैनिक जीवन की प्रत्येक जरूरत की चीज के लिए स्वदेशी उत्पाद अपनाने का संकल्प दिलवाया और कहा कि स्वदेशी उत्पाद अपनाने से छोटे कारीगरों और उद्यमियों को बल मिलेगा और देश की अर्थव्यवस्था भी मजबूत होगी।

सत्ता से बाहर रहने के कारण संतुलन खो बैठे हैं राहुल गांधी : शेखावत

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जोधपुर। केंद्रीय संस्कृति एवं पर्यटन मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत ने लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी पर फिर हमला बोलते हुए कहा है कि कई वर्ष सत्ता से बाहर रहने और लगातार चुनाव हारने का रिकॉर्ड बनाने के कारण वह अपना संतुलन खो बैठे हैं5। तभी चुनाव आयोग पर इस तरह की टिप्पणियां कर रहे हैं5। शेखावत ने रविवार सुबह यहां अपने आवास पर जनसुनवाई के बाद मीडिया से बातचीत में यह बात कही। उन्होंने कहा कि कांग्रेस प्रवक्ता एवं राज्यसभा सांसद अभिषेक मनु सिंघवी ने चुनाव आयोग पर सवाल उठाने और राहुल गांधी को सही बताने से जुड़े सवाल पर शेखावत ने कहा कि राहुल गांधी ने एक प्रेस वक्तव्य दिया।

चुनाव आयोग ने उस पर उनसे सत्यापित जानकारी मांगी कि आप सूचना दीजिए5। शेखावत ने कहा कि चूंकि गांधी परिवार अपने आपको देश की व्यवस्था और संविधान से ऊपर मानता है, इसलिए राहुल गांधी से जानकारी कैसे मांगी जा सकती है। इसको लेकर उनके सिपहसालार सब जगह जाकर प्रेस कॉन्फ्रेंस कर रहे हैं5। उन्होंने कहा कि इससे ज्यादा हास्यास्पद कुछ नहीं हो सकता।

शेखावत ने कहा कि राहुल गांधी एकतरफ खुद कह रहे हैं कि एक लाख से ज्यादा डुप्लीकेट वोट5स उन्होंने अपने सॉफ्टवेयर के माध्यम से आंककर निकाले हैं5। इसलिए वोटर लिस्टों की जांच होनी चाहिए5। शेखावत ने कहा कि महाराष्ट्र चुनाव के समय में भी राहुल गांधी ने यह कहा था। अब जब पूरे देश में वोटर लिस्टों की गहन जांच का कार्यक्रम शुरू हुआ है तो वो कहते हैं कि यह नहीं होना चाहिए5।

राजस्थान में पेपरलीक में एसओजी द्वारा एक और गिरफ्तारी संबंधित सवाल पर शेखावत ने कहा कि अपराधी के सूत्र कहा तक थे, जांच होगी, उसके बाद सब कुछ सामने आ जाएगा। जो कोई भी युवाओं के भविष्य के साथ खिलवाड़ करने का अपराधी है और उसके साथ में जिस किसी ने भी ऐसी संस्थाएं, जिन पर पूरा प्रदेश भरोसा करता था, उस भरोसे को तोड़ने का काम किया है। उनके खिलाफ कार्रवाई होनी

जन आकांक्षाओं की पूर्ति हमारे सुराज का केन्द्र बिंदु परिवेदनाओं के निस्तारण में कोताही नहीं होगी बर्दाश्त : भजनलाल शर्मा

जयपुर। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि राज्य सरकार सुशासन के उच्च मापदंडो के अनुरूप प्रदेश के प्रत्येक नागरिक को बेहतर सुविधाएं एवं सेवाएं उपलब्ध कराने के लिए प्रतिबद्धता के साथ कार्य कर रही है। जन आकांक्षाओं की पूर्ति और उनकी परिवेदनाओं का त्वरित निस्तारण ही हमारे सुराज का केन्द्र बिंदु है। शर्मा ने सोमवार को मुख्यमंत्री निवास पर नियमित जनसुनवाई की। उन्होंने जनसुनवाई में आए प्रत्येक परिवादी से व्यक्तिशः मिलकर उनकी परिवेदनाओं को सुना तथा अधिकारियों को समस्याओं के निस्तारण के लिए आवश्यक दिशा-निर्देश प्रदान किए5।

मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि प्रत्येक परिवेदना का समय से निस्तारण किया जाए5। साथ ही, अधिकारी जनता से जुड़े कामों को पूरी जिम्मेदारी से करें5। मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को प्रत्येक प्रकरण को सूचीबद्ध करने के साथ ही उनका फॉलोअप सुनिश्चित करने और परिवादियों को सूचित करने के लिए भी निर्देशित किया। उन्होंने कहा कि जो कार्मिक आमजन की परिवेदनाओं के निस्तारण में लापरवाही बरते, उनके विरूद्ध सख्त कार्रवाई की जाए5।

शर्मा ने जनसुनवाई में आए लोगों की कई समस्याओं का मौके पर ही निस्तारण किया। अपनी परिवेदनाओं के त्वरित निस्तारण से आमजन संतुष्ट नजर आए5। मुख्यमंत्री द्वारा जनसुनवाई में गरीब, किसान, महिला और युवा की समस्याओं का समाधान प्राथमिकता से किया गया। साथ ही, दिव्यांग और बुजुर्ग सहित हर जरूरतमंद की परिवेदनाओं का निस्तारण कर उन्हें राहत दी गई5।

जनसुनवाई में बीकानेर से आए विशेष योग्यजन जगदीश प्रसाद ने मुख्यमंत्री को बताया कि उन्हें धार्मिक स्थलों की यात्रा करनी है, परन्तु आर्थिक तंगी के कारण वे अपनी इच्छा पूरी नहीं कर पा रहे हैं5। इस पर मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि जगदीश को धार्मिक स्थलों की निःशुल्क यात्रा कराई जाए5।

जगदीश ने अपनी समस्या के मौके पर ही निस्तारण से खुश होकर शर्मा का आभार जताया। शर्मा ने इस दौरान सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता, ग्रामीण विकास एवं पंचायतीराज, गृह, राजस्व, सिंचाई, जयपुर विकास प्राधिकरण, नगर निगम, शिक्षा, चिकित्सा, पेयजल, ऊर्जा सहित विभिन्न विभागों की आमजन से जुड़ी परिवेदनाओं को सुना और उनका मौके पर ही निस्तारण किया। इस अवसर पर बड़ी संख्या में आमजन उपस्थित रहे।

राइजिंग राजस्थान में हुए एमओयू से खुलेंगे 80 हजार रोजगार के अवसर

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। जिला कलक्टर डॉ. जितेन्द्र कुमार सोनी ने निवेशकों को भरोसा दिलाया है कि राइजिंग राजस्थान के तहत पर्यटन क्षेत्र में हुए सभी एमओयू की शत-प्रतिशत क्रियान्विति सुनिश्चित करने के लिए जिला प्रशासन पूर्ण समर्पण और पारदर्शिता के साथ कार्य कर रहा है। सोमवार को होटल गणगौर में आयोजित एक कार्यक्रम में बैठक में निवेशकों से व्यक्तिगत रूप से संवाद कर उनकी आवश्यकताओं और चुनौतियों के बारे में विस्तार से जानकारी ली। इस दौरान उन्होंने निवेशकों से एमओयू के क्रियान्वयन में आ रही समस्याओं एवं परेशानियों को लेकर चर्चा की एवं संबंधित विभाग के अधिकारियों समस्याओं के समयबद्ध एवं प्रभावी निस्तारण के लिए निर्देशित किया। उन्होंने निवेशकों को आश्वस्त किया कि उनके हर निवेश को धरातल पर उतारने के लिए प्रशासन पूरी तरह प्रतिबद्ध है और उनकी हर छोटी-बड़ी समस्या के त्वरित एवं प्रभावी समाधान के लिए सभी संबंधित विभागों को स्पष्ट निर्देश जारी किए गए हैं5।

जिला कलक्टर डॉ. जितेन्द्र कुमार सोनी ने उन्होंने कहा कि पर्यटन परियोजनाओं का सफल क्रियान्वयन न केवल जिले की ब्रांड वैल्यू को बढ़ाएगा, बल्कि प्रदेश और देश के पर्यटन मानचित्र पर जयपुर को एक और मजबूत पहचान देगा। उन्होंने भरोसा दिलाया कि प्रशासन वन-टू-वन फॉलोअप करेगा और विभागीय समन्वय से हर समस्या का त्वरित समाधान होगा, ताकि कोई भी निवेश कागज़ों में अटका न रहे और समय पर धरातल पर उतरे।

संवाद कार्यक्रम में जिला कलक्टर डॉ. जितेन्द्र कुमार सोनी ने कहा कि जयपुर में पर्यटन विकास की असीम संभावनाएं हैं, चाहे वह लक्ज़री होटल व रिसॉर्ट हों, ईको-टूरिज्म प्रोजेक्ट, फिल्म शूटिंग लोकेशन, एडवेंचर और डेजर्ट टूरिज्म या फिर पारंपरिक हस्तशिल्प से जुड़े अनुभवात्मक पर्यटन उत्पाद5। इन सभी क्षेत्रों में निवेश, स्थानीय रोजगार सृजन के साथ-साथ अंतरराष्ट्रीय पर्यटकों के ठहराव और खर्च को भी बढ़ाएगा, जिससे स्थानीय अर्थव्यवस्था में व्यापक वृद्धि होगी।

उन्होंने कहा कि जयपुर, अपनी अनूठी स्थापत्य कला, ऐतिहासिक किलों, महलों, हवेलियों, संग्रहालयों और सांस्कृतिक धरोहर के कारण विश्व पर्यटन मानचित्र पर विशिष्ट पहचान रखता है। यहां का आमेर किला, सिटी पैलेस, हवा महल, जंतर-मंतर और गलियों में बसी परंपरागत कला-कृतियां हर साल लाखों देशी-विदेशी पर्यटकों को आकर्षित करती हैं5। ऐसे में पर्यटन क्षेत्र में निवेश केवल आर्थिक दृष्टि से लाभकारी नहीं, बल्कि सांस्कृतिक धरोहर के संरक्षण और वैश्विक स्तर पर जयपुर की प्रतिष्ठा को और ऊंचा करने का अवसर भी है।

पर्यटन विभाग के उपनिदेशक उपेन्द्र सिंह शेखावत ने बताया कि जिला कलक्टर डॉ. जितेन्द्र कुमार सोनी सभी एमओयू की सफल क्रियान्विति के लिए नियमित मॉनिटरिंग कर रहे हैं5। जिला प्रशासन और पर्यटन विभाग के संयुक्त प्रयासों से अब तक 1600 करोड़ रुपये के 11 बड़े एमओयू सफलतापूर्वक लागू हो चुके हैं5।

उन्होंने बताया कि राइजिंग राजस्थान समिट के तहत जयपुर जिले में पर्यटन क्षेत्र से जुड़े 69 हजार 133 करोड़ रुपये के कुल 332 करार हुए थे, जिनसे 80 हजार से अधिक प्रत्यक्ष रोजगार अवसर सृजित होंगे। इनमें होटल क्षेत्र में 25 हजार 222 करोड़ रुपये के 169 करार, रिसॉर्ट क्षेत्र में 16 हजार 371 करोड़ रुपये के 90, एडवेंचर टूरिज्म में 1 हजार 373 करोड़ रुपये के 21, ईको टूरिज्म में 166 करोड़ रुपये के 8, फिल्म सिटी एवं फिल्म शूटिंग क्षेत्र में 3 हजार 570 करोड़ रुपये के 8 और अन्य संबंधित क्षेत्रों में 19 हजार 409 करोड़ रुपये के 39 करार शामिल हैं।

न्यायालय ने आसाराम की अंतरिम जमानत अवधि बढ़ाई

जोधपुर। राजस्थान उच्च न्यायालय की जोधपुर पीठ ने जेल में बंद स्वयंभू संत आसाराम की अंतरिम जमानत सोमवार को 29 अगस्त तक बढ़ा दी। आसाराम अपने गुरुकुल की नाबालिग शिष्या से बलात्कार के आरोप में आजीवन कारावास की सजा काट रहा है। आसाराम की जमानत अवधि 12 अगस्त को समाप्त होने वाली थी। न्यायमूर्ति दिनेश मेहता और न्यायमूर्ति विनीत कुमार माथुर की खंडपीठ ने आसाराम की मेडिकल रिपोर्ट देखने के बाद जमानत अवधि बढ़ाने की अनुमति दे दी।

हाल में गुजरात उच्च न्यायालय ने इसी तरह के एक मामले में आसाराम की अंतरिम जमानत अवधि 21 अगस्त तक बढ़ा दी थी, जिसके बाद यह राहत सामने आई है। फिलहाल इंदौर के एक अस्पताल में भर्ती आसाराम की हालत गंभीर बताई जा रही है। आसाराम की मेडिकल रिपोर्ट का अवलोकन करते हुए उच्च न्यायालय ने उसके स्वास्थ्य की विस्तृत जांच के लिए अहमदाबाद के एक सरकारी अस्पताल के चिकित्सकों की समिति गठित करने का निर्देश दिया।

अशोक गहलोत का चुनाव आयोग पर हमला : बोले- इतिहास में पहली बार विपक्षी सांसद सड़क पर उतरे

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर5। राजस्थान के पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने विपक्षी सांसदों के चुनाव आयोग के खिलाफ सड़क पर उतरने को लेकर केंद्र सरकार और चुनाव आयोग पर तीखा हमला बोला है। उन्होंने कहा कि संभवतः यह इतिहास में पहली बार है जब इतनी बड़ी संख्या में विपक्षी सांसद चुनाव आयोग के विरुद्ध सड़कों पर प्रदर्शन कर रहे हैं5। गहलोत ने कहा कि कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे, नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी, महासचिव प्रियंका गांधी, एनसीपी अध्यक्ष शरद पवार और एसपी अध्यक्ष अखिलेश यादव समेत खछ्ञ्ख-गठबंधन के सभी वरिष्ठ नेता चुनाव आयोग के रवैये से आक्रोशित हैं5। उन्होंने चुनाव आयोग के व्यवहार को 'निंदनीय' बताते हुए कहा कि आयोग जनभावनाओं को समझने में चूक कर रहा है और उसे देश से माफी मांगनी चाहिए5।

पूर्व मुख्यमंत्री ने संसद सत्र के दौरान सांसदों को हिरासत में लेने की भी निंदा की। उन्होंने कहा कि ऐसा करना सांसदों के विशेषाधिकार के खिलाफ है। गहलोत ने जोर देकर कहा कि चुनाव आयोग को अब गंभीरता दिखानी चाहिए, क्योंकि यह देश के लोकतंत्र का सवाल है। उन्होंने मांग की कि चुनाव आयोग को तुरंत वोटर लिस्ट का डाटा मशीन रीडेबल फॉर्मेट में उपलब्ध कराना चाहिए, ताकि सभी अनियमितताओं को सामने लाया जा सके और उन्हें दूर किया जा सके।

खरगे ने कहा कि हंगामे के बीच रास में विधेयक पारित हो रहे

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। राज्यसभा में सोमवार को बिहार में मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण के मुद्दे पर विपक्ष के हंगामे के बीच तीन विधेयकों को ध्वनिमत से मंजूरी दिए जाने पर विपक्ष के नेता मल्लिकार्जुन खरगे ने विरोध जताते हुए कहा कि लोकतंत्र में ऐसा नहीं होता। वहीं सदन के नेता जे पी नड्डा ने कहा कि लोकतंत्र की रक्षा जरूर होनी चाहिए लेकिन सदन को बंधक भी नहीं बनाया जा सकता।

एक बार के स्थगन के बाद दोपहर दो बजे उच्च सदन की बैठक पुन: शुरू होने पर मणिपुर बजट तथा मणिपुर वस्तु एवं सेवा कर (संशोधन) विधेयक 2025 को और वाणिज्यिक पोत परिवहन विधेयक को मंजूरी ध्वनिमत से मंजूरी दी गई। जब सदन में मणिपुर बजट तथा मणिपुर वस्तु एवं सेवा कर (संशोधन) विधेयक 2025 पर संक्षिप्त चर्चा हो रही थी तब विपक्षी सांसद चाहते थे कि विपक्ष के नेता मल्लिकार्जुन खरगे को बोलने दिया जाए। ये सदस्य बिहार में चल रही एसआईआर प्रक्रिया के खिलाफ हंगामा और नारेबाजी कर रहे थे।

वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने मणिपुर के बजट का विरोध करने के लिए विपक्ष की आलोचना की। उन्होंने कहा कि विपक्ष मणिपुर के बारे में तो बोलता है, लेकिन जब उसके बजट और जीएसटी विधेयक पर चर्चा हो रही होती है, तो वह न केवल किसी अन्य मुद्दे पर विरोध कर रहा होता है, बल्कि उसके खिलाफ मतदान भी करता है। विधेयक पर ध्वनिमत से हुए मतदान के दौरान विपक्षी सांसद नहीं कहते सुने गए। इसके बाद पोत परिवहन एवं जलमार्ग मंत्री सर्वानंद सोनोवाल ने 'वाणिज्य पोत परिवहन विधेयक, 2025' को चर्चा एवं पारित करने के लिए पेश किया। इसी बीच आसन की ओर से खरगे को बोलने की अनुमति दी गई। खरगे ने कहा कि सदन में व्यवस्था नहीं है, हंगामा हो रहा है फिर भी महत्वपूर्ण विधेयकों को पारित किया जा रहा है। उन्होंने कहा ''लोकतंत्र में ऐसा नहीं होता।

नड्डा बोलेः सदन को बंधक नहीं बनाया जा सकता

इस पर सदन के नेता जे पी नड्डा ने कहा ''लोकतंत्र की रक्षा होनी चाहिए। बेशक होनी चाहिए। लेकिन सदन को बंधक भी नहीं बनाया जा सकता। नड्डा ने कहा कि कार्य मंत्रणा समिति में विधेयक पारित करने की सहमति जताने वाले विपक्ष ने इसमें बाधा डाली। उन्होंने कहा कि दो साल से मणिपुर में शांति लाने के प्रयास किए जा रहे हैं और आज जब मणिपुर के दो विधेयकों पर सदन में चर्चा हुई तो विपक्ष का आचरण देख कर हैरानी हो रही है। नड्डा की इस बात पर विपक्षी सदस्यों ने कड़ा विरोध जताया और हंगामा तेज हो गया।

पीठासीन अध्यक्ष सुरेंद्र सिंह नागर ने दो बज कर 50 मिनट पर बैठक को तीन बजे तक के लिए स्थगित कर दिया। तीन बजे जब बैठक पुन: शुरू हुई तो आसन की अनुमति से खरगे ने अपनी बात रखना शुरू किया। उन्होंने एसआईआर के मुद्दे पर विपक्ष द्वारा आज निकाले गए मोर्चे का जिक्र किया और कहा कि यह महत्वपूर्ण मुद्दा है। खरगे अपनी बात पूरी कर भी नहीं पाए कि सत्ता पक्ष के सदस्यों ने विरोध शुरू कर दिया। विपक्षी सदस्यों ने इस पर आपत्ति जताई। उन्होंने नेता प्रतिपक्ष को नहीं बोलने देने का आरोप लगाते हुए सदन से बहिर्गमन कर दिया। नड्डा ने कहा ''विपक्ष का यह आचरण निंदनीय है। सरकार हर विषय पर चर्चा करने के लिए तैयार है। सत्र की शुरुआत में ही हमने कहा था कि ऑपरेशन सिंदूर और पहलगाम हमले के मुद्दे पर हम चर्चा के लिए तैयार हैं। इन मुद्दों पर चर्चा के दौरान सबने देखा कि विपक्ष का रवैया कैसा था।

केंद्रीय मंत्री ने कहा ''दुख के साथ कहना पड़ रहा है कि जो लोग मणिपुर के चैंपियन बने हुए थे उन्होंने आज मणिपुर के मुद्दे पर चर्चा करने के बजाय कड़ा विरोध जताया। उनका रवैया यह है कि या तो उनकी बात सुनी जाए या फिर वह लोग व्यवधान डालेंगे। यह सही नहीं है।

शिक्षा विभाग की ऑनलाइन बैठक में चला अश्लील वीडियो, मुकदमा दर्ज

महराजगंज/भाषा। उत्तर प्रदेश के महराजगंज जिले में शिक्षा विभाग की एक ऑनलाइन बैठक में अचानक चले अश्लील वीडियो के संबंध में पुलिस ने मामला दर्ज किया। एक अधिकारी ने सोमवार को यह जानकारी दी। अधिकारी ने बताया कि यह घटना सात अगस्त को 'जूम' के माध्यम से आयोजित एक ई-चौपाल सत्र के दौरान हुई।

बैठक में जिलाधिकारी संतोष कुमार शर्मा के साथ-साथ बेसिक शिक्षा अधिकारी, खंड शिक्षा अधिकारी, प्रधानाध्यापक, सरकारी शिक्षक और आम लोग शामिल थे। यह सत्र स्कूल संबंधी मुद्दों पर जनता और जिलाधिकारी के बीच सीधा संवाद स्थापित करने के लिए आयोजित किया था। बैठक के दौरान, जेसन जूनियर' नाम के आईडी से जुड़े एक प्रतिभागी ने अपनी स्क्रीन साझा की और एक अश्लील वीडियो चलाया। अधिकारियों ने बताया कि 'अर्जुन' नाम के व्यक्ति की आईडी से जुड़े एक अन्य प्रतिभागी ने कथित तौर पर आपत्तिजनक टिप्पणी की। बेसिक शिक्षा अधिकारी रिद्धि पांडेय के आदेश पर नौ अगस्त को खंड शिक्षा अधिकारी (फरेंदा) सुदामा प्रसाद ने कोतवाली थाने में दो अज्ञात लोगों के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज कराई।

अरुणाचल प्रदेश के मुख्यमंत्री ने आवास पुनर्विकास परियोजना की शुरुआत की

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

ईटानगर/भाषा। अरुणाचल प्रदेश के मुख्यमंत्री पेमा खांडू ने सोमवार को कहा कि सरकारी आवासीय कॉलोनियों का पुनर्विकास ईटानगर को एक आधुनिक, सुनियोजित शहर में बदलने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है।

राज्य की राजधानी ईटानगर के चार सेक्टर- बी, सी, पी और नीति विहार में आवास पुनर्विकास परियोजना के दूसरे चरण की आधारशिला रखते हुए खांडू ने ए-सेक्टर स्थित बहुमंजिला आवास परिसर के 31 मई के उद्घाटन को ''असुरक्षित, पुरानी संरचनाओं के स्थान पर सुरक्षित और आरामदायक घर बनाने'' के अपने दृष्टिकोण की शुरुआत के रूप में याद किया। खांडू ने जोर देकर कहा, आवास सिर्फ हमारे कर्मचारियों के लिए ही जरूरी नहीं है, बल्कि आम जनता के लिए किफ़ायती आवास भी हमारी प्राथमिकता है। हमारे द्वारा बनाया जाने वाला हर फ्लैट भूकंपरोधी, सुरक्षित और सम्मानजनक होना चाहिए। उन्होंने सरकारी जमीन और संपत्ति पर अतिक्रमण करने वालों को सख़्त संदेश दिया कि किसी को भी बख्शा नहीं जाएगा। खांडू ने कहा, शहरी परिवर्तन के लिए योजना, अनुशासन और कार्यान्वयन की आवश्यकता होती है। हम सब मिलकर ईटानगर को एक ऐसा शहर बनाएंगे, जिसे हम अपना घर कहने पर गर्व महसूस करेंगे।

कांग्रेस और विपक्ष का प्रदर्शन देश में अराजकता, अस्थिरता पैदा करने की सोची-समझी रणनीति : भाजपा

नई दिल्ली/भाषा। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने बिहार में मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) और पूर्व के चुनावों में कथित ''वोट चोरी'' के खिलाफ प्रदर्शन को लेकर सोमवार को विपक्षी दलों की आलोचना की तथा उन पर देश में अराजकता पैदा करने की कोशिश करने का आरोप लगाया। केंद्रीय मंत्री धर्मेंद्र प्रधान ने यहां भाजपा मुख्यालय में संवाददाता सम्मेलन को संबोधित करते हुए सत्तारूढ़ दल और निर्वाचन आयोग के खिलाफ कांग्रेस नेता राहुल गांधी के ''वोट चोरी'' के आरोप को ''झूठ'' करार दिया और कहा कि कांग्रेस इस तरह के हथकंडे अपना रही है, क्योंकि उसके पास कोई अन्य मुद्दा नहीं है। केंद्रीय मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने गांधी पर ''देश विरोधी ताकतों के दबाव में'' काम करने का आरोप लगाया।

भाजपा के वरिष्ठ नेता ने 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, वह और 'इंडी' गठबंधन लोकतंत्र को बदनाम कर रहे हैं, उसकी धज्जियां उड़ा रहे हैं और संवैधानिक संस्थाओं की मर्यादाओं के साथ खिलवाड़ कर रहे हैं। प्रधान और चौहान, दोनों ही भाजपा के प्रमुख ओबीसी (अन्य पिछड़ा वर्ग) चेहरे हैं। प्रधान ने आरोप लगाया कि विपक्ष का प्रदर्शन देश में अस्थिरता पैदा करने के लिए एक सोची-समझी रणनीति का हिस्सा है। उन्होंने आरोप लगाया, कांग्रेस और अन्य विपक्षी दल देश में अराजकता पैदा करना चाहते हैं। उन्होंने कहा कि लोकसभा में विपक्ष के नेता गांधी उन ''बड़ी ताकतों'' की भाषा बोल रहे हैं, जो देश में लोकतंत्र को नष्ट करना चाहती हैं। प्रधान ने आरोप लगाया कि कांग्रेस और अन्य विपक्षी दल बिहार में चुनाव प्रक्रिया एवं मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण पर सवाल उठा रहे हैं तथा निर्वाचन आयोग के खिलाफ निराधार आरोप लगा रहे हैं, क्योंकि वे देश में ''घुसपैठियों और विदेशियों'' को मतदाता बनाना चाहते हैं।

अवैध धर्मांतरण के आरोप में चार लोग गिरफ्तार

मिर्जापुर/भाषा। उत्तर प्रदेश के मिर्जापुर जिले में पुलिस ने सोमवार को अवैध धर्मांतरण के मामले में चार आरोपी को गिरफ्तार किया। एक बयान में यह जानकारी दी गई। बयान के मुताबिक, ओमकार नाथ केशरी नाम के व्यक्ति ने जमालपुर थाने में रविवार को एक शिकायत दर्ज कराई और आरोप लगाया कि आरोपी ईसाई धर्म का प्रचार करने के बहाने गांव के भोले-भाले लोगों को धन का लालच देकर धर्म परिवर्तन करा रहे हैं। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक सोमेन बर्मा ने मामले को गंभीरता से लेते हुए क्षेत्राधिकारी पुलिस को अभियुक्तों की गिरफ्तारी का निर्देश दिए।

बयान के मुताबिक, पुलिस ने गुप्त सूचना के आधार पर जमालपुर में डबक नहर के पास स्थित एक मकान से नामजद चार लोगों चन्दन राम, उसकी पत्नी ऋतु, जगदीश राम और रामलोचन राम को गिरफ्तार किया। बयान में बताया गया कि गिरफ्तार आरोपियों के पास से सात धार्मिक किताबें और छह पोस्टर बरामद किए गए।

यदि वेणुगोपाल का विमान संबंधी दावा सच नहीं निकलता है तो उन्हें परिणाम भुगतने चाहिए : भाजपा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने सोमवार को कहा कि कांग्रेस नेता के सी वेणुगोपाल का उनके समेत अन्य सांसदों को ले जा रहे एक विमान के चेन्नई रनवे पर एक अन्य विमान की मौजूदगी के कारण ''दुर्घटना के करीब'' पहुंचने का दावा यदि झूठा साबित होता है तो कांग्रेस नेता को इसका परिणाम भुगतना चाहिए। भाजपा ने कहा कि एअर इंडिया ने वेणुगोपाल के इस दावे का खंडन किया है।

एअर इंडिया ने रविवार को कहा था कि उड़ान संख्या एआई 2455 को चेन्नई की ओर संदिग्ध तकनीकी समस्या के कारण मोड़ा गया था, न कि रनवे पर किसी अन्य विमान की उपस्थिति के कारण। नागर विमानन महानिदेशालय (डीजीसीए) ने सोमवार को कहा कि तिरुवनंतपुरम से दिल्ली आ रही एअर इंडिया की उड़ान को रविवार शाम को मौसम रडार में संदिग्ध खराबी के कारण चेन्नई की ओर मोड़ दिया गया था लेकिन विमान सुरक्षित उतरा। भाजपा के आईटी प्रकोष्ठ के प्रमुख अमित मालवीय ने 'एक्स' पर एअर इंडिया के जवाब और वेणुगोपाल के बयान को 'टैग' करते हुए कहा, ''यह बेहद गंभीर है। अगर वरिष्ठ कांग्रेस नेता के सी वेणुगोपाल दावा करते हैं कि एअर इंडिया का एक विमान रनवे पर किसी अन्य विमान के होने के कारण चेन्नई में नहीं उतर सका और विमानन कंपनी तुरंत उनका खंडन करती है, तो उनमें से कोई एक तथ्यों को गलत तरीके से प्रस्तुत कर रहा है। उन्होंने कहा, विमानन सुरक्षा सर्वोपरि है और कथित रूप से जिम्मेदार लोगों द्वारा सोशल मीडिया पर कही गई बात को परखे जाने से छूट नहीं दी जा सकती है।

आसिम मुनीर की टिप्पणी निंदनीय, अमेरिका का उनको इतना महत्व देना विचित्र बात है : कांग्रेस

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। कांग्रेस ने पाकिस्तान के सेना प्रमुख फील्ड मार्शल आसिम मुनीर के धमकी की निंदा करते हुए सोमवार को कहा कि यह विचित्र बात है कि अमेरिकी सत्ता प्रतिष्ठान इस तरह के व्यक्ति को इतना महत्व दे रहा है। पार्टी महासचिव जयराम रमेश ने कहा कि मुनीर ने भारत और पाकिस्तान के बीच परमाणु संघर्ष के संदर्भ में जो टिप्पणी की है वो, सबसे खतरनाक, भड़काऊ और पूरी तरह से अस्वीकार्य है।

फ्लोरिडा के टाम्पा में पाकिस्तानी प्रवासियों को संबोधित करते हुए मुनीर ने कथित तौर पर परमाणु हमले की धमकी देते हुए कहा था कि भविष्य में भारत के साथ युद्ध में उनके देश के अस्तित्व को खतरा हो सकता है। पाकिस्तानी सेना प्रमुख ने यह भी चेतावनी दी कि यदि भारत ने पाकिस्तान जाने वाले जल प्रवाह को बाधित किया तो इस्लामाबाद भारतीय बुनियादी ढांचे को नष्ट कर देगा। रमेश ने 'एक्स' पर पोस्ट किया, 16 अप्रैल, 2025 को जनरल आसिम मुनीर भड़काऊ और सांप्रदायिक रूप से ज़हरीली टिप्पणियां करते हैं, जो 22 अप्रैल, 2025 को पहलगाम में हुए क्रूर

आतंकवादी हमलों को हवा देती हैं। 18 जून, 2025 को, राष्ट्रपति ट्रंप द्वारा फील्ड मार्शल आसिम मुनीर को व्हाइट हाउस में एक अभूतपूर्व 'लंच मीटिंग' के लिए आमंत्रित किया जाता है। उन्होंने इस बात का उल्लेख किया कि आठ अगस्त, 2025 को, फील्ड मार्शल मुनीर अमेरिकी सेंट्रल कमांड के प्रमुख जनरल माइकल कुरिल्ला के विदाई समारोह में भाग लेने के लिए फ्लोरिडा के टाम्पा में थे और इन्हीं कुरिल्ला ने पहले आतंकवाद-रोधी अभियानों में पाकिस्तान की 'शानदार सहयोगी' के रूप में प्रशंसा की थी।

कांग्रेस नेता के अनुसार, 10 अगस्त, 2025 को, अमेरिकी प्रवासी पाकिस्तानियों के साथ एक बातचीत में फील्ड मार्शल आसिम मुनीर भारत और पाकिस्तान के बीच परमाणु संघर्ष पर सबसे खतरनाक, भड़काऊ और पूरी तरह से अस्वीकार्य टिप्पणी करते हैं।

ओडिशा के बरगढ़ में 13 वर्षीय लड़की ने आत्मदाह किया

भुवनेश्वर/भाषा। ओडिशा में बरगढ़ जिले के एक गांव में कथित तौर पर खुद को आग लगाने वाली 13 वर्षीय स्कूली छात्रा की सोमवार को एक अस्पताल में उपचार के दौरान मौत हो गई। पुलिस ने यह जानकारी दी।

बरगढ़ ज़िले के प्रभारी एवं बोलांगीर के पुलिस अधीक्षक अभिलाष जी. ने कहा, झुलसने के बाद बुर्ला स्थित वीर सुरेंद्र साईं आयुर्विज्ञान एवं अनुसंधान संस्थान (वीआईएमएसएआर) में भर्ती एक लड़की की उपचार के दौरान मौत हो गई। हम जांच कर रहे हैं कि लड़की ने यह कदम क्यों उठाया।

एसपी ने बताया कि लड़की के परिजनों की शिकायत पर पुलिस ने अप्राकृतिक मौत का मामला दर्ज किया है। उन्होंने बताया कि घटना की जांच के लिए तीन सदस्यीय पुलिस दल का गठन किया गया है। पुलिस को लड़की से जुड़ा एक वीडियो भी मिला है। उत्तरी रेंज के महानिरीक्षक हिमांशु लाल ने बताया कि लड़की छात्रावास में रह रही थी और मामा के घर आई थी, जहां उसने यह कदम उठाया। इससे पहले, गाइसिलाट थाना क्षेत्र के फिरींगमाल गांव में आज ग्रामीणों ने नाबालिग को एक फुटबॉल मैदान से अधजली अवस्था में बचाया और उसे बरगढ़ जिला मुख्यालय अस्पताल ले गए।

झारखंडः कई चुनाव लड़ चुका कुख्यात अपराधी पुलिस मुठभेड़ में मारा गया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

गोड्डा (झारखंड)/भाषा। झारखंड के गोड्डा जिले में सोमवार तड़के पुलिस की हिरासत से फरार होने की कोशिश के दौरान हुई मुठभेड़ में कई आपराधिक मामलों में वांछित एक आरोपी मारा गया। यहां एक वरिष्ठ अधिकारी ने यह जानकारी दी। यह आरोपी विभिन्न राजनीतिक दलों के टिकट पर झारखंड विधानसभा चुनाव लड़ चुका है।

दुमका जोन के महानिरीक्षक (आईजी) शैलेंद्र कुमार सिन्हा ने 'पीटीआई-भाषा' को बताया कि आरोपी की पहचान सूर्य नारायण हंसदा उर्फ सूर्य हंसदा के रूप में हुई है, जो गोड्डा और साहिबगंज जिलों में दर्ज कई आपराधिक मामलों में वांछित था। अधिकारी ने बताया, हंसदा को गोड्डा पुलिस ने रविवार को देवघर से गिरफ्तार किया था। पूछताछ में उसने हथियारों और अपने साथियों के बारे में जानकारी दी थी।

उसके द्वारा दी गई जानकारी के आधार पर उसे लालमटिया वन क्षेत्र ले जाया गया और उसी दौरान उसके साथियों ने पुलिस दल पर गोलीबारी की। हंसदा ने हिरासत से भागने की भी कोशिश की और इस पर पुलिस ने जवाबी कार्रवाई की। इस दौरान हुई गोलीबारी में वह मारा गया। हंसदा ने 2024 के विधानसभा चुनावों में झारखंड लोकतांत्रिक क्रांतिकारी मोर्चा (जेएलकेएम) के टिकट पर बोरियो सीट से चुनाव लड़ा, लेकिन उसे मात्र 2,937 वोट मिले।

वह 2019 के विधानसभा चुनावों में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) उम्मीदवार के रूप में बोरियो सीट से मैदान में था। उस समय उसे 59,441 वोट प्राप्त हुए और वह दूसरे स्थान पर रहा।

उसने 2014 और 2009 में झारखंड विकास मोर्चा (प्रजातांत्रिक) के टिकट पर इसी सीट से चुनाव लड़ा था, लेकिन उसे हार का सामना करना पड़ा।

बुजुर्ग से बोले ओडिशा के मुख्यमंत्री

शिकायतों का समाधान होगा, आत्महत्या की बात न करें

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

भुवनेश्वर/भाषा। ओडिशा के मुख्यमंत्री मोहन चरण माझी ने सोमवार को कुछ लोगों की मानसिकता पर चिंता व्यक्त की और एक बुजुर्ग व्यक्ति से 'आत्महत्या' की बात न करने का आग्रह किया तथा उन्हें आश्वासन दिया कि जब तक उनकी शिकायतों का समाधान नहीं हो जाता, तबतक वे धैर्य बनाए रखें।

माझी ने यह टिप्पणी मुख्यमंत्री की जन शिकायत सुनवाई के 14वें सत्र की अध्यक्षता करते हुए की, जिसमें कई मंत्री और वरिष्ठ अधिकारी शामिल हुए। मुख्यमंत्री उस समय काफी परेशान हो गए, जब जगबंधु पांडा नामक एक बुजुर्ग व्यक्ति ने उनसे कहा कि वह आत्महत्या करके मरना पसंद करेंगे, क्योंकि उनकी शिकायतों पर लंबे समय से ध्यान नहीं दिया गया है। पांडा की बातों से नाराज होकर

माझी ने कहा, अगर आपकी शिकायतें सच्ची हैं, तो उनका समाधान जरूर किया जाएगा। मैं आपके साथ हूं। कृपया 'आत्महत्या' जैसी बात न करें। यह अच्छा शब्द नहीं है। बाद में मुख्यमंत्री ने पांडा की शिकायतें सुनीं और उन्हें आश्वासन दिया कि मामले पर गंभीरता से विचार किया जाएगा। बाद में पत्रकारों से बात करते हुए पांडा ने कहा कि वह 1993 से लोक निर्माण विभाग में अस्थायी कर्मचारी के रूप में कार्यरत हैं और 6,000 रुपए प्रतिमाह कमाते हैं। उन्होंने कहा, मेरी पत्नी लकवाग्रस्त है और मेरा बेटा शारीरिक रूप से अक्षम है। मेरे लिए जीवन कठिन हो गया है। इसलिए, मैंने अचानक आत्महत्या शब्द का इस्तेमाल किया।

ओडिशा के बालासोर में लड़की का अपहरण कर बलात्कार करने के आरोप में युवक गिरफ्तार

बालासोर (ओडिशा)/भाषा। ओडिशा पुलिस ने बालासोर जिले में नौवीं कक्षा की एक छात्रा का कथित तौर पर अपहरण कर उससे बलात्कार करने के आरोप में 26 वर्षीय एक युवक को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने बताया कि यह घटना रविवार को उस समय हुई जब लड़की 'ट्यूशन' पढ़कर साइकिल से घर लौट रही थी।

उसने बताया कि जिले में अंतरा गांव के युवक ने लड़की को रास्ते में रोक लिया और उसे सिमुलिया थाना क्षेत्र में बरदा रानीताल नहर क्षेत्र के पास एक सुनसान जगह पर जबरदस्ती ले जाकर उसके साथ बलात्कार किया। जब स्थानीय लोगों को घटना के बारे में पता चला तो उन्होंने आरोपी को रस्सी से बांधकर उसकी पिटाई की और उसकी मोटरसाइकिल में आग लगा दी। उसने बताया कि पुलिस के एक दल ने जल्द ही घटनास्थल पर पहुंचकर युवक को गिरफ्तार किया और लड़की को सिमुलिया अस्पताल में भर्ती कराया।

हम मिथक तोड़ना चाहते हैं, आईसीसी ट्रॉफी का सूखा खत्म करने के लिए प्रतिबद्ध हैंः हरमनप्रीत

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

मुंबई/भाषा। भारतीय कप्तान हरमनप्रीत कौर ने सोमवार को कहा कि उनकी टीम मिथक तोड़कर अगले महीने शुरू हो रहे एकदिवसीय महिला विश्व कप में आईसीसी (अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद) ट्रॉफी का सूखा खत्म करने के लिए प्रतिबद्ध है।

भारतीय महिला क्रिकेट टीम अभी तक कोई विश्व खिताब नहीं जीत पाई है हालांकि कुछ अवसरों पर वह इसके करीब पहुंची थी। इसमें 2017 में इंग्लैंड में खेला गया वनडे विश्व कप भी शामिल है जिसमें भारत उपविजेता रहा था। हरमनप्रीत ने वनडे विश्व कप ट्रॉफी के अनावरण समारोह में कहा, हम उस मिथक को तोड़ना चाहते हैं जिसका सभी भारतीय इंतजार कर रहे हैं। विश्व कप हमेशा खास होता है। मैं हमेशा अपने देश के लिए कुछ खास करना चाहती हूं। जब भी मैं युवी भैया (युवराज सिंह) को देखती हूं तो मुझे काफी प्रेरणा मिलती है। इस अवसर पर पूर्व भारतीय ऑलराउंडर

युवराज सिंह, पूर्व कप्तान मिताली राज और हरमनप्रीत की टीम की साथी स्मृति मंधाना और जेमिमा रोड्रिग्स भी उपस्थित थे। भारतीय टीम का हाल में प्रदर्शन बहुत अच्छा रहा है। उसने इंग्लैंड दौरे में टी20 और वनडे शृंखला जीती थी। वह 30 सितंबर से शुरू होने वाले विश्व कप से पहले 14 सितंबर से खिताब की प्रबल दावेदार ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ तीन वनडे मैच की घरेलू शृंखला खेलेगी और हरमनप्रीत ने कहा कि इससे उनकी टीम को खुद को परखने का मौका मिलेगा। हरमनप्रीत ने 2017 में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ सेमीफाइनल में 171 रन की जोरदार पारी खेल कर अपनी टीम को जीत दिलाई थी। उस पारी की यादें अब भी उनके जेहन में ताजा हैं। उन्होंने कहा, वह पारी मेरे और महिला क्रिकेट के लिए वाकई बहुत खास थी। उस पारी के बाद मेरे लिए बहुत कुछ बदल गया। हम भले ही फाइनल में हार गए थे लेकिन जब हम वापस लौटे तो बहुत सारे लोग हमारा इंतज़ार कर रहे थे और हमारा उत्साह बढ़ा रहे थे। मैं उसे याद करके आज भी रोमांचित हो जाती हूं।

'मिया मुस्लिमों' के अवैध कब्जे वाले वन और आरक्षित भूमि को मुक्त कराएंगे : हिमंत

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

गुवाहाटी/भाषा। असम के मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा ने सोमवार को कहा कि राज्य का अतिक्रमण विरोधी अभियान 'अल्पसंख्यक बहुल' क्षेत्रों को निशाना बनाकर नहीं चलाया जा रहा है, बल्कि उन जंगलों या अन्य आरक्षित भूमि को अतिक्रमण मुक्त कराने के लिए है, जिन पर 'मिया-मुसलमानों' ने अवैध रूप से कब्जा कर रखा है।

'मिया' मूल रूप से असम में बांग्ला भाषी मुसलमानों के लिए प्रयुक्त एक अपमानजनक शब्द है, तथा गैर-बांग्लाभाषी लोग आमतौर पर उन्हें

बांग्लादेशी आप्रवासी मानते हैं। शर्मा ने दावा किया कि 'मिया-मुसलमानों' के पास 'चार' (नदी किनारे के जंगल) पर अतिक्रमण कर राज्य की आधी जमीन पर कब्जा कर लिया है। उन इलाकों में अन्य समुदाय नहीं बसे हैं। शर्मा ने चिरांग में एक कार्यक्रम से इतर संवाददाताओं से कहा, अतिक्रमण मुक्त कराने का अभियान अल्पसंख्यक बहुल इलाकों में नहीं चल रहा है। यह अभियान उन 'मिया-मुसलमानों' के लिए है, जिन्होंने वन भूमि, या वीजीआर (ग्राम चरागाह आरक्षित), पीजीआर (पेशेवर चरागाह आरक्षित) भूमि पर अतिक्रमण किया है। मुख्यमंत्री ने कहा, हमारे लोग आरक्षित भूमि पर अतिक्रमण नहीं करते। अगर बोडो लोग, मिसिंग लोग (वन भूमि पर रहने वाले) हैं, तो वे 'पट्टा' (स्वामित्व) के पात्र हो सकते हैं। लेकिन, गैर-आदिवासियों को (वन भूमि पर) 'पट्टा' नहीं मिल सकता।

शर्मा ने 'मिया-मुसलमानों' पर हमला जारी रखते हुए कहा, हमने उन्हें 'चार' में बहुत ज़मीन दी है। हम 'चार' में नहीं गए हैं। बोडो, मिसिंग, असमिया, बंगाली, बिहारी, वे वहां नहीं गए हैं। हम उन्हें 'चार' में नहीं ले गए हैं। उन्होंने कहा, असम की आधी जमीन उनके लिए चार में है।

सुविचार

जिसने कभी गलती नहीं की, उसने कभी कुछ नया करने की कोशिश नहीं की।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

मधुमेह का फैलता जाल

'द लांसेट ग्लोबल हेल्थ' में प्रकाशित एक शोध का यह निष्कर्ष कि 'जैसे-जैसे देश की आबादी वृद्ध होती जाएगी, मध्यम आयु वर्ग और वृद्धों में मधुमेह के मामले बढ़ेंगे', एक ऐसी चुनौती का संकेत है, जिसके लिए हमें तैयार रहना चाहिए। उक्त शोध की इन पंक्तियों से सहमत या असहमत हो सकते हैं कि 'भारत में साल 2019 में 45 वर्ष और उससे ज्यादा आयु का लगभग हर पांचवां व्यक्ति मधुमेह से पीड़ित था और हर पांच में से दो व्यक्तियों को स्वास्थ्य संबंधी इस स्थिति के बारे में संभवतः पता ही नहीं था', लेकिन इस बात से इन्कार नहीं किया जा सकता कि अब कई बच्चों और युवाओं में भी इस बीमारी के लक्षण दिखाई देते हैं। पहले, मधुमेह के बारे में आम धारणा थी कि यह साधन-संपन्न शहरी लोगों को ही होती है, क्योंकि उन्हें शारीरिक श्रम नहीं करना पड़ता। गांवों में मेहनतकश लोग खेतों में पसीना बहाते थे। वे सूरज उगने से पहले उठते और रात को जल्दी सोते थे। खानपान भी सात्विक होता था। अनाज तो खेतों से मिल जाता था। हर घर में पशुधन होने से शुद्ध दूध-दही सुलभ था। अब गांवों में भी ऐसे लोग मिल जाएंगे, जो देर रात तक मोबाइल फोन चलाते हैं और सुबह देर तक सोते हैं। उनके खानपान में ज्वार, बाजरा, मक्का, दूध-दही, हरी सब्जियों की जगह ऐसे पदार्थों ने ले ली है, जो सेहत को नुकसान पहुंचाते हैं। बच्चों पर पढ़ाई में अच्छा प्रदर्शन करने का दबाव होता है। वहीं, युवाओं पर इस बात का दबाव होता है कि वे जल्द-से-जल्द मोटे वेतन वाली नौकरी, जिसमें सरकारी नौकरी को सर्वोच्च प्राथमिकता दी जाती है, को हासिल करें। जिनके पास नौकरी है, उन पर बेहतर जीवन स्तर का दबाव होता है। जब लोगों के जीवन में खुशी नहीं होगी, वे कई तरह के दबाव और तनाव का सामना करेंगे तो उन्हें कम आयु में ही बीमारियां घेरेंगी।

> **प्रकृति से दूरी, तनाव, अनियमित खानपान और शारीरिक गतिविधियों की कमी जैसे बिंदु मधुमेह को बढ़ावा दे रहे हैं। हालांकि यह शोध कुछ सकारात्मक पहलू उजागर करता है।**

यह शोध स्पष्ट संकेत देता है कि प्रकृति से दूरी, तनाव, अनियमित खानपान और शारीरिक गतिविधियों की कमी जैसे बिंदु मधुमेह को बढ़ावा दे रहे हैं। हालांकि यह शोध कुछ सकारात्मक पहलू उजागर करता है। मधुमेह के बारे में जागरूक 46 प्रतिशत लोगों ने रक्त शर्करा के स्तर पर नियंत्रण पा लिया। लगभग 60 प्रतिशत लोग उसी वर्ष अपने रक्तचाप को नियंत्रित करने में सक्षम रहे। यह बताता है कि जागरूकता और समय पर उपचार से अपनी सेहत को ठीक किया जा सकता है। मुद्दा यह है कि ज्यादातर लोगों को बीमारी का पता नहीं चलता। इसके लिए जागरूकता जरूरी है। सरकार और स्वास्थ्य संगठनों को चाहिए कि वे ग्रामीण और शहरी, दोनों क्षेत्रों में मधुमेह जांच के लिए अभियान चलाएं। जिन राज्यों में मधुमेह के मामले बढ़ रहे हैं, वहां स्कूलों और दफ्तरों में विशेष जांच शिविर लगाने चाहिएं। भारत में नियमित स्वास्थ्य जांच के लिए कम ही लोग अस्पताल जाते हैं। जब स्वास्थ्य समस्या बढ़ जाती है, तब डॉक्टर के कहने पर जांच करवाते हैं। चूंकि सरकारी अस्पतालों में बहुत भीड़ होती है और निजी अस्पतालों की सेवाएं (आर्थिक कारणों से) हर कोई नहीं ले सकता, इसलिए स्वास्थ्य सेवाओं को और सुलभ बनाना होगा, ताकि लोग नियमित जांच भी करवा सकें। हमें अपनी जीवनशैली में कुछ बदलाव करने होंगे। प्रकृति के अनुकूल दिनचर्या, स्वस्थ आहार, नियमित योगाभ्यास, व्यायाम आदि को जीवन का हिस्सा बनाना होगा। तनाव प्रबंधन को स्कूल के पाठ्यक्रम में शामिल करना चाहिए। हम सब ऐसी जीवनशैली अपनाएं, जो न सिर्फ मधुमेह जैसी बीमारियों को रोके, बल्कि हमें प्रकृति के साथ भी जोड़े।

ट्वीटर टॉक

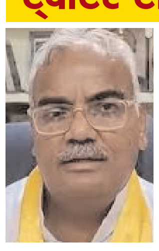

आज मुंबई में जय आबूराज सेवा फाउंडेशन के निदेशक एवं भामाशाह श्री मोहनलाल जी माली से भेंट कर आत्मीय संवाद किया। चर्चा के दौरान यह जानकर हर्ष हुआ कि उन्होंने राजस्थान के सरकारी विद्यालयों के प्रतिभाशाली विद्यार्थियों के लिए प्रेरणादायक पहल की है।

-मदन दिलावर

मेरे लिए जितनी तुम स्पेशल हो, उतना ही आज का ये दिन भी। मैं जनसेवा में व्यस्त रहता हूँ और तुम अपनी राह बनाने में, इस पर जब भी-जितनी बार भी हम मिलते हैं, तुम्हारी मुस्कान देख मेरी थकान उतर जाती है। मेरे जीवन संगीत का हर सुर तुमसे झंकृत होता है सुरंगमा!

-गजेन्द्र सिंह शेखावत

झुंझुनूं में माननीय केंद्रीय कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री शिवराजस सिंह चौहान की गरिमामय उपस्थिति में आयोजित 'प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना अंतर्गत फसल बीमा क्लेम वितरण समारोह' में उपस्थित जनसमूह को संबोधित किया।

-भजनलाल शर्मा

प्रेरक प्रसंग

निःस्वार्थ सेवा का संकल्प

जर्मनी में ओवर लिन नामक दानवीर का बड़ा नाम था। शहर में न जाने कितने ही स्कूल, चर्च, सराय आदि उसने बनवाए थे। किसी को भी, किसी प्रकार की आवश्यकता होती तो वह सबसे पहले ओवर के पास ही आता। एक बार ओवर को अपने शहर से कहीं दूर जाना पड़ा। रास्ते में अचानक बर्फीला तूफान आया और ओवर रास्ता भटक गया। उसकी गाड़ी भी बर्फ के दलदल में फंस गई। ओवर किसी मदद की उम्मीद ही छोड़ बैठा था। संयोग से गाड़ी की जलती बत्तियां देखकर एक गरीब मज़दूर विली वहां आ पहुंचा और मदद की पेशकश की। ओवर के हां कहने पर वह अपने कुछ और साथियों को भी वहां बुला लाया। गाड़ी दलदल से बाहर निकाल दी। इसके बाद वह ओवर को अपने घर ले गया और उसे गर्म कॉफी और नाश्ता दिया। ओवर ने अभिभूत होकर अपनी जेब का सारा पैसा निकालकर विली के हाथ में रख दिया। मगर विली ने वह सारा पैसा वापस ओवर को लौटा दिया। इस पर ओवर ने उसे सीने से लगाते हुए कहा, 'भाई, कृपया अपना नाम तो बता दो।' यह सुनकर विली बोला, 'क्या आप मुझे सामने दिख रहे चर्च के परोपकारी निर्माता का नाम बता सकते हैं।'

सामयिक

रक्षा उत्पादन में भारत की आत्मनिर्भरता का नया अध्याय शुरू

डॉ. मयंक चतुर्वेदी

इस वर्ष भारत का वार्षिक रक्षा उत्पादन 1,50,590 करोड़ रुपये के सर्वकालिक उच्च स्तर पर पहुँच गया है। इस तरह भारत के रक्षा औद्योगिक इतिहास में नया अध्याय लिख गया है। यह केवल एक रिकॉर्ड तोड़ संख्या नहीं, बल्कि उस परिवर्तन का प्रतीक है जिसकी नींव पिछले एक दशक में रखी गई और जिसे अब ठोस परिणाम के रूप में देखा जा सकता है। वास्तव में यह राष्ट्रीय सुरक्षा, औद्योगिक आत्मनिर्भरता और रणनीतिक सामर्थ्य के क्षेत्र में भारत के दीर्घकालिक प्रयासों की परिणति है। पिछले वर्ष के 1.27 लाख करोड़ रुपये के उत्पादन की तुलना में यह 18 प्रतिशत की सशक्त वृद्धि है, जबकि 2019-20 के 79,071 करोड़ रुपये की तुलना में लगभग 90 प्रतिशत की छलांग है, जो यह दर्शाती है कि भारत ने रक्षा निर्माण में आत्मनिर्भरता की दिशा में कितनी तेज़ी से प्रगति की। यह तथ्य है कि 2019-20 के 79,071 करोड़ रुपये की तुलना में 90 प्रतिशत की विस्मयकारी छलांग है। इन आँकड़ों के पीछे पिछले दशक में अपनाई गई नीतियों, सुधारों और निवेशों की पूरी श्रृंखला है, जिसने भारत को रक्षा उत्पादन के क्षेत्र में आत्मनिर्भरता की ओर तेजी से अग्रसर किया है।

रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने इस ऐतिहासिक उपलब्धि पर रक्षा उत्पादन विभाग, सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रमों (डिफेन्स पब्लिक सेक्टर अंडरटेकिंग्स), अन्य सार्वजनिक निर्माताओं और निजी उद्योग के सभी हितधारकों की भूमिका की सराहना की है। उन्होंने इसे भारत के मजबूत होते रक्षा औद्योगिक आधार का स्पष्ट संकेत बताया है। वस्तुत: यह कथन केवल औपचारिक प्रशंसा नहीं है, बल्कि एक नीतिगत घोषणा भी है कि भारत का रक्षा उद्योग अब एक ऐसे स्तर पर पहुँच चुका है जहाँ वह न केवल घरेलू आवश्यकताओं को पूरा करने में सक्षम है, बल्कि निर्यात में भी वैश्विक प्रतिस्पर्धा कर सकता है। अब जरा उत्पादन में सार्वजनिक और निजी क्षेत्रों की भूमिकाओं पर नज़र डालें तो तस्वीर और स्पष्ट होती है। डिफेन्स पब्लिक सेक्टर अंडरटेकिंग्स (डीपीएसयू) और अन्य सार्वजनिक उपक्रम कुल उत्पादन का लगभग 77 प्रतिशत हिस्सा रखते हैं, जबकि निजी क्षेत्र का योगदान 23 प्रतिशत तक पहुँच चुका है। यह आँकड़ा एफवाई 2023-24 में 21 प्रतिशत था, जो दर्शाता है कि निजी उद्योग की भागीदारी लगातार बढ़ रही है। यह वृद्धि केवल प्रतिशत में नहीं, बल्कि वास्तविक उत्पादन में भी दिखती है; एफवाई 2024-25 में निजी क्षेत्र के उत्पादन में 28 प्रतिशत की वृद्धि हुई, जबकि सार्वजनिक क्षेत्र में यह 16 प्रतिशत रही। इसका अर्थ है कि निजी उद्योग न केवल रक्षा विनिर्माण में अधिक निवेश कर रहा है, बल्कि उत्पादन क्षमता और गुणवत्ता में भी तेजी से प्रगति कर रहा है।

यदि हम थोड़ा पीछे जाएँ तो स्थिति इतनी आशाजनक नहीं थी। 2014-15 में भारत का कुल रक्षा उत्पादन लगभग 77,000 करोड़ रुपये के आसपास था। उस समय देश की रक्षा आवश्यकताओं का बड़ा हिस्सा आयात से पूरा होता था। रूस, फ्रांस, अमेरिका, और इज़राइल जैसे देशों से हथियार, मिसाइल, विमान और नौसैनिक उपकरण बड़ी मात्रा में खरीदे जाते थे। घरेलू निर्माण मुख्यतः कुछ सीमित हथियार प्रणालियों और उपकरणों तक ही सीमित था और उनमें भी उच्च तकनीकी घटक विदेशों से आयात किए जाते थे। किंतु हम देखते हैं कि वर्ष 2016 के बाद से इस क्षेत्र में परिदृश्य बदलना शुरू हुआ। 'मेक इंन इण्डिया' पहल के तहत रक्षा क्षेत्र को प्राथमिकता दी गई और निजी उद्योग को इसमें प्रवेश देने के लिए नीतिगत दरवाज़े खोले गए। 2017-18 में कुल उत्पादन 84,000 करोड़ रुपये के आसपास पहुँच गया, लेकिन सबसे बड़ा मोड़ 2020 में आया, जब 'आत्मनिर्भर भारत अभियान' के अंतर्गत रक्षा क्षेत्र को आयात प्रतिस्थापन के स्पष्ट लक्ष्य दिए गए। रक्षा अधिग्रहण प्रक्रिया (डीएपी-2020) और रक्षा उत्पादन एवं निर्यात संवर्धन नीति (डीपीईपीपी-2020) ने उद्योग को दिशा और स्थिरता दी।

इन नीतियों के तहत 'नकारात्मक आयात सूची' जारी की गई, जिसमें दर्ज सैकड़ों उपकरणों और हथियारों को भविष्य में केवल भारत में ही निर्मित करने का प्रावधान किया गया। यह कदम न केवल विदेशी निर्भरता कम करने की दिशा में था, बल्कि घरेलू उद्योग को स्थायी बाज़ार सुनिश्चित करने वाला भी साबित हुआ। साथ ही, श्रजन पोर्टल के माध्यम से विदेशी उपकरणों के स्वदेशी विकल्प विकसित करने के प्रयास तेज़ हुए। आज जब हम 2024-25 के आँकड़ों को देखते हैं तो स्पष्ट होता है कि ये नीतिगत कदम परिणाम दे रहे हैं। रक्षा सार्वजनिक क्षेत्र उपक्रम और अन्य सार्वजनिक निर्माता कुल उत्पादन का लगभग 77 प्रतिशत हिस्सा रखते हैं, जबकि निजी क्षेत्र की हिस्सेदारी 23 प्रतिशत तक पहुँच गई है, जो 2023-24 में 21 प्रतिशत थी। यह परिवर्तन मामूली नहीं है, क्योंकि निजी क्षेत्र की उत्पादन वृद्धि 28 प्रतिशत रही है, जबकि सार्वजनिक क्षेत्र में यह 16 प्रतिशत रही।

> **रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने इस ऐतिहासिक उपलब्धि पर रक्षा उत्पादन विभाग, सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रमों (डिफेन्स पब्लिक सेक्टर अंडरटेकिंग्स), अन्य सार्वजनिक निर्माताओं और निजी उद्योग के सभी हितधारकों की भूमिका की सराहना की है। उन्होंने इसे भारत के मजबूत होते रक्षा औद्योगिक आधार का स्पष्ट संकेत बताया है। वस्तुतः यह कथन केवल औपचारिक प्रशंसा नहीं है, बल्कि एक नीतिगत घोषणा भी है कि भारत का रक्षा उद्योग अब एक ऐसे स्तर पर पहुँच चुका है जहाँ वह न केवल घरेलू आवश्यकताओं को पूरा करने में सक्षम है, बल्कि निर्यात में भी वैश्विक प्रतिस्पर्धा कर सकता है। अब जरा उत्पादन में सार्वजनिक और निजी क्षेत्रों की भूमिकाओं पर नज़र डालें तो तस्वीर और स्पष्ट होती है।**

आज देखने में आ रहा है कि सार्वजनिक क्षेत्र में एचएएल, बीईएल, बीडीएल, एमडीएल, जीआरएसई जैसी कंपनियाँ अग्रणी भूमिका निभा रही हैं। हिन्दुस्तान ऐरोनॉटिक्स लिमिटेड (एचएएल) ने तो बहुत कम समय में बड़ा काम करके दिखा दिया है, उसने तेजस हल्के लड़ाकू विमान, ध्रुव हेलिकॉप्टर और रुद्र अटैक हेलिकॉप्टर का निर्माण किया है। इसी तरह से भारत इलेक्ट्रॉनिक्स लिमिटेड (बीईएल) ने राडार, संचार उपकरण और आकाश वायु रक्षा प्रणाली में अपनी क्षमता साबित की है। निजी क्षेत्र में टाटा एडवांस्ड सिस्टम्स, लार्सन एंड टुब्रो, महिंद्रा डिफेंस और अदानी डिफेंस जैसी कंपनियाँ अब मिसाइल लांचर, आर्मर्ड व्हीकल, नौसैनिक जहाज़ और एयरोस्पेस कंपोनेंटस का निर्माण कर रही हैं। यही कारण है कि आज रक्षा निर्यात के मोर्चे पर भी भारत ने उल्लेखनीय प्रगति की है। 2014-15 में यह आँकड़ा मुश्किल से 1,500 करोड़ रुपये के आसपास था। 2016-17 में यह 1,522 करोड़ रुपये से बढ़कर 4,682 करोड़ रुपये हुआ। 2018-19 में यह 10,745 करोड़ रुपये और 2022-23 में 15,920 करोड़ रुपये तक पहुँचा। 2023-24 में यह 21,083 करोड़ रुपये और अब 2024-25 में 23,622 करोड़ रुपये के रिकॉर्ड स्तर पर है। यह वृद्धि न केवल आयात पर निर्भरता घटाती है, बल्कि वैश्विक मंच पर भारत को एक रक्षा उपकरण आपूर्तिकर्ता के रूप में स्थापित करती है।

एक एक उत्साह से भर देनेवाला आंकड़ा है; भारत अब 90 से अधिक देशों को रक्षा उत्पाद निर्यात कर रहा है। इनमें एशिया, अफ्रीका, लैटिन अमेरिका और यूरोप के कई देश शामिल हैं। ब्रह्मोस मिसाइल का फिलीपींस को निर्यात, रक्षा कूटनीति का एक सफल उदाहरण है। आने वाले वर्षों में सरकार का लक्ष्य 2029 तक रक्षा निर्यात को 50,000 करोड़ रुपये तक पहुँचाना है। इसके लिए हथियार प्रदर्शनियों, द्विपक्षीय रक्षा समझौतों, सस्ते वित्तपोषण और रक्षा अटैशे नेटवर्क का विस्तार किया जा रहा है। हालाँकि, इन सफलताओं के बावजूद चुनौतियाँ कम नहीं हैं। उन्नत इंजन तकनीक, जेट इंजन, अत्याधुनिक इलेक्ट्रॉनिक वॉरफेयर सिस्टम और कुछ विशेष सामग्री के लिए अभी भी विदेशी आपूर्ति श्रृंखला पर निर्भरता बनी हुई है। अनुसंधान एवं विकास में निजी क्षेत्र का योगदान अपेक्षाकृत कम है, जबकि दीर्घकालिक प्रतिस्पर्धा के लिए यही वह क्षेत्र है जो निर्णायक साबित होता है।

इसके अलावा, परियोजनाओं के समय पर पूरा होने, लागत नियंत्रण और अंतरराष्ट्रीय गुणवत्ता मानकों पर खरा उतरने की चुनौतियाँ भी हैं।किंतु यदि मौजूदा नीतिगत गति और औद्योगिक निवेश की प्रवृत्ति बनी रही, तो 2029 तक भारत का वार्षिक रक्षा उत्पादन 3 लाख करोड़ रुपये और रक्षा निर्यात 50,000 करोड़ रुपये के पार पहुँच सकता है। उस स्थिति में भारत न केवल आत्मनिर्भर होगा, बल्कि मित्र देशों के लिए भी भरोसेमंद रक्षा आपूर्ति स्रोत बनेगा। कहना होगा कि यह केवल आर्थिक लाभ का मामला नहीं, बल्कि भू-राजनीतिक प्रभाव और रणनीतिक स्वायत्तता को भी मजबूत करेगा।इसलिए, 2024-25 का यह रिकॉर्ड केवल अतीत की उपलब्धियों का जश्न मनाने का अवसर ही नहीं देता है, बल्कि भविष्य की तैयारी का आह्वान भी करता है। आत्मनिर्भर भारत का रक्षा क्षेत्र अब वैश्विक मानचित्र पर अपनी जगह बना चुका है, अगला कदम इसे शीर्ष पर पहुँचाना है। इसके लिए सरकार, उद्योग, अनुसंधान संस्थान और सेना को मिलकर उस दृष्टि को साकार करना होगा, जिसमें भारत न केवल अपने लिए, बल्कि दुनिया के लिए भी सुरक्षा का स्तंभ बन सके। यही वह भविष्य है जिसकी ओर हम बढ़ रहे हैं और जिसकी बुनियाद आज के इन आँकड़ों ने और मजबूत कर दी है। (साभार : हि.स.)

विशेष

युवाः वर्तमान की क्रांति एवं शांति के वाहक

ललित गर्ग
मोबाइल : 9811051133

अंतरराष्ट्रीय युवा दिवस केवल एक कैलेंडर की तारीख नहीं है, बल्कि यह हमें याद दिलाता है कि आज की दुनिया में परिवर्तन का सबसे बड़ा वाहक युवा हैं। यह दिन संयुक्त राष्ट्र ने युवाओं के अधिकार, अवसर और योगदान को मान्यता देने के लिए तय किया है, लेकिन इसकी वास्तविक सार्थकता तभी है जब हम युवाओं को केवल 'भविष्य के नेता' कहकर टालें नहीं, बल्कि उन्हें वर्तमान का निर्णायक शक्ति केंद्र मानें। आज भारत की आबादी में लगभग 65 प्रतिशत हिस्सा 35 वर्ष से कम उम्र का है। यह केवल सांख्यिकीय तथ्य नहीं, बल्कि संभावनाओं का महासागर है। लेकिन इन संभावनाओं को दिशा देने के लिए केवल शिक्षा या नौकरी पर्याप्त नहीं; दृष्टि, मूल्यों और संकल्प की भी उतनी ही आवश्यकता है। क्योंकि युवा क्रांति का प्रतीक है, ऊर्जा का स्रोत है, इस क्रांति एवं ऊर्जा का उपयोग रचनात्मक एवं सृजनात्मक हो, इसी ध्येय से सारी दुनिया प्रतिवर्ष में सन 2000 में अंतर्राष्ट्रीय युवा दिवस का आयोजन आरम्भ किया गया था। यह दिवस मनाने का मतलब है कि युवाशक्ति का उपयोग विध्वंस में न होकर निर्माण में हो। युवा, शांति और सुरक्षा पर सुरक्षा परिषद का प्रस्ताव 2250 (9 दिसंबर 2015) शांति को बढ़ावा देने और उग्रवाद का मुकाबला करने में युवा शांति निर्माताओं को शामिल करने की तत्काल आवश्यकता की अभूतपूर्व स्वीकृति का प्रतिनिधित्व करता है, और स्पष्ट रूप से युवाओं को वैश्विक प्रयासों में महत्वपूर्ण भागीदार के रूप में स्थान देता है।

स्वामी विवेकानंद का आह्वान आज भी गूंजता है-'उठो, जागो और तब तक मत रुको जब तक लक्ष्य की प्राप्ति न हो जाए।' इस अंतरराष्ट्रीय युवा दिवस पर हमें न केवल युवाओं की सराहना करनी है, बल्कि उन्हें जिम्मेदारी सौंपनी है, क्योंकि वे सिर्फ कल के नहीं, बल्कि आज के भी निर्माता हैं। स्वामी विवेकानन्द ने भारत के नवनिर्माण के लिये मात्र सौ युवकों की अपेक्षा की थी। क्योंकि वे जानते थे कि युवा 'विजनरी' होते हैं और उनका विजन दूरगामी एवं बुनियादी होता है। उनमें नव निर्माण करने की क्षमता होती है। नया भारत निर्मित करते हुए प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को भी युवाशक्ति को आगे लाना होगा। युवा किसी भी देश का वर्तमान और भविष्य हैं। वो देश की नींव हैं, जिस पर देश की प्रगति और विकास निर्भर करता है। लेकिन

आज भी बहुत से ऐसे विकसित और विकासशील राष्ट्र हैं, जहाँ नौजवान ऊर्जा व्यर्थ हो रही है। कई देशों में शिक्षा के लिए जरूरी आधारभूत संरचना की कमी है तो कहीं प्रछन्न बेरोजगारी जैसे हालात हैं। युवा अनेक विसंगतियों एवं बुराइयों से घिरे हैं।

युवाओं में जोश होता है, लेकिन बिना दिशा का जोश आग भी लगा सकता है और दीपक भी जला सकता है। यह चुनाव हमारे हाथ में हैकृहम उन्हें सृजनशील बदलाव के शिल्पी बनाते हैं या अराजकता के उपकरण। महात्मा गांधी ने कहा थाकृ'आप वह बदलाव बनें जो आप दुनिया में देखना चाहते हैं।' युवा इस वाक्य को केवल नारा न बनाएं, बल्कि अपने जीवन का सूत्रवाक्य बनाएं। आज के युवा के सामने बेरोजगारी, मानसिक तनाव, नशे की लत, डिजिटल व्यसन, और सामाजिक असमानता जैसी चुनौतियां हैं। लेकिन इन्हीं के बीच नवाचार, स्टार्टअप संस्कृति, डिजिटल क्रांति, और वैश्विक मंच पर पहचान बनाने के अनगिनत अवसर भी हैं।

जरूरत है-आत्मनिर्भर सोच की, नैतिकता आधारित नेतृत्व की और सतत विकास के प्रति प्रतिबद्धता की। जब जलवायु परिवर्तन, शांति स्थापना, मानवाधिकार, और वैश्विक न्याय जैसे मुद्दों की बात आती है, तो दुनिया युवाओं की आवाज सुनना चाहती है। स्वीडन की ग्रेटा थनबर्ग से लेकर भारत के अनगिनत सामाजिक नवप्रवर्तकों तक-युवा यह साबित कर रहे हैं कि उम्र कोई बाधा नहीं, दृष्टि और साहस ही असली पूंजी है। युवाओं के हाथ में केवल भविष्य की मशाल नहीं, बल्कि वर्तमान की बागडोर भी है। अगर वे खुद को केवल दर्शक बनाकर रखेंगे, तो इतिहास उनके बिना आगे बढ़ जाएगा। लेकिन अगर वे सक्रिय भागीदारी करेंगे, तो इतिहास उन्हें अपने पन्नों में सुनहरे अक्षरों में दर्ज करेगा।

अंतरराष्ट्रीय युवा दिवस मनाते हुए मूल प्रश्न है कि क्या हमारे आज के नौजवान भारत को एक सक्षम देश बनाने का स्वप्न देखते हैं? या कि हमारी वर्तमान युवा पीढ़ी केवल उपभोक्तावादी संस्कृति से जन्मी आत्मकेन्द्रित पीढ़ी है? दोनों में से सच क्या है? दरअसल हमारी युवा पीढ़ी महज स्वप्नजीवी पीढ़ी नहीं है, वह रोज यथार्थ से जूझती है, उसके सामने भ्रष्टाचार, आरक्षण का बिगड़ता स्वरूप, महंगी होती जाती शिक्षा, कैरियर की चुनौती और उनकी नैसर्गिक प्रतिभा को कुचलने की राजनीति विसंगतियां जैसी तमाम विषमताओं और अवरोधों की ढेरों समस्याएं भी हैं। उनके पास कोरे स्वप्न ही नहीं, बल्कि आंखों में किरकिराता सच भी है। इन जटिल स्थितियों से लौहा लेने की ताकत युवक में ही हैं। क्योंकि युवक शब्द क्रांति का प्रतीक है। विचारों के नभ पर कल्पना के इन्द्रधनुष टांगने मात्र से कुछ होने वाला नहीं है, बेहतर जिंदगी जीने के लिए मनुष्य को संघर्ष आमंत्रित करना होगा। वह संघर्ष होगा विश्व के सार्वभौम मूल्यों और मानदंडों को बदलने के लिए। सत्ता, संपदा, धर्म और जाति के आधार पर मनुष्य का जो मूल्यांकन हो रहा है मानव जाति के हित में नहीं है। दूसरा भी तो कोई पैमाना होगा, मनुष्य के अंकन का, पर उसे काम में नहीं लिया जा रहा है। क्योंकि उसमें अहं को पोषण देने की सुविधा नहीं है। क्योंकि वह रास्ता जोखिम भरा है। क्योंकि उस रास्तें में व्यक्तिगत स्वार्थ और व्यामोह की सुरक्षा नहीं है।

युवापीढ़ी पर यह दायित्व है कि संघर्ष को आमंत्रित करे, मूल्यांकन का पैमाना बदले, अहं को तोड़े, जोखिम का स्वागत करे, स्वार्थ और व्यामोह से ऊपर उठे। युवा दिवस मनाने का मतलब है-एक दिन युवकों के नाम। इस दिन पूरे विश्व में युवापीढ़ी के संदर्भ में चर्चा होगी, उसके ह्रास और विकास पर चिंतन होगा, उसकी समस्याओं पर विचार होगा और ऐसे रास्ते खोजे जायेंगे, जो इस पीढ़ी को एक सुंदर भविष्य दे सकें। इसका सबसे पहला लाभ तो यही है कि संसार भर में एक वातावरण बन रहा है युवापीढ़ी को अधिक सक्षम और तेजस्वी बनाने के लिए।

युवकों से संबंधित संस्थाओं को सचेत और सावधान करना होगा और कोई ऐसा सकारात्मक कार्यक्रम हाथ में लेना होगा, जिसमें निर्माण की प्रक्रिया अपनी गति से चलती रहे। विशेषतः राजनीति में युवकों की सकारात्मक एवं सक्रिय भागीदारी को सुनिश्चित करना होगा। अर्नाल्ड टायनबी ने अपनी पुस्तक 'सरवाइविंग द फ्यूचर' में नवजवानों को सलाह देते हुए लिखा है 'मरते दम तक जवानी के जोश को कायम रखना।' उनको यह इसलिये कहना पड़ा क्योंकि जो जोश उनमें भरा जाता है, यौवन के परिपक्व होते ही उन चीजों को भावुकता या जवानी का जोश कहकर भूलने लगते हैं। वे नीति विरोधी काम करने लगते है, गलत और विध्वंसकारी दिशाओं की ओर अग्रसर हो जाते हैं।

इसलिये युवकों के लिये जरूरी है कि वे जोश के साथ होश कायम रखे। इसीलिये सुकरात को भी नवयुवकों पर पूरा भरोसा था। वे जानते थे कि नवयुवकों का दिमाग उपजाऊ जमीन की तरह होता है। उन्नत विचारों का जो बीज बो दें तो वही उग आता है। एथेंस के शासकों को सुकरात का इसलिए भय था कि वह नवयुवकों के दिमाग में अच्छे विचारों के बीज बोने की क्षमता रखता था। आज की युवापीढ़ी में उर्वर दिमागों की कमी नहीं है मगर उनके दिलो दिमाग में विचारों के बीज पल्लवित कराने वाले स्वामी विवेकानन्द और सुकरात जैसे लोग दिनोंदिन घटते जा रहे हैं।

कला, संगीत और साहित्य के क्षेत्र में भी ऐसे कितने लोग हैं, जो नई प्रतिभाओं को उभारने के लिए ईमानदारी से प्रयास करते हैं? हेनरी मिलर ने एक बार कहा था- ''मैं जमीन से उगने वाले हर तिनके को नमन करता हूं। इसी प्रकार मुझे हर नवयुवक में वट वृक्ष बनने की क्षमता नजर आती है।'' महादेवी वर्मा ने भी कहा है ''बलवान राष्ट्र वही होता है जिसकी तरुणाई सबल होती है।'' इसीलिये युवापीढ़ी पर यह दायित्व है कि वह युवा दिवस पर कोई ऐसी क्रांति घटित करे, जिससे युवकों की जीवनशैली में रचनात्मक परिवर्तन आ सके, हिंसा-आतंक-विध्वंस की राह को छोड़कर वे निर्माण की नयी पगडंडियों पर अग्रसर हो सके।

महत्त्वपूर्ण
Printed& Published by Devendra Sharma on behalf of owners M/s. New Media Company,6/4 , Ist floor, Cantonment station road, Bengaluru-51and printed at Dinasudar Printing Division, 116, Queens Road, Bengaluru-560052. **Editor-Shreekant Parashar**, (*Responsible for selection of news under PRB Act.) Reproduction of any matter from this newspaper in whole or in part or any suchmanner without prior written permission from the publisher is strictly prohibited and punishable by law.**RNI No. 58061/93. Regn No.: RNP/KA/BGS/2050/2015-2017 posted at Bengaluru PSO Mysore Road Bengaluru-560 026**

पाठकों से अनुरोध है कि इस प्रकाशन में प्रकाशित किए जाने वाले किसी भी तरह के विज्ञापन (वैवाहिक, वर्गीकृत, टैंड़र एवं सजावटी इत्यादि) पर कोई भी कार्यवाही, प्रतिबद्धता या धनराशि का व्यय करने से पूर्व इन विज्ञापनों के बारे में समस्त जानकारी वह स्वयं प्राप्त कर लें। दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह उत्पादों की गुणवत्ता तथा सेवाओं के लिए विज्ञापनदाताओं द्वारा किए जा रहे किसी प्रकार के दावों के लिए जिम्मेदार नहीं है। अगर विज्ञापनदाता विज्ञापन में किया जा रहा दावा पूरा नहीं करता है तो दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह के संपादक, मुद्रक एवं प्रकाशक या मालिकान को पाठक किसी भी रूप में उत्तरदाई नहीं बना सकता।- दक्षिण भारत राष्ट्रमत

चीन की योजना भारत से लगती वास्तविक नियंत्रण रेखा तक रेल नेटवर्क बनाने की : रिपोर्ट

बीजिंग/भाषा। चीन शिनजियांग प्रांत को तिब्बत से जोड़ने के लिए सबसे महत्वाकांक्षी रेल परियोजना पर काम कर रहा है और इसका एक हिस्सा भारत के साथ लगती वास्तविक नियंत्रण रेखा (एलएसी) के नजदीक से गुजरेगा। मीडिया में आई खबरों में यह जानकारी दी गई है।

हांगकांग से प्रकाशित साउथ चाइना मॉर्निंग पोस्ट की खबर के मुताबिक इस साल विश्व की सबसे महत्वाकांक्षी रेल परियोजनाओं में से एक पर काम शुरू होने की उम्मीद है। इसके लिए एक सरकारी स्वामित्व वाली कंपनी की स्थापना की जाएगी जो शिनजियांग के होटन को तिब्बत के ल्हासा से जोड़ने वाली रेल परियोजना के निर्माण और संचालन की देखरेख करेगी।

साउथ चाइना मॉर्निंग पोस्ट ने शंघाई सिक्योरिटीज न्यूज के हवाले से दी गई खबर में कहा कि शिंजियांग-तिब्बत रेलवे कंपनी (एक्सटीआरसी) को औपचारिक रूप से 95 अरब युआन (13.2 अरब अमेरिकी डॉलर) की पूंजी के साथ पंजीकृत किया गया है और परियोजना के निर्माण के लिए इसका पूर्ण स्वामित्व चाइना स्टेट रेलवे ग्रुप के पास है।

हुबेई स्थित हुआयुआन सिक्योरिटीज ने शुक्रवार को एक शोध पत्र में कहा, इस महत्वाकांक्षी परियोजना का लक्ष्य 2035 तक ल्हासा केंद्रित 5,000 किलोमीटर लंबा पठारी रेल ढांचा स्थापित करना है।

अखबार में शनिवार को प्रकाशित खबर के मुताबिक परियोजना की पंजीकृत पूंजी प्रारंभिक वित्तपोषण को दर्शाती है, न कि कुल परियोजना लागत को। उदाहरण के लिए, 1,800 किलोमीटर लंबे सिचुआन-तिब्बत रेलवे के निर्माण पर 320 अरब युआन (45 अरब अमेरिकी डॉलर) लागत आने की उम्मीद है।

खबर में कहा गया है, रेल मार्ग के कुछ हिस्से चीन-भारत वास्तविक नियंत्रण रेखा (एलएसी) के पास से भी गुजरेंगे, जो दोनों देशों के बीच मौजूदा सीमा है। इसके मद्देनजर यह शेष चीन की तुलना में कम बुनियादी ढांचे वाले सीमांत क्षेत्र में सामरिक महत्व रखता है। इस क्षेत्र में चीन ने कई विशाल अवसंरचना परियोजनाओं पर काम किया है जिनमें शिंजियांग-तिब्बत राजमार्ग, जिसे जी219 राजमार्ग के नाम से भी जाना जाता है, विवादित अक्साई चिन क्षेत्र से होकर गुजरता है, जो 1962 के युद्ध में एक प्रमुख विवाद बिंदु था।

खबर में कहा गया कि शिंजियांग-तिब्बत रेलवे तिब्बत को देश के बाकी हिस्सों से जोड़ने के लिए प्रस्तावित चार रेल मार्गों में से एक है, जबकि अन्य सेवाएं पश्चिमी क्षेत्र को किंघई, सिचुआन और युन्नान प्रांतों से जोड़ती हैं।इसमें कहा गया है कि किंघई-तिब्बत लाइन चालू है, जबकि अन्य दो पर निर्माण कार्य जारी है।

चीन का तिब्बत क्षेत्र हवाई, सड़क और रेल नेटवर्क से अच्छी तरह जुड़ा हुआ है। ल्हासा से इसका हाई-स्पीड रेल नेटवर्क अरुणाचल प्रदेश की सीमा तक फैला हुआ है।उल्लेखनीय है कि नए शिनजियांग-तिब्बत रेल संपर्क की चीन की योजना ऐसे समय में आई है जब पूर्वी लद्दाख में सैन्य गतिरोध के कारण चार साल से ज्यादा समय तक संबंधों में आई कड़वाहट के बाद बीजिंग और नई दिल्ली के बीच संबंधों में सामान्यीकरण की शुरुआत हुई है। अक्साई चिन इसी क्षेत्र का हिस्सा है।पिछले वर्ष रूस में ब्रिक्स शिखर सम्मेलन के दौरान प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और चीनी राष्ट्रपति शी चिनफिंग के बीच हुई बैठक के बाद संबंधों में सुधार आना शुरू हुआ। मोदी के 31 अगस्त से शुरू होने वाले दो दिवसीय शंघाई सहयोग संगठन (एससीओ) शिखर सम्मेलन में भाग लेने की उम्मीद है। चीन तिब्बत में कई विशाल निर्माण परियोजनाओं पर काम कर रहा है। चीन ने हाल ही में अरुणाचल प्रदेश के निकट, पारिस्थितिक रूप से संवेदनशील तिब्बत में ब्रह्मपुत्र नदी पर दुनिया के सबसे बड़े बांध का निर्माण शुरू किया है।

मुनीर की टिप्पणियां पाकिस्तान के 'गैर-जिम्मेदार' परमाणु देश होने का सबूत

नई दिल्ली/भाषा। पाकिस्तान के सेना प्रमुख आसिम मुनीर द्वारा अमेरिकी धरती से दी गई परमाणु धमकी से पता चलता है कि पड़ोसी देश एक ''गैर-जिम्मेदार'' परमाणु शक्ति संपन्न देश है और उसके (परमाणु) हथियारों के गैर-सरकारी तत्वों के हाथों में पड़ जाने का खतरा है। सरकारी सूत्रों ने सोमवार को यह बात कही।

फ्लोरिडा के टाम्पा में पाकिस्तानी प्रवासियों को संबोधित करते हुए मुनीर ने भविष्य में भारत के साथ युद्ध के दौरान अपने देश के अस्तित्व को खतरा होने की स्थिति में कथित तौर पर परमाणु हमला करने की धमकी दी।

पाकिस्तानी सेना प्रमुख ने कहा कि अगर भारत ने पाकिस्तान की ओर जल प्रवाह को बाधित किया, तो इस्लामाबाद भारतीय बुनियादी ढांचे को नष्ट कर देगा।

मीडिया में आई खबरों में मुनीर के हवाले से कहा गया है, हम एक परमाणु राष्ट्र हैं। अगर हमें लगता है कि हम तबाह होने जा रहे हैं, तो हम अपने साथ आधी दुनिया को भी तबाही के रास्ते पर ले जाएंगे।

सूत्रों ने कहा कि मुनीर की टिप्पणियां पाकिस्तान की इस प्रवृत्ति का हिस्सा हैं कि जब भी अमेरिका पाकिस्तानी सेना का समर्थन करता है, तो वह हमेशा अपना असल आक्रामक चेहरा प्रदर्शित करने लगता है। उन्होंने कहा कि यह इस बात का सबूत है कि पाकिस्तान में लोकतंत्र नहीं है और वहां की सेना ही देश को नियंत्रित करती है।

बच्चों के मोबाइल फोन पर ज्यादा समय बिताने पर राज्यसभा में जताई गई चिंता

नई दिल्ली/भाषा। राज्यसभा में सोमवार को भाजपा के एक सदस्य ने देश में बच्चों द्वारा मोबाइल फोन का अत्यधिक उपयोग किए जाने पर चिंता जतायी और कहा कि इससे न सिर्फ उनके मानसिक स्वास्थ्य पर नकारात्मक प्रभाव पड़ता है वहीं कम उम्र में ही कई गंभीर बीमारियां भी हो सकती हैं।

भाजपा के अजीत माधवराव गोपछडे ने सदन में यह मुद्दा विशेष उल्लेख के जरिए उठाया और कहा, भारत में बच्चों के बीच मोबाइल फोन का अत्यधिक उपयोग एक गंभीर समस्या बन चुकी है। इस आदत का बच्चों के मानसिक स्वास्थ्य पर नकारात्मक प्रभाव पड़ता है। स्मार्टफोन का अत्यधिक उपयोग चिंता अवसाद और चिड़चिड़ापन उत्पन्न कर सकता है। उन्होंने कहा कि यह आदत कम उम्र में ही डायबिटीज का कारण बन सकती है और इसके परिणामस्वरूप मोटापा भी बढ़ सकता है, हृदय से जुड़ी बीमारियां हो सकती हैं। उन्होंने कहा कि कम उम्र में बुढ़ापे के लक्षण और बालों का सफेद होना शुरू हो सकता है। उन्होंने कहा कि बच्चों का ध्यान पढ़ाई से हटकर मोबाइल फोन पर केंद्रित हो जाता है जिससे बच्चों के सीखने की क्षमता में कमी आ सकती है। लंबे समय तक मोबाइल फोन का उपयोग करने से आंखों में समस्या, नींद की कमी और मानसिक तनाव बढ़ सकता है। उन्होंने सरकार से इस संबंध में विस्तृत दिशानिर्देश जारी किए जाने की मांग की।

भाजपा के ही बृज लाल ने मंत्रियों और सांसदों के साथ नियुक्त पुलिसकर्मियों से जुड़ा मुद्दा उठाया और कहा कि नीतिगत निर्णय के तहत ऐसे पुलिसकर्मियों को संसद भवन परिसर में प्रवेश की अनुमति नहीं है। उन्होंने कहा कि इस वजह से उन्हें अकसर प्रतिकूल मौसम का सामना भी करना पड़ता है। उन्होंने सरकार से मांग की कि ऐसे पुलिसकर्मियों को जरूरी सुविधाएं मुहैया कराने के लिए कदम उठाए जाएं। भाजपा सदस्य सिकंदर कुमार ने देश में खाद्य पदार्थों में मिलावट का मुद्दा उठाया। उन्होंने कहा कि भारत में खाद्य पदार्थों में मिलावट की समस्या गंभीर है।

सबको छोड़कर जिंदगी की नई शुरुआत करना चाहती हैं श्रुति हासन

मुंबई/एजेन्सी

साउथ के चर्चित एक्टर कमल हासन की बेटी और एक्ट्रेस श्रुति हासन ने सोशल मीडिया पर एक पोस्ट शेयर की। इसमें लिखा है, 'कई बार मन होता है कि सबको छोड़कर एक नई जिंदगी शुरू करू5। लेकिन फिर मन में आवाज उठती है, खुद पर भरोसा रखो और डटे रहो।' इस पोस्ट को एक वीडियो के साथ श्रुति हासन ने शेयर किया, जिसमें वह फाइट सीन्स कर रही हैं5। श्रुति के फैन पेज ने पहले यह वीडियो साझा किया था,जिसे श्रुति ने भी पोस्ट किया है। इस पोस्ट पर यूजर्स ने, श्रुति के फैंस ने भी रिएक्शन दिया है। एक्ट्रेस को जिंदगी से जुड़ी जरूरी सलाह दी है। यूजर्स ने श्रुति हासन की पोस्ट पर ही कमेंट करके उन्हें जिंदगी से जुड़ी जरूरी सलाह दी है। एक यूजर लिखता है, 'श्रुति, आपके मन में उठ रहे दर्द का अहसास हमें भी है। लेकिन उस आवाज पर भरोसा करें, जो आपको जिंदगी में डटे रहने के लिए कहती है। यही प्यार है, इससे ही आप हीलिंग की तरफ आगे बढ़ेंगी। आप जितना दिख रही हैं, उससे कहीं ज्यादा मजबूत हैं5। आपकी खूबसूरत, जिंदगी की कहानी के कई चैप्टर अभी लिखे जाने बाकी हैं5। इसलिए इंतजार ना करें5। आज ही आगे बढ़ने का एक कदम उठाएं5।'

एक अन्य यूजर ने श्रुति को पहाड़ों पर जाकर वक्त गुजारने की सलाह दी। वह कहता है, 'नई शुरुआत करें5। पहाड़ों पर जाएं5। धीरे-धीरे जिएं, भीड़-भाड़ से दूर रहें5। अपनी सोल (आत्मा) के लिए आप इससे ज्यादा खूबसूरत काम कुछ नहीं कर सकते हैं5।' कुछ यूजर्स ने श्रुति के जैसा ही महसूस करने की बात भी कही है। रजनीकांत की फिल्म 'कूली' 14 अगस्त को रिलीज होगी। इसमें रजनीकांत लीड रोल में हैं5। वहीं श्रुति हासन का रोल भी काफी अहम है। फिल्म के ट्रेलर में श्रुति की झलक, अभिनय दर्शकों को पसंद आया है। इस फिल्म के अलावा श्रुति हासन फिल्म 'सालार 2' में साउथ एक्टर प्रभास के साथ भी नजर आएंगी।

अभिनेत्री और पूर्व विधायक अंगूरलता डेका ने सोमवार को गुवाहाटी में असम राज्य महिला आयोग (एएससीडब्ल्यू) की नई अध्यक्ष का पदभार ग्रहण किया।

फिल्म शोले का '4के' संस्करण टीआईएफएफ में दिखाया जाएगा

नई दिल्ली/भाषा। सबसे अधिक लोकप्रिय फिल्मों में से एक 'शोले' का अधिक गुणवत्ता वाला '4के' संस्करण तैयार किया गया है जिसे 'टोरंटो अंतरराष्ट्रीय फिल्म महोत्सव' (टीआईएफएफ) में प्रदर्शित किया जाएगा। अगले हफ्ते इस फिल्म के निर्माण के 50 साल पूरे होने वाले हैं।

रमेश सिप्पी द्वारा निर्देशित और अमिताभ बच्चन, धर्मेंद्र, संजीव कुमार, अमजद खान, जया बच्चन एवं हेमा मालिनी जैसे कलाकारों से सजी यह फिल्म 15 अगस्त, 1975 को रिलीज हुई थी। शुरुआत में यह असफल रही, लेकिन जैसे-जैसे हफ्ते बीतते गए, इसने अपनी गति पकड़ी और बाद के वर्षों में एक 'क्लासिक' फिल्म के रूप में उभरी। चाहे वह संवाद हो, जय बने अमिताभ और वीरू बने धर्मेंद्र के बीच की दोस्ती हो, संजीव कुमार का ठाकुर के रूप में बदला लेने वाला रूप या हिंदी फिल्म में खलनायक की नई परिभाषा गढ़ने वाले अमजद खान द्वारा खूंखार डाकू गब्बर सिंह की भूमिका निभाना, इन सभी कारणों से 'शोले' पिछले पांच दशकों से पॉप संस्कृति चार्ट में शीर्ष पर बनी हुई है। 'फिल्म हेरिटेज फाउंडेशन' ने शुक्रवार को अपने आधिकारिक 'इंस्टाग्राम' हैंडल पर फिल्म के पोस्टर के साथ इसके '4के' संस्करण के प्रदर्शन की घोषणा साझा की। फिल्म का प्रदर्शन छह सितंबर को होगा।

पोस्ट के कैप्शन में लिखा है, रमेश सिप्पी द्वारा निर्देशित भारतीय फिल्म 'शोले' (1975) अपने निर्माण के 50 साल पूरे होने का जश्न 'टीआईएफएफ' (टोरंटो अंतरराष्ट्रीय फिल्म महोत्सव) के 50वें संस्करण में एक भव्य कार्यक्रम के तहत विशेष 'स्क्रीनिंग' के साथ मनाएगी, जहां फिल्म के '4के' संस्करण को प्रदर्शित किया जाएगा।

फिल्म की यह विशेष स्क्रीनिंग छह सितंबर, 2025 को 1800 सीट की क्षमता वाले 'रॉय थॉमसन हॉल' में एक भव्य कार्यक्रम में होगी। फिल्म को 'सिप्पी फिल्म्स प्राइवेट लिमिटेड' के सहयोग से 'फिल्म हेरिटेज फाउंडेशन' द्वारा '4के' में फिर से तैयार किया गया है।

खेसारी की 'श्री 420' का ट्रेलर रिलीज

मुंबई/एजेन्सी

भोजपुरी सिनेमा के सुपरस्टार खेसारी लाल यादव अपने एक्शन के लिए जाने जाते हैं5। पर्दे पर वे दुश्मनों के छक्के छुड़ाते दिखते हैं5। मगर, कॉमेडी के मामले में भी खेसारी कम नहीं5। फिल्म 'श्री 420' का ट्रेलर देखकर तो कुछ यही पता चल रहा है। खेसारी की इस आगामी भोजपुरी फिल्म का ट्रेलर आज रविवार को रिलीज हुआ है। फिल्म के ट्रेलर को सुर म्यूजिक के यूट्यूब चैनल पर जारी किया गया है। इसमें खेसारी लाल के अलावा मधु शर्मा और श्वेता महारा भी अहम भूमिका में हैं5। ट्रेलर कॉमेडी से भरपूर है, जिस देख आप ठहाके लगाने से खुद को नहीं रोक पाएंगे। खेसारी का अलग अंदाज दर्शकों के लिए किसी ट्रीट से कम नहीं है।

फिल्म 'श्री 420' के ट्रेलर को चार लाख से ज्यादा व्यूज मिल चुके हैं5। इसके अलावा दर्शकों की भी इस पर जबर्दस्त प्रतिक्रिया आ रही है। यूजर लिख रहे हैं कि ट्रेलर देख फिल्म के प्रति दिलचस्पी बढ़ गई है। फिल्म का एलान इसी साल चुलाई में किया गया था। आगामी फिल्म में अभिनेता खेसारी लाल ठग के रूप में नजर आएंगे। फिल्म में संजय पांडे, समर्थ चतुर्वेदी, प्रकाश जैस, श्रद्धा नवल, निशा गुप्ता और उमाकांत राय जैसे सितारे भी अहम रोल में नजर आएंगे। फिल्म को मधु शर्मा और समीर आफताब प्रोड्यूस कर रहे हैं5। खेसारी लाल ने अपने इंस्टाग्राम अकाउंट से भी एक पोस्ट शेयर किया है। इसमें दर्शकों से ट्रेलर देख उस पर प्रतिक्रिया देने की गुजारिश की है। साथ ही यह वादा किया है कि फिल्म 'श्री 420' में उन्हें जबर्दस्त कॉमेडी दिखाई देगी। इसके अलावा खेसारी अपने हालिया रिलीज गाने 'बहिनी' के प्यार को लेकर भी चर्चा में हैं5। यह रक्षाबंधन स्पेशल गाना खेसारी की आगामी फिल्म 'अग्नि परीक्षा' का है।

हिना खान ने बताया कैंसर की वजह से 1 साल से नहीं मिल रहा काम

मुंबई/एजेन्सी

टीवी एक्ट्रेस हिना खान ने पिछले साल अपने फैंस को बताया था कि उन्हें कैंसर की बीमारी हुई है। हिना ने लगातार अपने फैंस को अपने कैंसर के ट्रीटमेंट से जुड़े अपडेट5स दिए हैं5। अब हिना खान ने लंबे वक्त बाद टीवी की दुनिया में वापसी की है। हिना खान इन दिनों कलर्स के रियलिटी शो पति-पत्नी और पंगा में नजर आ रही हैं5। उन्होंने खुलासा किया कि कैंसर की वजह से एक साल में उन्होंने कई प्रोजेक्ट5स छोड़े हैं और अब वो काम करने को तैयार हैं5। हिना खान ने पीटीआई से खास बातचीत में कहा कि वो अब काम करने को तैयार हैं, लेकिन वो इस चीज को महसूस कर पाती हैं कि कुछ लोग अब भी उनके साथ काम करने में हिचक रहे हैं5। हिना खान ने कहा, सब कुछ होने के बाद ये मेरा पहला प्रोजेक्ट है। मैं काम करना चाहती हूं5। किसी ने मुझे सीधे-सीधे ये कहा नहीं है कि, 'तुम अभी भी पूरी तरह से ठीक नहीं हुई हो', लेकिन मैं समझ सकती हूं कि शायद लोग सही कारणों से हिचकिचा रहे हैं5।

हिना खान ने कहा, ठीक है। मुझे वो नॉर्म तोड़ना पडे़गा। शायद ये शो वो कर सके। मैं समझती हूं5। अगर मैं उनकी जगह होती, मैं इस बारे में 1000 बार सोचती।उन्होंने कहा कि पिछले एक साल से कास्टिंग कॉल्स की खामोशी के बावजूद भी अब वो नए रोल्स करने को तैयार हैं5। उन्होंने कहा, मैं ऑडिशन्स के लिए तैयार हूं, मैं कहां रुकी? पिछले एक साल से मुझे किसी ने कॉल नहीं किया है, तमाम वजहों से। मैं हर चीज के लिए तैयार हूं, प्लीज फोन कीजिए मुझे।

विरोध मार्च

समाजवादी पार्टी की सांसद जया बच्चन अन्य सांसदों के साथ सोमवार को नई दिल्ली में बिहार में एसआईआर के विरोध में संसद भवन के मकर द्वार से चुनाव आयोग तक एक विरोध मार्च में भाग लेती हुईं5।

'कैसी पहेली' गीत के बोल उस समय के अधिकतर गानों से अलग थे : रेखा

नई दिल्ली/भाषा। अभिनेत्री रेखा का कहना है कि 2005 की फिल्म 'परिणीता' का गीत 'कैसी पहेली' जीवन के लिए एक रूपक बनकर उभरा है और यह अधिकतर अन्य गीतों से अलग है। सुनिधि चौहान द्वारा गाया गया यह गीत रेखा पर फिल्माया गया था और इसके रिलीज होने के तुरंत बाद यह लोगों में बहुत अधिक पसंद किया जाने लगा।इस गीत के बोल स्वानंद किरकिरे ने लिखे थे और संगीत शांतनु मोइत्रा ने दिया था।

रेखा ने कहा कि यह गीत एक विशेष माहौल बनाने वाला था। उन्होंने कहा, कैसी पहेली' सिर्फ एक गाना नहीं था यह जीवन के लिए एक रूपक था। इस गीत ने बीते हुए समय फिर से मेरे सामने ला दिए और एक ऐसी महिला के रहस्य को याद दिलाया, जो अपनी कहानी को पूरी तरह से अपनाती है।

उन्होंने कहा, 20 साल पहले यह गीत अपनी अलग पहचान रखता था; इसका संगीत दुर्लभ था और इसके बोल उस समय के ज्यादातर गीतों से अलग थे। जैसे ही मैंने उस जैज़ क्लब के सेट पर कदम रखा, मैं जैज गायक बन गई। आज भी, जब मैं यह गीत सुनती हूं, तो मेरे चेहरे पर मुस्कान आ जाती है... यह उन पहेलियों में से एक है, जिसे आप कभी सुलझाना नहीं चाहते; आप बस इसे जीना चाहते हैं। यह फिल्म 29 अगस्त को अपनी 20वीं वर्षगांठ पर फिर से रिलीज की जाएगी।

शरत चंद्र चट्टोपाध्याय द्वारा 1914 में लिखे गए प्रतिष्ठित बंगाली उपन्यास पर आधारित इस फिल्म का निर्देशन दिवंगत प्रदीप सरकार ने किया था। विद्या बालन और सैफ अली खान अभिनीत यह फिल्म बचपन के दोस्तों ललिता और शेखर के इर्द-गिर्द घूमती है, जो धीरे-धीरे एक-दूसरे के प्यार में पड़ जाते हैं।

बेटे ने खरीदी वही बिल्डिंग, जहां पिता धोते थे प्लेटें, संघर्ष से स्टारडम तक सुनील शेट्टी की कहानी

मुंबई/एजेन्सी

बॉलीवुड में कुछ सितारे ऐसे होते हैं जिनकी चमक सिर्फ पर्दे तक सीमित नहीं होती, बल्कि उनके पीछे का संघर्ष भी उन्हें औरों से अलग बनाता है। ऐसे ही एक अभिनेता हैं सुनील शेट्टी, जो न सिर्फ एक सफल अभिनेता हैं, बल्कि एक बेहतरीन इंसान, बिजनेस टायकून और सोशल वर्कर भी हैं5। वह दमदार फिजीक, गहरी आवाज और एक्शन से भरपूर किरदारों के लिए पहचाने जाते हैं5। उन्होंने 90 के दशक में बॉलीवुड में अपनी अलग पहचान बनाई5। लेकिन उनकी जिंदगी की सबसे खास बात सिर्फ एक सुपरस्टार बनना नहीं, बल्कि अपने पिता के संघर्ष को मान देना है। सुनील शेट्टी का जन्म 11 अगस्त 1961 को कर्नाटक के मैंगलोर जिले के मुल्की शहर में हुआ था। वे एक मध्यमवर्गीय तुलु भाषी परिवार से ताल्लुक रखते हैं5। उनके पिता वीरप्पा शेट्टी काम की तलाश में मुंबई आए थे और यहां आकर उन्होंने जुहू इलाके में एक छोटे से होटल में वेटर का काम शुरू किया। वे दिन-रात मेहनत करते थे, टेबल साफ करना, प्लेटें धोना, ग्राहकों को खाना परोसना... अपने बच्चों को बेहतर भविष्य देने और परिवार को चलाने के लिए वे ये सब काम करते थे। उस वक्त सुनील बेशक बच्चे थे, लेकिन अपने पिता की मेहनत और संघर्ष को नजदीक से देख रहे थे और उनके लिए जिंदगी में कुछ बड़ा करना चाहते थे।

लेकिन जब सुनील शेट्टी ने अपने अभिनय के दम पर बॉलीवुड में बड़ा नाम कमाया, तो उन्होंने उसी होटल को खरीद लिया जिसमें उनके पिता काम करते थे। 2013 में अपने नए डेकोरेशन शोरूम को लॉन्च करते समय एक्टर ने बताया था कि यह वही जगह है जहां मेरे पिता, वीरप्पा शेट्टी, वेटर के तौर पर काम किया करते थे और प्लेट साफ किया करते थे। सुनील शेट्टी का बचपन सामान्य सा था। जुहू में रहने की वजह से वे अक्सर फिल्मों की शूटिंग देखा करते थे और यहीं से उनका झुकाव एक्टिंग की ओर बढ़ा। एक दिन वे फिल्म की शूटिंग देखने गए जहां अमिताभ बच्चन और जीनत अमान फिल्म 'डॉन' की शूटिंग कर रहे थे। उन्होंने बिग बी से मिलना चाहा, लेकिन गार्ड5र्स ने रोक दिया, लेकिन जब अमिताभ की नजर उन पर पड़ी तो उन्होंने गार्ड5र्स को उन्हें अंदर लाने के लिए कहा। उस वक्त बच्चन साहब ने सुनील को अपना नंबर भी दिया, लेकिन सुनील ने कभी कॉल नहीं किया, ये सोचकर कि शायद यह गलत होगा। इस किस्से को उन्होंने खुद 'कौन बनेगा करोड़पति' में साझा किया था।

किसी फिल्मी बैकग्राउंड के बिना उन्होंने एक्टिंग में कदम रखा और 1992 में 'बलवान' से अपने फिल्मी करियर की शुरुआत की, जिसमें उनकी हीरोइन दिव्या भारती थीं5। फिल्म सफल रही और दर्शकों ने उन्हें एक्शन हीरो के रूप में खूब सराहा। इसके बाद उन्होंने 'वक्त हमारा है', 'मोहरा', 'गोपी किशन', 'अंत', 'दिलवाले', 'सुरक्षा', 'बॉर्डर', 'रक्षक', 'भाई', 'पृथ्वी', 'कृष्णा', 'हेरा फेरी' जैसी कई हिट फिल्मों में काम किया। उनकी डबल रोल वाली फिल्म 'गोपी किशन' आज भी दर्शकों को काफी पसंद है, तो वहीं 'मोहरा' ने उन्हें एक मेनस्ट्रीम स्टार बना दिया। 2000 में आई फिल्म 'धड़कन' में उनके ग्रे शेड वाले किरदार देव ने जमकर तालियां बटोरीं और इस रोल के लिए उन्हें फिल्मफेयर बेस्ट विलेन अवॉर्ड से नवाजा गया।

सुनील शेट्टी ने करियर के दौरान खुद को केवल हीरो की भूमिका तक सीमित नहीं रखा। उन्होंने विलेन, कॉमिक और कैरेक्टर रोल्स में भी खुद को साबित किया। 'मैं हूं ना' में राघवन जैसे आतंकवादी की भूमिका निभाकर उन्होंने दिखा दिया कि वे किसी भी किरदार को जीवंत बना सकते हैं5। साथ ही, 'हेरा फेरी' और 'फिर हेरा फेरी' जैसी फिल्मों में उनका हास्य अभिनय भी दर्शकों को खूब पसंद आया। हिंदी के अलावा, उन्होंने मलयालम, कन्नड़, तमिल, तेलुगु और मराठी फिल्में भी की हैं5। सुनील शेट्टी केवल एक अभिनेता नहीं हैं, वे एक सफल निर्माता भी हैं5। उन्होंने 'रक्त', 'खेल', 'भागम भाग', और 'लूट' जैसी फिल्मों को प्रोड्यूस किया। इसके अलावा, वे वेब

RNI No. 58061/93. Regn No.: NP/KA/BGS/2050/2018-2020 Posted at Bengaluru PSO Mysore Road Bengaluru-560 026.

तेरापंथ युवक परिषद विजयनगर के निर्देशन में किशोर मंडल द्वारा साध्वी संयमलताजी के सान्निध्य में तेरापंथ इतिहास पर आधारित प्रतियोगिता 'तेरापंथ-मेरा पंथ' का आयोजन तेरापंथ भवन विजयनगर में हुआ।

एअर इंडिया के विमान को मौसम रडार में समस्या के कारण चेन्नई में उतारना पड़ा था: डीजीसीए

नई दिल्ली/भाषा। नागर विमानन महानिदेशालय (डीजीसीए) ने सोमवार को कहा कि एअर इंडिया की तिरुवनंतपुरम से दिल्ली आ रही उड़ान को विमान के मौसम रडार में खराबी की आशंका के कारण रविवार शाम को चेन्नई में सुरक्षित उतारा गया था।

उसका यह बयान तब आया है, जब विमान में सवार कुछ सांसदों ने सुरक्षा को लेकर चिंता जतायी थी।

रविवार को एअर इंडिया ने कहा था कि उड़ान संख्या एआई 2455 को तकनीकी खराबी की आशंका के चलते चेन्नई की ओर मोड़ा गया, वहीं कांग्रेस के वरिष्ठ नेता के.सी. वेणुगोपाल ने दावा किया कि यह उड़ान खतरनाक रूप से त्रासदी के बेहद करीब पहुंच गई थी।

विमान का मार्ग परिवर्तित किए जाने की घटना को लेकर राजनीतिक विवाद भी खड़ा हो गया है। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के आईटी प्रकोष्ठ के प्रमुख अमित मालवीय ने सोमवार को कहा कि वेणुगोपाल ने दावा किया है कि एअर इंडिया की उड़ान को चेन्नई में 'लैंडिंग' रोकनी पड़ी क्योंकि रनवे पर दूसरा विमान था और वहीं, एयरलाइन ने तुरंत ही इसका खंडन किया है, तो दोनों में से कोई एक तथ्यों को गलत तरीके से पेश कर रहा है।इसी पृष्ठभूमि में डीजीसीए ने सोमवार को इस घटना पर विस्तृत बयान जारी कर कहा कि उड़ान के दौरान ए320 विमान वीटी-टीएनएल को मध्यम स्तर के टर्बुलेंस (हवा की गति में परिवर्तन होने के कारण विमान को झटके लगना) का सामना करना पड़ा।

विमानन नियामक ने कहा, चालक दल ने देखा कि मौसम रडार पर दिखाई दे रही मौसम संबंधी जानकारी सटीक नहीं है। मौसम रडार में खराबी की आशंका के कारण विमान को चेन्नई की ओर मोड़ा गया

उसने कहा कि इंजीनियरिंग जांच के दौरान कोई कमी नहीं पाई गई, लेकिन एहतियात के तौर पर डब्ल्यूएक्स मौसम रडार ट्रांसरीसीवर को बदल दिया गया।

बयान में कहा गया है कि अतिरिक्त ईंधन जलाकर अधिक वज़न के साथ हवाई अड्डे पर उतरने से बचने के लिए, विमान ने हवाई यातायात नियंत्रक (एटीसी) की अनुमति से चेन्नई से 25 समुद्री मील उत्तर-पूर्व दिशा में रात 21:25 बजे से 22:08 बजे तक 43 मिनट तक हवा में चक्कर लगाए।

डीजीसीए ने कहा, जब विमान को चेन्नई के रनवे 25 पर उतरने की अनुमति दी गई, तो 22:19 बजे एटीसी ने विमान को न उतरने के लिए कहा क्योंकि प्रस्थान कर रही गल्फ एयर की उड़ान जीएफए053 (चेन्नई-बहरीन) ने रनवे के बाईं ओर मलबा होने की सूचना दी थी। एप्रन कंट्रोल ने रनवे की जांच की और कुछ नहीं पाया गया।

नियामक ने कहा, इसके बाद विमान को हवाई अड्डे पर उतरने की अनुमति दी गई और विमान ने भारतीय समयानुसार 22:39 बजे सुरक्षित लैंडिंग की।

एअर इंडिया की उड़ान एआई 2455 रविवार को शाम 19:15 बजे प्रस्थान करने वाली थी, लेकिन दिल्ली से विमान के देर से पहुंचने के कारण यह 49 मिनट देरी से रवाना हुई और तिरुवनंतपुरम से 20:04 बजे उड़ान भरी।

सोमवार को एअर इंडिया ने कहा कि तिरुवनंतपुरम-दिल्ली उड़ान के क्रू ने सभी प्रोटोकॉल का पालन किया और पहली बार उतरने का प्रयास रनवे पर संदिग्ध बाहरी मलबा होने की सूचना के कारण रोकना पड़ा।

एयरलाइन ने कहा कि विमान को चेन्नई की ओर मोड़ने का फैसला एक एहतियाती कदम था और यह यात्रियों और चालक दल की सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए संदिग्ध तकनीकी समस्या के चलते लिया गया। उसने कहा कि उड़ान को बेंगलूरु के बजाय चेन्नई मोड़ा गया, क्योंकि चेन्नई में मौसम साफ था।

उद्घाटन

केंद्रीय मंत्री अन्नपूर्णा देवी, सीआर पाटिल, पीयूष गोयल और अन्य सांसद सोमवार को नई दिल्ली में अपने नवनिर्मित फ्लैटों के उद्घाटन के दौरान उपस्थित रहे।

राज्यपाल के 'विभाजन विभीषिका दिवस' के निर्देश से केरल में राजनीतिक विवाद छिड़ा

तिरुवनंतपुरम/भाषा। केरल राजभवन द्वारा राज्य के विश्वविद्यालयों को 14 अगस्त को विभाजन विभीषिका दिवस के रूप में मनाने के कथित परिपत्र को लेकर सोमवार को केरल में विवाद छिड़ गया।राज्य के शिक्षा मंत्री वी. शिवनकुट्टी और विपक्ष के नेता वी. डी. सतीशन ने मंत्रिपरिषद की मंजूरी के बिना ऐसा परिपत्र जारी करने के राज्यपाल के अधिकार पर सवाल उठाया।राजभवन के एक अधिकारी ने पुष्टि की कि विभाजन विरोधी दिवस मनाने के लिए जून में एक परिपत्र जारी किया गया था।अधिकारी ने यह भी स्पष्ट किया कि यह परिपत्र केंद्रीय गृह मंत्रालय के निर्देशों पर आधारित था कि विभाजन विभीषिका के बारे में जागरूकता बढ़ाने के लिए सभी राज्य सरकारों को इसे मनाना चाहिए। हालांकि, उन्होंने परिपत्र के बारे में और जानकारी नहीं दी।परिपत्र को लेकर प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए शिवनकुट्टी ने कहा कि राज्यपाल राजेंद्र विश्वनाथ आर्लेकर ने इसे इस तरह जारी किया है मानो वह समानांतर शासन व्यवस्था चला रहे हों। उन्होंने इसे जनता द्वारा निर्वाचित मंत्रिपरिषद की मंजूरी के बिना जारी किया है।

मंत्री ने एक समाचार चैनल से कहा, मुझे समझ नहीं आ रहा कि उन्होंने किस अधिकार से ऐसा पत्र जारी किया है। उनके पास ऐसा कोई अधिकार नहीं है। राज्यपाल की शक्तियां सीमित हैं और यह ऐसा मामला नहीं है जिसे दैनिक प्रशासन से जोड़ा जाए, जैसा कि अदालतें और इस क्षेत्र के विशेषज्ञ पहले ही स्पष्ट कर चुके हैं।

सतीशन ने एक बयान में जानना चाहा कि राज्यपाल ने किस अधिकार से विश्वविद्यालयों के कुलपतियों को एक परिपत्र के जरिए विभाजन विभीषिका दिवस मनाने का निर्देश दिया, जिससे राज्य सरकार प्रभावी रूप से हाशिए पर चली गई। सतीशन ने कहा, राज्यपाल का राज्य सरकार के समानांतर निर्णय लेना और कार्य करना असंवैधानिक है। संवैधानिक पद पर आसीन विश्वनाथ आर्लेकर ऐसा करके केरल को खुलेआम बता रहे हैं कि वह अब भी आरएसएस (राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ) की विभाजनकारी राजनीति का प्रतिनिधित्व करते हैं। राज्यपाल का यह कदम असंवैधानिक है।

कांग्रेस नेता ने मुख्यमंत्री पिनराई विजयन और राज्य सरकार से राज्यपाल के गुमराह करने वाले कदमों पर अपनी चुप्पी तोड़ने और अपना रुख स्पष्ट करने का भी आग्रह किया। उन्होंने कहा, मुख्यमंत्री को ऐसे असंवैधानिक कदमों पर राज्य सरकार की आपत्ति के बारे में राज्यपाल को आधिकारिक रूप से सूचित करने के लिए भी तैयार रहना चाहिए। परिपत्र में राजभवन ने कथित तौर पर निर्देश दिया कि विश्वविद्यालय विभाजन विभीषिका दिवस मनाने के लिए सेमिनार आयोजित कर सकते हैं।

देह का उपयोग तो तप में है, शरीर का श्रृंगार तप है : साध्वी इन्दुप्रभा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। शहर के श्वेतांबर स्थानकवासी जैन श्रावक संघ, अलसूर के तत्वावधान में महावीर भवन में आयोजित प्रवचन में साध्वी इंदुप्रभाजी ने कहा कि जो देह शाश्वत नहीं हैं, हम उसकी गुलामी कर रहे हैं। देह का उपयोग तो तप में है। इस शरीर को बहुत खिलाया पिलाया, परन्तु अंत में इसे मिट्टी होना है। इस शरीर का श्रृंगार तप है। आज भौतिकता की अंधी दौड़ में इस शरीर को नुमाइश का साधन बनाया जा रहा है । हम हमारी संस्कृति, विरासत, पहचान, लज्ञा सभी को भूलते जा रहे हैं। शरीर को साधना का साधन बनाएं और धर्म को ढंग से करें, ढोंग से नहीं। हर परिस्थिति में प्रसन्न रहें।

प्रवचन प्रारंभ करते हुए साध्वी ऋद्धिप्रभा जी ने कहा कि उत्तराध्ययन सूत्र में मनुष्यत्व श्रुत श्रद्धा और संयम में पराक्रम को दुर्लभ बताया है। संयम को जीवन और असंयम को मृत्यु बताया है। हम में मुमुक्षु भाव रहने चाहिए। मुमुक्षु को मुक्ति की प्यास होती है और प्यासा अपनी मंजिल ढूंढ लेता है। हम संकल्प के धनी बनें और मुमुक्षु भावों की प्रेरणा, अनुमोदना तथा दलाली करें।

हमें अपना भविष्य सुधारना है तो वर्तमान के सुख में आसक्ति नहीं रखें। प्रवचन सभा में चेन्नई आदि स्थानों के दर्शनार्थी उपस्थित थे। अलसूर संघ मंत्री अभय कुमार बांठिया ने सभा संचालन करते हुए बताया कि अलसूर क्षेत्र में रोजाना आयंबिल तप हो रहे हैं। सरोज देवी फूलफगर ने 35 उपवास के प्रत्याख्यान लिए। साध्वी शशिप्रभा जी ने मंगल पाठ सुनाया।

वन्दन करने से दुर्गति के द्वार बंद होते हैं : साध्वी दिव्यायशा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। शहर के जयनगर संघ के तत्वावधान में चातुर्मासार्थ विराजित उपप्रवर्तिनी कंचनकंवरजी की निश्रा में साध्वी दिव्ययशाजी ने कहा कि नौ पुण्य में सबसे आखिरी पुण्य है नमस्कार पुण्य। 'झुकना' बहुत ही मुश्किल है। बड़ों के चरणों में नतमस्तक होना, मतलब उनके आशीर्वाद से सराबोर होगा। महापुरुष श्रीकृष्णजी रोजाना माता के दर्शन करने के पश्चात ही राजकाज करते थे। साध्वीश्री ने कहा कि सबसे पहले तो संतों का योग मिलना ही दुर्लभ है। पुनवाणी से ही संतों के दर्शन होते हैं। वंदना करने से उच्चगोत्र का बंध होता है। अनंत पुनवाणी का बंध होता है। वंदन करने से दुर्गति के द्वार बंद होते है। इन्सान तब झुकता है, जब वह अहंकार रहित होता है। साध्वी मलया श्री जी ने कहा कि क्रोध कषाय आने के साथ साथ सारे कषाय आ जाते है। आचारांग सूत्र में प्रभु परमात्मा कहते है कि मान है वहां माया भी है और माया हो वहां लोभ तो अवश्य होता ही है। प्रचार प्रसार मंत्री सागर बाफना ने बताया कि सोमवार को महाराष्ट्र, चेन्नई आदि ने अनेक श्रद्धालु गुरु दर्शन के लिए आए। साध्वीश्री कंचनकंवर जी ने एकासन, आयम्बिल, उपवास आदि अनेक तपस्याओं के पच्चकाण कराए। संघ के मंत्री पदमचंद बोहरा ने धन्यवाद दिया।

विनय धर्म का मूल है : उपप्रवर्तक नरेशमुनि

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। शहर के मागड़ी रोड स्थित ज्येष्ठ पुष्कर जैन आराधना केन्द्र भवन में चातुर्मासार्थ विराजित उपप्रवर्तकश्री नरेश मुनि जी ने भगवान महावीर की अन्तिम देशना श्री उत्तराध्ययन सूत्र के प्रथम 'विनय' अध्ययन पर चर्चा प्रारंभ करते हुए कहा कि विनय धर्म का मूल है। जिनवाणी का श्रवण कल्याणकारी, हितकारी और मंगलकारी है। जिनवाणी श्रवण द्वारा आत्मा अपने आप की पहचान करती है। श्रवण विकास की राह और विनाश की राह बताता है। श्रवण का काम केवल राह दिखाना है। आपको किस रास्ते पर चलना है, इसका चुनाव आप स्वयं को ही करना है। वह तो मात्र दृष्टि देता है। सही मार्ग का चयन कर उस ओर कदम बढ़ाना यह आप पर निर्भर करता है। श्रवण उलझी हुई गुत्थी को बड़ी बेखूबी से सुलझा देता है। उन्होंने कहा कि हमें हमेशा सदशास्त्र व आगम वाणी का श्रवण करना चाहिए, क्योंकि शास्त्र श्रवण मानव जीवन को उन्नत बनाने का सर्वोत्तम साधन उपाय है। जब तक मनुष्य शास्त्र श्रवण नहीं करता तब तक उसे यह मालूम नहीं पड़ता कि उसके लिए हेय क्या है और उपादेय क्या है, यानी कि उसके लिए छोड़ने योग्य क्या है और आत्मा में ग्रहण करने योग्य क्या है। उन्होंने कहा कि प्रभु की वाणी, धर्म शास्त्र सुन कर ही साधक आत्मा अपने आत्मिक गुणों की सही पहचान कर सकती है। उत्तराध्ययन सूत्र के प्रथम विनय अध्ययन पर विवेचना प्रारंभ करते हुए नरेशमुनिजी ने कहा कि दुनिया की ऐसी कोई समस्या नहीं है जिसका उचित समाधान इस सूत्र में पूर्ण रुपेण नहीं किया गया हो। आवश्यकता है तो बस इस उत्तराध्ययन सूत्र का श्रद्धाभक्ति सहित श्रवण कर तदनुरूप आचरण करने की। जिसमें एक विनय गुण आ गया फिर उसमें सब सद्गुणों का समावेश हो जाता है।

श्री शालिभद्र मुनि जी ने एक प्रेरक मधुर भजन के माध्यम से मानव जीवन की महत्ता को समझाते हुए कहा कि हवा के एक झौंके और पानी के रेले के समान यह जीवन अशाश्वत क्षण भंगुर है।

इस संसार के सभी सम्बन्ध एक संयोग मात्र हैं। एक आपकी आत्मा ही सदा शाश्वत है। जगत के बाकी सभी पदार्थ अशाश्वत, क्षणिक, संयोग मात्र है। उन्होंने कहा कि जहां मेरेपन का भाव है वहां दुख है। सम्यक दृष्टि जीव संसार में रह कर भी जल कमलवत निर्लिप्त जीवन जीते हैं। हमारी साधना का एक मात्र लक्ष्य भी यही होना चाहिए तभी आपको धर्म साधना का सही फल प्राप्त होगा और आपके मुक्ति का मार्ग प्रशस्त हो

प्रतियोगिता के माध्यम से किशोरों को दी तेरापंथ इतिहास और धरोहर की जानकारी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। तेरापंथ युवक परिषद विजयनगर के निर्देशन में किशोर मंडल द्वारा साध्वी संयमलताजी के सान्निध्य में तेरापंथ इतिहास पर आधारित प्रतियोगिता 'तेरापंथ-मेरा पंथ' का आयोजन तेरापंथ भवन विजयनगर में हुआ। संचालक अभिषेक कावड़िया ने ताड़गढ़, श्रीडूंगरगढ़, गंगाशहर, बगड़ी, सीरियारी, राजनगर, सरदारशहर कुल 7 टीमों के बारे में जानकारी दी।

सभी प्रतिभागी टीमों को तीन अलग अलग राउंड के दौरान तेरापंथ के इतिहास, धरोहर व अन्य जानकारी वाले प्रश्न पूछे गए। प्रथम स्थान पर राजनगर, द्वितीय स्थान पर बगड़ी, तृतीय स्थान पर पर ताड़गढ़ टीम रही, सभी टीमों के सदस्यों को प्रायोजक मनोहरलाल,राकेश, मुकेश बाबेल परिवार द्वारा पुरस्कार दिया गया। इस अवसर पर तेयुप विजयनगर के अध्यक्ष विकास बाँठिया, प्रबंध मंडल से पवन बैद, योगेश पोरवाड़, अमित नाहटा, पीयूष ललवानी, प्रायोजक परिवार से सुनीता बाबेल आदि उपस्थित थे। संयोजक हर्ष मांडोत ने व्यवस्था संभाली तथा किशोर मंडल के संयोजक दर्शन बाबेल ने धन्यवाद दिया।

अणुव्रत समिति द्वारा जिला स्तरीय क्रिएटिविटी प्रतियोगिता का आयोजन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। अणुव्रत विश्व भारती सोसायटी द्वारा निर्देशित अणुव्रत क्रिएटिविटी प्रतियोगिता का आयोजन अणुव्रत समिति द्वारा मुनि डॉ पुलकित कुमार जी के सान्निध्य में हुआ।वरजूबाई मीठ्ठालाल मांडोत परिवार के सौजन्य से 'संविधान की धार-मर्यादा का हो आधार' विषय पर सामूहिक गायन, एकल गायन, निबंध लेखन, कविता वाचन, भाषण चित्रकारी जैसी विभिन्न प्रतियोगिता का आयोजन हुआ, जिस, कनकपुरा, विजयनगर, कोरमंगला, गोवरीपाल्या आदि क्षेत्रों के 17 स्कूलों के 65 बच्चों ने विभिन्न विषयों पर आधारित प्रतियोगिता में भाग लिया और राज्य स्तर पर प्रतिभागियों का चयन हुआ। प्रतियोगिता में विभिन्न स्कूल विजेता हुए। इस कार्यक्रम में अध्यक्ष ललित बाबेल ने सभी का स्वागत किया। निर्णायक कमेटी में राष्ट्रीय अणुव्रत विश्व भारती के संगठन मंत्री राजेश चावत,सलाहकार कन्हैयालाल चिप्पड़ , उपाध्यक्ष बीवी चंद्रशेखराया, संगठन मंत्री कन्हैयालाल सुराणा, सहमंत्री सूरजमल पितलिया, प्रचार प्रसार मंत्री कविता जैन, संयोजिका सुमित्रा बरड़िया, एससी कर्नाटक प्रभारी शांति सकलेचा आदि उपस्थित थे। कार्यक्रम का संचालन मंत्री लाभेश कांसवा ने किया।

मनुष्य नाम से नहीं, बल्कि अपने कामों से बड़ा होता है : संत ज्ञानमुनि

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। शहर के यलहंका स्थित सुमतिनाथ जैन संघ के तत्वावधान में चातुर्मासार्थ विराजित संत ज्ञानमुनिजी ने अपने प्रवचन में कहा कि मांस का सेवन करने वाला नर्क में जाता है। माया करने वाला भी नर्क में जाता है। मनुष्य कितना भी बुद्धिमान हो, कितना भी सहयोग करता हो, लेकिन मांस का सेवन और माया रखने वाला नर्क में ही जाता है। जो मनुष्य कृतज्ञ नहीं होता है वह भी नर्क में ही जाता है। लोग सहायता तो ले लेते हैं लेकिन काम निकलने के बाद अहसान नहीं मानते हैं। सहायता देने वाले के प्रति कृतज्ञता नहीं दिखाते हैं। ऐसा करने से मनुष्य अपने नर्क के द्वार को खोलता है। मनुष्य नाम से नहीं बल्कि अपने कामों से बड़ा होता है। नाम कुछ भी हो काम बड़ा होना चाहिए। आज तक कोई ऐसा नहीं हुआ जिसको उसके नाम से जाना जाता हो। ज्ञसंतश्री ने कहा कि समाज में सभी को साथ लेकर चलना चाहिए। भले आज कोई गरीब है या अमीर हो। समय कभी भी बदल सकता है। समय का चक्र चलने पर गरीब गरीब नहीं रहता और अमीर अमीर नहीं रहता है, इसलिए समय अच्छा हो तो किसी के साथ गलत नहीं करना चाहिए। पहले के समय में लोग सेवा करते थे। जो किसी के उपकारों का अहसान मानता है वह हर समय आगे ही जाता है।

उपकार छोटा हो या बड़ा हो अगर हम कृतज्ञता रखेंगे तो भगवान भी साथ देंगे। इस मौके पर मरुधर केसरी गुरु सेवा समिति कर्नाटक के महामंत्री अशोक कुमार धोका, हुब्बल्ली से गौतमचंद भुरट और बबीता श्रीश्रीमाल आदि उपस्थित थे। सभा में संघ के अध्यक्ष प्रकाशचंद कोठारी ने सभी का स्वागत किया। महामंत्री मनोहर लाल लुकड़ ने संचालन किया।

हिरासत

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

बिहार में मतदाता सूची में संशोधन और कथित 'वोट चोरी' के खिलाफ संसद भवन से चुनाव आयोग तक विरोध मार्च निकालने के बाद कांग्रेस सांसद प्रियंका गांधी और अन्य विपक्षी नेताओं को सोमवार को नई दिल्ली में हिरासत में लिया गया।

फिलस्तीन को राष्ट्र के रूप में मान्यता देगा ऑस्ट्रेलिया : एंथनी अल्बनीज

वेलिंगटन/एपी। ऑस्ट्रेलिया के प्रधानमंत्री एंथनी अल्बनीज ने सोमवार को कहा कि उनका देश फलस्तीन को एक राष्ट्र के तौर पर मान्यता देगा।इसके साथ ही वह फ्रांस, ब्रिटेन और कनाडा के नेताओं की कतार में शामिल हो गए हैं, जिन्होंने संकेत दिया है कि वे भी ऐसा करेंगे। उनकी यह टिप्पणी ऐसे समय आई है जब उनके मंत्रिमंडल के भीतर और ऑस्ट्रेलिया के कई हिस्सों से फलस्तीन को मान्यता देने की अपील की जा रही थी तथा गाजा में लोगों की पीड़ा और भुखमरी को लेकर आलोचना भी बढ़ रही थी। अल्बनीज ने गाजा के हालात को सोमवार को ''मानवीय तबाही'' बताया। ऑस्ट्रेलिया सरकार ने हाल के दिनों में इजराइली नेता बेंजामिन नेतन्याहू द्वारा गाजा में एक नई और व्यापक सैन्य कार्रवाई की घोषणा किए जाने की भी आलोचना की है।

अल्बनीज ने सोमवार को मंत्रिमंडल की बैठक के बाद संवाददाताओं से कहा कि फलस्तीन को मान्यता देने का ऑस्ट्रेलिया का निर्णय सितंबर में संयुक्त राष्ट्र महासभा में औपचारिक रूप से घोषित किया जाएगा। उन्होंने कहा कि यह मान्यता ''फलस्तीनी प्राधिकरण से मिले आश्वासनों पर आधारित है। इन आश्वासनों में फलस्तीन सरकार में हमास की कोई भूमिका न होना, गाजा का निरस्त्रीकरण और चुनाव कराना शामिल हैं।

अल्बनीज ने कहा, द्वि-राष्ट्र समाधान ही पश्चिम एशिया में हिंसा के चक्र को तोड़ने और गाजा में संघर्ष, पीड़ा और भुखमरी को समाप्त करने को लेकर मानवता की सबसे बड़ी उम्मीद है।

Printed& Published by Devendra Sharma on behalf of owners M/s. New Media Company, 6/4 , Ist floor, Cantonment station road, Bengaluru-51 and printed at Dinasudar Printing Division, 116, Queens Road, Bengaluru-560052. **Editor-Shreekant Parashar**,
(*Responsible for selection of news under PRB Act.) Reproduction of any matter from this newspaper in whole or in part or any such manner without prior written permission from the publisher is strictly prohibited and punishable by law.
HEAD OFFICE : DAKSHIN BHARAT RASHTRAMAT, New Media Company, 6/4, Cantonment Station Road, Bangalore 560051. Editorial : 080-25363030 / 9945488003. For Advertisement : 9945488002 - email : news@dakshinbharat.com